जबलपुर
रविवार, 8 फरवरी 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-7
वर्ष : 20, अंक : 280
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 12

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

मध्यप्रदेश में दलहन फसलों का उत्पादन तेजी से बढ़ाएंगे

केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीहोर का यह राष्ट्रीय सम्मेलन दलहन क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों, मूल संवेदनाओं और भविष्य की संभावनाओं पर गहन विमर्श का सशक्त मंच बनेगा और नीति निर्धारण व अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में दलहन फसलों का उत्पादन तेजी से बढ़ाएंगे। इसके लिए हम केन्द्र सरकार के साथ होकर काम करेंगे।

प्रशासनिक भवन व प्रयोगशाला का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय शुष्क क्षेत्र कृषि अनुसंधान केंद्र (इकार्डा) सीहोर के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन, प्रशिक्षण केंद्र तथा अत्याधुनिक प्लांट टिशू कल्चर प्रयोगशाला का लोकार्पण भी किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा

आदर्श किसानों को 1 हेक्टेयर में दलहन उत्पादन के लिए सरकार से 10 हजार रुपए का प्रोत्साहन

अरहर, उड़द और मसूर की होगी शत-प्रतिशत खरीदी, प्रदेश में खुलेंगी 55 दाल मिलें

सम्मेलन में आए कृषि मंत्रियों को सौंपा दलहन मिशन की बजट राशि का स्वीकृति-पत्र

अगर कोई दाल मिल शुरू करना चाहता है तो इसके लिए केंद्र सरकार 25 लाख रुपए का अनुदान देगी

सीहोर के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन में देश भर से आए कृषि मंत्री

विशेष प्रतिनिधि:भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि दलहन आत्म निर्भरता मिशन के अंगर्तग दालों के कलस्टर बनाए जाएंगे। इकार्डा (इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च इन द ड्राई एरिया) के सहयोग से बीज ग्राम और बीज हब बनाए जाएंगे। प्रगतिशील और आदर्श किसानों को एक हेक्टेयर में दलहन उत्पादन लिए 10 हजार रुपए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस कलस्टर में अगर कोई दाल मिल शुरू करना चाहता है तो इसके लिए भारत सरकार 25 लाख रुपए का अनुदान देगी। उन्होंने कहा कि किसानों को उपज का सही दाम दिलाने के लिए देश भर में एक हजार दाल मिल खुलेंगी, इनमें से 55 मध्यप्रदेश में स्थापित होंगी।

सीएम और शिवराज इकार्डा भवन का लोकार्पण करते हुए

सम्मेलन में ये रहे मौजूद

राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री द्वय रामनाथ ठाकुर एवं भागीरथ चौधरी, प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, राज्यों के कृषि मंत्रियों में ओडिशा के उप-मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री केवी सिंहदेव, उत्तरप्रदेश से सूर्य प्रताप शाही, हरियाणा से श्याम सिंह राणा, गुजरात से रमेशभाई भूराभाई कटारा, छत्तीसगढ़ से रामविचार नेताम, महाराष्ट्र से आशीष जायसवाल, राजस्थान से डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, बिहार से रामकृपाल यादव, इकार्डा के निदेशक शिवकुमार अग्रवाल, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के निदेशक अविनाश लवानिया, कृषि क्षेत्र में कार्य करने वाली विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

पीएम मोदी के स्वागत में लगे 'मोदी-मोदी' के नारे

प्रधानमंत्री मोदी 2 दिन के मलेशिया दौरे पर, नए साल में उनकी यह पहली विदेश यात्रा, भव्य तरीके से हुआ स्वागत

भारत का यूपीआई जल्द ही मलेशिया में होगा लॉन्च, तिरुवल्लुवर सेंटर भी खुलेगा

पीएम ने कहा कि हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। यहां मिला अपनापन और स्नेह भारत और मलेशिया की साझा सांस्कृतिक विविधता को खूबसूरती से दर्शाता है

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंच गए हैं। पीएम अनवर इब्राहिम ने कुआलालंपुर पहुंचने पर खुद एयरपोर्ट जाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक बार फिर किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ एक ही कार में सवार होकर यात्रा की, जिससे उनकी कार डिप्लोमेसी नए सिरे से चर्चा में आ गई। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें भी साझा कीं। पीएम मोदी ने लिखा- मैं कुआलालंपुर पहुंच गया हूं।

हवाई अड्डे पर मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की तरफ से किए गए हार्दिक स्वागत के लिए अत्यंत आभारी हूं।

प्रवासी भारतीयों से पीएम ने कहा कुआलालंपुर से कोच्चि तक एक जैसा खाना मलेशिया तक है भारत की फिल्में और संगीत की धाक

प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के पीएम इब्राहिम एक ही कार में

पीएम अनवर इब्राहिम ने कुआलालंपुर पहुंचने पर खुद एयरपोर्ट जाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया

- पीएम मोदी ने एक बार फिर किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ एक ही कार में सवार होकर यात्रा की
- पीएम मोदी मलेशिया में प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे
- पीएम अनवर इब्राहिम से रक्षा, आर्थिक, नवाचार सहयोग पर होगी मुख्य चर्चा

आजाद हिंद फौज में थे भारतीयों के पूर्वज

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत की आजादी से बहुत पहले, यहां बसे भारतीयों के हजारों पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान दिए। इनमें से कई लोग भारत में अपने परिवार और पड़ोसियों से जुड़े थे, फिर भी वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज से जुड़ने वाले शुरुआती लोगों में शामिल थे।

भारत की सफलता मलेशिया की सफलता

पीएम ने अपने संबोधन में दुनिया में बढ़ती भारत की ताकत बताते हुए कहा कि हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। हम एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाते हैं। जब प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने चंद्रयान-2 की सफलता पर अपनी शुभकामनाएं दीं, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। भारत की सफलता मलेशिया की सफलता है। यह एशिया की सफलता है।

मैं अपना वादा निभाने आया हूं

पीएम मोदी ने यह भी याद दिलाया कि पिछले वर्ष वे आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सके थे, लेकिन उन्होंने अपने मित्र से वादा किया था कि वे जल्द ही यहां आएंगे। उन्होंने कहा मैं अपना वह वादा निभाने यहां आया हूं। उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया एक-दूसरे को इतनी आसानी से समझते हैं, शायद इसकी वजह दोनों भाषाओं भारतीय भाषाओं और मलय में मौजूद समान शब्द भी हैं। मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का जिक्र करते हुए कहा कि वे बेहद अच्छा गाते हैं, हालांकि भारत में बहुत से लोग यह नहीं जानते थे। उन्होंने बताया कि अनवर इब्राहिम के भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि अनवर इब्राहिम को दिग्गज अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत भी बेहद पसंद हैं।

शगुन में 1 रुपया स्वीकार कर बोले- धन नहीं, बेटी चाहिए

भिंड। यहां में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने दशकों से चली आ रही कुरीति पर करारा प्रहार किया है। यहां एक शादी समारोह में दूल्हे के पिता ने दुल्हन पक्ष द्वारा दिए गए 51 लाख रुपए के दहेज को लौटा दिया और सिर्फ 1 और एक नारियल में इस शादी को पूरा करवाया। खिड़किया मोहल्ले में रहने वाले अनोज पाठक के बेटे आकर्ष पाठक का 5 फरवरी को भिंड शहर के जगदीश मैरिज गार्डन में शादी समारोह आयोजित किया गया था। इस शादी समारोह में दुल्हन पक्ष के लोग जबलपुर से शगुन फलदान लेकर पहुंचे थे। बारात में दहेज के रूप में 51 लाख रुपए रख दिए गए थे और लड़की पक्ष के लोगों ने यह 51 लाख रुपए फलदान के दौरान दूल्हे को भेंट किए।

शादी का पहला कार्ड मंदिर में चढ़ाने जा रहा था परिवार

मातम में बदली खुशियां, ऑडी कार जब्त ड्राइवर फरार

तेज रफ्तार ऑडी ने बाइक सवार परिवार को रौंद डाला , 3 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा

रीवा-रायपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। तीनों सवार उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में पिता, छोटे बेटे और भांजी की मौके पर मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा शनिवार दोपहर कोष्टा गांव के पास हुआ। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान भागवत विश्वकर्मा, शिवम विश्वकर्मा और शीतल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। तीनों एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार भागवत विश्वकर्मा के बेटे शुभम की 25 फरवरी को शादी तय थी। हिंदू परंपरा के अनुसार शादी का पहला निमंत्रण भगवान को अर्पित किया जाता है। इसी रस्म को निभाने के लिए परिवार बाइक से चिरहुला नाथ मंदिर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। ऑडी कार को जब्त कर लिया गया है, जबकि हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया।

हादसे के वक्त भीड़ जमा हो गई

रैलिंग तोड़ती हुई गहरी नहर में गिरी कार

लॉक हो गई गाड़ी, तीन युवकों की डूबकर मौत

नर्मदापुरम/इटारसी। पथरोटा मार्ग शुक्रवार देर रात मौत का रास्ता बन गया। तेज रफ्तार ग्रे रंग की कार अनियंत्रित होकर पथरोटा की बड़ी नहर की रैलिंग तोड़ती हुई सीधे गहरे पानी में जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की जिंदा डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ। होमगार्ड प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित ने बताया कि कार सवार युवक बचने के लिए शीशे खोलने की कोशिश कर रहे थे। हादसे के बाद कार लॉक हो गई। इटारसी और पथरोटा थाना पुलिस के साथ नर्मदापुरम से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बाघ के हमले से युवक की मौत, लोगों में गुस्सा

नर्मदापुरम। पिपरिया सटे झिरिया डेम के पास बारहदेवी के रास्ते घर लौट रहे युवक पर बाघ ने हमला कर दिया। बाघ उस दूर झाड़ियों में घसीटकर ले गया जहां उसका पेट और शरीर का कुछ हिस्सा बाघ ने खा लिया।

नर्मदा परिक्रमा पर निकले वृद्ध की सड़क हादसे में मौत

नर्मदापुरम। मां नर्मदा की परिक्रमा पर निकले विदिशा के नंदलाल कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत हो गई। परिक्रमा मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

बोले-इस घटना से मैंने आत्ममंथन कर सबक लिया

मंत्री शाह ने चौथी बार मांगी माफी कहा- भविष्य में नहीं होगी 'गलती'

वीडियो जारी किया: मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे मेरे शब्द देशभक्ति के आवेश में निकले थे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार माफी मांगी है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है, आज फिर दोहरा रहा हूं, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान हो। निस्संदेह मेरे शब्द, मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। शब्द देशभक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की है, कई बार की है, अब फिर कर रहा हूं। शाह ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन कर सबक लिया है। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा और ऐसी गलती भविष्य में फिर कभी नहीं होगी। मंत्री शाह ने कहा कि यह मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ।

विजय शाह

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में हुई भारी दिक्कत

नई दिल्ली। देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले एप-आधारित कैब और डिलीवरी ड्राइवर देशव्यापी में हड़ताल पर रहे। ओला, उबर, रैपिडो और पोर्टर जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स से जुड़े लाखों ड्राइवरों ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था। शनिवार की सुबह से ही दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ एप-आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के नेतृत्व में हुई यह हड़ताल पिछले साल 31 दिसंबर को हुई डिलीवरी बॉयज की हड़ताल के बाद गिग वर्कर्स का दूसरा बड़ा शक्ति प्रदर्शन है। हड़ताल का सबसे प्रमुख कारण केंद्र सरकार द्वारा जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर गाइडलाइंस 2025 का प्रभावी ढंग से लागू न होना है।

राष्ट्रपति ने साइबर सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

स्कूलों में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को शामिल करने पर दिया जोर

मुर्मू ओडिशा सरकार के 'ब्लैक स्वान समिट' में बोलीं, सरकार के कदमों की जानकारी दी

सरकार की तैयारी और तकनीक की नई चुनौतियां बताई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने लोगों में डिजिटल उपकरणों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्कूलों के पाठ्यक्रम में डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता शामिल करने की जरूरत पर भी जोर दिया। इससे बच्चे छोटी उम्र से ही तकनीक के फायदे और नुकसान दोनों को समझ सकें। मुर्मू ओडिशा सरकार द्वारा ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क के सहयोग से आयोजित 'ब्लैक स्वान समिट' में बोल रही थीं। कई बार इसका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 3 दिवसीय आदिवासी सांस्कृतिक उत्सव बस्तर पंडुम 2026 में राष्ट्रपति।

राष्ट्रपति ने बताया कि डिजिटल धोखाधड़ी रोकने और उसकी शिकायत दर्ज कराने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग प्रणाली और साइबर धोखाधड़ी निवारण केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रही है। ये तीव्र प्रगति गंभीर चुनौतियाँ भी ला सकती हैं, जिनमें साइबर सुरक्षा खतरे, डीपफेक, गलत सूचना और प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता शामिल हैं।

फिनटेक और समावेशन पर जोर

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत की वित्तीय व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। अब किसान, छोटे दुकानदार और महिलाएं बैंक खातों में पैसा पा रही हैं और डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल कर रही हैं। उनके लिए फिनटेक अब तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरत बन गया है। महिलाओं पर फिनटेक को बढ़ावा देने विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

जगदलपुर पहुंचीं राष्ट्रपति

बस्तर पंडुम फेस्टिवल में की शिरकत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार से 3 दिन तक बस्तर पंडुम फेस्टिवल की शुरुआत हो रही है, जिसके लिए राष्ट्रपति पहली बार जगदलपुर के दौरे पर पहुंचीं। वे जगदलपुर लालबाग मैदान पहुंची। कार्यक्रम में बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, लोककलाओं और परंपराओं को दिखाया जाएगा। सीएम विष्णुदेव साय और राज्यपाल रमेन डेका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। बस्तर पंडुम में आदिवासी परंपरा के लोकगीत, पारंपरिक नृत्य, वेशभूषा, वाद्ययंत्रों पर रीति-रिवाजों के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां होगी, जिसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ के जिलों से लोग पहुंचेंगे।

गृहमंत्री शाह पहुंचे रायपुर

नक्सलवाद खत्म करने करेंगे हाईलेबल मीटिंग, 'बस्तर पंडुम' में शामिल होंगे

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को रायपुर पहुंचे। रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद बस्तर के लिए निकलेंगे, जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। 31 मार्च 2026 नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। शाह की यह बैठक राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद निर्णायक मानी जा रही है।

छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में दो महीने बाकी हैं।

खबर संक्षेप

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2027 तक होगा पूरा

नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2027 तक पूरा होगा। इस मार्ग से मुंबई का सफर केवल 12 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। अभी इस यात्रा में करीब 33 घंटे का समय लगता है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मार्ग की मदद से आर्थिक एकीकरण में जबरदस्त सुधार होगा।

मुंबई में रितु तावड़े होंगी भाजपा की महापौर

मुंबई। भाजपा ने रितु तावड़े को मुंबई महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई मेयर का पद खुली श्रेणी में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, ऐसे में साफ है कि मुंबई को एक बार फिर महिला महापौर मिलेंगी। इसी कड़ी में मुंबई में पहली बार भाजपा का महापौर बनेगा। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने नाम का एलान किया है।

भीड़ का हिस्सा होने पर लोगों को नहीं उठा सकते

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि तुर्कमान गेट इलाके में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास पिछले महीने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हुई पथराव की घटना में केवल भीड़ का हिस्सा होने के आधार पर पुलिस राहगीरों को नहीं पकड़ सकती। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने अग्रिम जमानत याचिका पर यह टिप्पणी की।

मयूर विहार अब होगा श्री राम मंदिर मयूर विहार

पूर्वी दिल्ली। मयूर विहार इलाके के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर श्री राम मंदिर मयूर विहार कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन नेप्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। नाम बदलने से यात्रियों को स्टेशन पहचानने में आसानी होगी, बल्कि धार्मिक सांस्कृतिक पहचान बढ़ेगी।

शरद से सलाह लेते दिखे पार्थ पवार

मुंबई। एक बार फिर पूरा पवार कुनबा एक साथ नजर आया। महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र बारामती से यह तस्वीर सामने आई है जिसमें पार्थ पवार और शरद पवार एक साथ बैठकर गुफ्तगू करते नजर आ रहे हैं। सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है। बारामती में पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दशक्रिया के दौरान यह दिखा।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर बोले 'दिग्गज'

भारत को होंगे बड़े फायदे, निर्यात बढ़ेगा उद्योग मजबूत होंगे व रोजगार भी बढ़ेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के लिए कई बड़े फायदे लेकर आएगा। इससे निर्यात बढ़ेगा, मजदूर-आधारित उद्योग मजबूत होंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजनाथ सिंह ने भरोसा दिलाया कि इस समझौते में किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी तरह सुरक्षा की गई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच यह समझौता देश की आर्थिक यात्रा में एक अहम कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ढांचा बेहतर निवेश को आकर्षित करेगा और भारत को लंबे समय तक आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगा। राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की सराहना की।

राजनाथ ने समझौते की अंतरिम रूपरेखा की सराहना की

देश की आर्थिक यात्रा में एक अहम कदम

भरोसा दिलाया-समझौते में किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों की सुरक्षा

हर्षवर्धन ने बताया अहम और फायदेमंद

पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने समझौते को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह डील यूरोपीय संघ के साथ हुए बड़े समझौते के तुरंत बाद आई है, जिससे भारतीय निर्यातकों, छोटे उद्योगों, किसानों और मजदूरों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे 30 ट्रिलियन डॉलर के बड़े बाजार तक भारत को बेहतर पहुंच मिलेगी, जिससे निर्यात तेजी से बढ़ेगा। यूरोपीय संघ के साथ मिलाकर भारत को लगभग 60 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी।

एफआईसीसीआई अध्यक्ष बोले आर्थिक रिश्ते और बढ़ेंगे

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने व्यापार समझौते को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों के लिए बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से टैरिफ कम होंगे, नियमों की जटिलताएं घटेंगी और कई सेक्टरों में नए मौके खुलेंगे। जब भारत खुद को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में मजबूत कर रहा है, तब यह समझौता और अहम हो जाता है।

कांग्रेस बोली- हार गए हाउडी मोदी भारत को होगा नुकसान

कांग्रेस ने इसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी हार बताया। भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के फायदे में है और इससे भारत को नुकसान हो सकता है। जयराम ने तंज कसते हुए कहा कि नमस्ते ट्रंप जीते, हाउडी मोदी हारे। सरकार ने जो संयुक्त बयान जारी किया है, उसमें पूरी जानकारी नहीं दी गई है। पहली बात यह है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अगर खरीदा तो अमेरिका 25 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। भारत अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा या खत्म करेगा।

स्पाइसजेट चेयरमैन ने बताया ऐतिहासिक

स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने समझौते को देश के लिए ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को मजबूती देगा और भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत करेगा। सिंह ने इस उपलब्धि के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक चुनौतियों के बीच देश के 140 करोड़ लोगों के हितों को प्राथमिकता देते हुए यह समझौता कराया है।

फार्मा सेक्टर ने समझौते का किया स्वागत

इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का स्वागत किया है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि भारत-अमेरिका दवा साझेदारी मजबूत होना जरूरी है, क्योंकि दवा सुरक्षा देश की सुरक्षा से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि इस समझौते में जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से छूट दी गई है। अमेरिका में फार्मास्युटिकल उत्पादों पर जांच जारी रहेगी, जो अन्य मुक्त व्यापार समझौतों जैसी ही प्रक्रिया है।

सोनिया के वकील ने कोर्ट में कहा

नागरिकता पर आरोप राजनीतिक साजिश, ये पूरी तरह बेबुनियाद

अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के अधिवक्ता ने शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में दावा किया कि 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल करने से तीन साल पहले उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने का आरोप लगाने वाली शिकायत राजनीतिक मकसद से और किसी बाहरी वजह से दायर की गई थी।यह जवाब विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के सामने पेश किया गया, जो 11 सितंबर, 2025 के मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं, जिसमें आरोप की जांच करने से इनकार कर दिया गया था। जवाब देने के बाद अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 फरवरी की तारीख तय की।

नागरिकता का मामला केंद्र व सूची ईसीआई के अधीन

मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश में राउज एवेन्यू अदालत की 'सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन' के उपाध्यक्ष वकील विकास त्रिपाठी द्वारा दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। शनिवार को सोनिया की वकील तरन्नुम चीमा, कनिष्का सिंह और आकाश सिंह ने उनका जवाब दाखिल किया, जिसमें दावा किया गया कि आरोप पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद, राजनीति से प्रेरित और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग हैं। याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सही कहा कि नागरिकता के मामले पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, जबकि मतदाता सूची विवाद निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है।

शिकायत में ठोस दस्तावेज नहीं दिए गए

जवाब में कहा गया है कि आपराधिक अदालतें आईपीसी/बीएनएस की धाराओं की आड़ में निजी शिकायतों पर सुनवाई करके इन कामों को अपने हाथ में नहीं ले सकतीं। यह शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत के खिलाफ है और संविधान के अनुच्छेद 329 का उल्लंघन होगा, जो चुनावी प्रक्रिया में न्यायिक दखल पर रोक लगाता है। इसमें कहा गया कि शिकायत किसी बाहरी वजह से दायर की गई थी और इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया गया और कहा गया कि 25 साल पहले उठाए गए विवाद को फिर से उठाया जा रहा है। जवाब में यह भी कहा गया कि शिकायत में कोई भी बुनियादी दस्तावेज नहीं दिए गए थे।

सीबीएसई :15 दिन में री-एग्जाम होंगे

सीटेट पेपर-2 पर बवाल, 2 केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीटेट पेपर-2 पेपर को लेकर परीक्षा केंद्र पर हंगामा, नाराजगी और उठते सवालों के बीच अब केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने तस्वीर साफ करने की कोशिश की गई है। बोर्ड ने बताया है कि देशभर में परीक्षा लगभग पूरी तरह सफल रही, लेकिन वैशाली के 2परीक्षा केंद्रों पर हालात काबू से बाहर हो गए। बोर्ड ने कहा कि देशभर में बनाए गए 1803 परीक्षा केंद्रों में से 1801 केंद्रों पर परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

संशोधित कार्यक्रम जल्द देंगे

इन दोनों केंद्रों पर परीक्षा अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण आयोजित नहीं हो पाई। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि इन केंद्रों पर जिन उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए आवंटित किया गया था, उनके लिए री-एग्जामिनेशन 15 दिनों के भीतर कराया जाएगा।

बरसाना जाने वालों के लिए अच्छी खबर

अब राधारानी के दर्शन के लिए नहीं लगानी पड़ेगी लंबी लाइन

एजेंसी ▶▶ बरसाना

यहां के राधारानी मंदिर में दर्शन करने आने वाले लाखों भक्तों के लिए अच्छी खबर है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने भीड़ कंट्रोल करने के लिए एक नई और प्रभावी प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया है। होली के बाद, सुचारू और सुरक्षित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रवेश मार्गों पर निःशुल्क टोकन-आधारित व्यवस्था लागू की जाएगी। अब भक्तों को एक व्यवस्थित टोकन सिस्टम के माध्यम से ही लाडली जू

के दर्शन प्राप्त हो सकेंगे। इस व्यवस्था के तहत, मंदिर परिसर के भीतर स्पेशल काउंटर तैयार किए जाएंगे जहां भक्तों को निःशुल्क टोकन दिए जाएंगे। दर्शन की अनुमति इन टोकन नंबरों के अनुसार ही दी जाएगी। यह सिस्टम उन सभी श्रद्धालुओं पर लागू होगा जो सीढ़ियों, रोपवे या परिक्रमा मार्ग के जरिए मंदिर पहुंचेंगे।

शुक्रवार देर रात की गई गिफ्तारी

नहीं मिली पप्पू यादव को जमानत, 2 दिन की न्यायिक हिरासत पर भेजा

राहुल और प्रियंका उनके समर्थन में उतरे

एजेंसी ▶▶ 000

पूर्णिया बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को आधी रात में गिरफ्तार किया गया था। अब कोर्ट ने उन्हें दो दिनों की न्यायिक हिरासत पर भेज दिया है। उनकी जमानत पर अब सोमवार को सुनवाई होगी। यादव को पटना पुलिस ने 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार किया था। यादव फिलहाल पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती रहेंगे। एमपी-पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा है।

सरकार का रवैया खौफनाक दिख रहा

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-एनडी मॉडल सामने आ गया – केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो। सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक- जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे, बोले संघ प्रमुख डॉ. भागवत

न पावर चाहिए, न पॉपुलैरिटी.... दुनिया देख रही काम

एजेंसी ▶▶ वर्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। इसके उपलक्ष्य में शनिवार को मुंबई के वर्ली स्थित नेहरू सेंटर में एक भव्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस आयोजन का नाम 'मुंबई व्याख्यानमाला' है। इसमें देश के नामचीन लोगों के शामिल होने की सभावना है। शाम 4 बजे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंच से संबोधन दिया। इस अवसर पर वे 'संघ यात्रा के 100 वर्ष- नए क्षितिज' विषय पर अपने विचार रखे। भागवत ने कहा कि संघ का काम एक अनोखा काम हैं. पूरी दुनिया में ऐसा काम नहीं हैं. संघ को देखने के लिए देश विदेश से लोग आते हैं। संघ को पब्लिसिटी, पावर या पॉपुलैरिटी नहीं चाहिए।

वर्ली स्थित नेहरू सेंटर में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया

संघ हमेशा देश की गतिविधियों के केंद्र में रहा

देश के गतिविधियों के केंद्र में संघ का नाम आता हैं, इसलिए वे देखने आते हैं। हमारी जवान पीढ़ी में ऐसा कुछ करने की इच्छा हैं , ये पद्यति आप हमको सीखा सकते है क्या? संघ को ऊपर से और दूर से देखेंगे तो भी गलतफहमी होती हैं। संघ के स्वयंसेवकक रूट मार्च करते हैं, लेकिन संघ पैरामिलिटरी आर्गेनाइजेशन नहीं हैं।

संघ राजनीतिक पार्टी नहीं

संघ के स्वयंसेवक राजनीति में भी हैं, लेकिन संघ राजनीतिक पार्टी नहीं हैं। इसलिए संघ को जानना है, तो संघ को अंदर से आ कर देखना होगा। संघ का काम पूरे देश के लिए हैं। संघ किसी दूसरे संगठन के कंपटीशन में निकला नहीं हैं। संघ किसी के विरोध में नहीं है।

संघ पैरामिलिट्री संगठन या पॉलिटिकल पार्टी नहीं

भागवत ने भाषण में कहा कि आरएसएसन तो कोई पैरामिलिट्री संगठन है और न ही कोई पॉलिटिकल पार्टी। संघ से जुड़े लोग भले ही पॉलिटिक्स में एक्टिव हों, लेकिन संगठन खुद पॉलिटिकल नहीं है। यह कोई रिएक्शनरी संगठन भी नहीं है। संघ किसी के खिलाफ नहीं है। संघ हर धर्म का सम्मान करता रहा है। सभी लोग अपने धर्म के पालन के लिए स्वतंत्र हैं। संघ के कार्यक्रम को आप यहां देख सकते हैं। इस कार्यक्रम में साधु-संत के साथ-साथ कई गणमान्य जुटे रहे।

नागौर से सामने आया अनोखा मामला

ज्वेलरी शॉप से सोने की चेन ले उड़ा कबूतर, गले में डाला

एजेंसी ▶▶ नागौर

राजस्थान के नागौर जिले से सामने आया एक अनोखा और हैरान करने वाला मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। यहां एक कबूतर ज्वेलरी शॉप से सोने की चेन चोंच में दबाकर उड़ गया और कुछ ही देर बाद उसे अपने गले में डालकर बैठा नजर आया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक ओर देशभर में सोने-चांदी के भावों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, वहीं नागौर से सामने आए इस वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 'सोने की चेन पहने कबूतर' की इस अनोखी तस्वीर ने न सिर्फ सर्राफा कारोबारियों बल्कि आम लोगों को भी चौंका दिया है। यह वायरल वीडियो नागौर जिले के डेगाना कस्बे का है। बाजार में स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर रोज की तरह सोने के आभूषण तैयार किए जा रहे थे। दुकान के काउंटर पर कारीगर सोने की चेन पर काम कर रहे थे।

बिना आवाज दुश्मन इलाके में दो किमी तक जासूसी कर सकता है

देखने में छोटा पर विस्फोटक भरकर ले जाने में सक्षम 33 ग्राम का ड्रोन, दुश्मन को 'जासूसी' की भनक भी नहीं लगने देता

राजभवन में लगी सेना की हथियार प्रदर्शनी में 33 ग्राम का माइक्रो ड्रोन आकर्षण का केंद्र बना है। यह बिना आवाज दुश्मन इलाके में दो किलोमीटर तक जासूसी कर सकता है। प्रदर्शनी में अत्याधुनिक राइफल, ड्रोन, मिसाइल और रोबोटिक म्यूल भी दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं।

1 यह ड्रोन सौ मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है

2 चार किमी तक मार करता है 40 एमएम एमजीएल

3 सेना को रसद आपूर्ति में मददगार रोबोटिक म्यूल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूं तो जनभवन (राजभवन) में शुक्रवार से फल, पुष्प और शाकभाजी की तीन दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत हुई है लेकिन इस बार का सबसे खास आकर्षण है सेना की ओर से लगाई गई हथियारों की प्रदर्शनी। इसे देखने के लिए पहले दिन ही खूब भीड़ उमड़ी। पहली बार लगी इस प्रदर्शनी में एक छोटा ड्रोन खासा चर्चा में हैं जिसका वजन महज 33 ग्राम का है।

यह दुश्मन के इलाके में दो किलोमीटर तक जाकर आसानी से रेकी कर उनकी लोकेशन, वहां मौजूद लोगों की संख्या और हथियारों के बारे में सटीक जानकारी देने में सक्षम है। स्टॉल पर मौजूद सेना के जवानों ने बताया कि यह ड्रोन सौ मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है और इसमें बिल्कुल भी

आवाज नहीं होती है जिसकी मदद से खासकर आतंकवादियों की लोकेशन लेने में मदद मिलती है। यह नार्वे मेड है। वहीं भारत में बना माइक्रो ड्रोन विद कनेस्टर भी यहां मौजूद है जिसकी खासियत है कि यह दुश्मन के इलाके में 400 ग्राम विस्फोटक ले जाने में सक्षम है और वहां पहुंचकर 20 मीटर की रेंज में सब कुछ तहस-नहस कर देता है। इसका 30 मिनट का बैटरी बैकअप है। इसके अलावा ब्लैक हॉरनेट ड्रोन, लॉग रेंज थर्मल कैमरा भी प्रदर्शनी में मौजूद हैं। प्रदर्शनी में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) भी मौजूद है। इसे सैनिक खुद ले जा सकते हैं और ऑपरेट कर सकते हैं। यह मिसाइल दुश्मन के टैंकों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम है। 40 एमएम आरएल रॉकेट लॉन्चर को देखने के लिए भी लोग उत्साहित दिखे। इसके अलावा 40 एमएम मल्टी ग्रेनेड लॉन्चर (एमजीएल) है। यह चार किलोमीटर तक की रेंज में मार कर सकने में सक्षम है। इसके अलावा टी-9 मशीन पिस्टल, एमएमएचसी हैंड ग्रेनेड, एसएमजी एमपी-9, 7.62 एमएम एसआईजी 716 असाल्ट राइफल, 5.56 एमएम इनसास राइफल, 7.62 एमएम एके 203 राइफल, 7.62 एमएम स्नाइपर राइफल, साको स्नाइपर भी मौजूद हैं।

सेना के वाहनों के साथ सेल्फी लेने की होड़

प्रदर्शनी में हथियारों के साथ ही सेना के वाहन भी हैं। यहां मौजूद जवानों और वाहनों के साथ शुक्रवार को लोगों ने खूब फोटो खिंचवाईं और सेल्फी लीं। ऑल टरेन व्हीकल समेत बंकरबंद वाहनों ने लोगों को खूब आकर्षित किया।

फायरिंग में भी सक्षम

रोबोटिक म्यूल को देखने के लिए बच्चों में खास जिज्ञासा रही। यह बिल्कुल किसी कुत्ते की तरह तेजी से दौड़ता है। चार पैरों वाला यह स्वदेशी रोबोट माइनस 40 डिग्री से 55 डिग्री तापमान तक में काम कर सकता है और 15 किलोग्राम तक भार ले जाने में सक्षम है। यह पहाड़ियों और सीढ़ियों पर भी चढ़ सकता है। खास बात यह है कि यह रोबोटिक म्यूल दुश्मन की पहचान कर फायरिंग करने में भी सक्षम है। इसे 10 किमी दूरी तक रिमोट से नियंत्रित किया जा सकता है और एक बार में 10 घंटे तक काम कर सकता है। इसमें इंफ्रारेड और इलेक्ट्रो ऑप्टिक सेंसर है जो रात में भी दुश्मन का पता लगा सकता है।

खबर संक्षेप

आत्मघाती हमले के मामले में 3 गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पुलिस ने शुक्रवार को इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद पर हुए

आत्मघाती हमले के सिलसिले में खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर में दो पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान की राजधानी में शुक्रवार की नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए। यह हमला हाल के वर्षों में शिया समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक है।

ईरान और यूएस ने ओमान में वार्ता की

मस्कट। ईरान और अमेरिका ने ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की। यह बातचीत तेहरान के परमाणु

कार्यक्रम पर चर्चा के तरीके को लेकर फिर शुरुआती बिंदु पर लौटती दिखी लेकिन पहली बार अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने शीर्ष सैन्य कमांडर को भी इसमें शामिल किया। मस्कट में वार्ता के दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख नौसेना एडमिरल ब्रैड कूपर की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और अन्य युद्धपोत अब ईरान के तट के पास अरब सागर में तैनात हैं।

बांग्लादेश: पूर्व विदेश मंत्री ने चुनाव को पाखंड बताया

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने दावा किया है कि उनके देश में होने वाले

आगामी संसदीय चुनाव एक पाखंड है, उन्होंने यूएस से चुनाव प्रक्रिया को खारिज कर मान्यता देने से बचने की अपील की। मोमेन के अनुसार चूंकि ज्यादातर पार्टियों को चुनाव लड़ने से बैन किया गया है और कई लोगों को भागीदारी से रोका गया है, इसलिए इसे तरजीह नहीं दी जानी चाहिए। पूर्व विदेश मंत्री ने एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि 12 फरवरी को होने वाला चुनाव पहले से तय है।

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ शनिवार से खत्म

पीयूष गोयल बोले- अमेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर जीरो ड्यूटी, किसानों-मछुआरों को बड़ा फायदा होगा

किसानों के हित सरकार की पहली प्राथमिकता है

भारतीय निर्यातकों के लिए लगभग 27.18 लाख करोड़ के बाजार खोलेगा अमेरिका

5 साल में अमेरिका से 45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए के उत्पाद खरीदेगा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्यक मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क की घोषणा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे। जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है।

उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपए) के बाजार को खोलेगा। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) का फ्रेमवर्क जारी किया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है।

क्या भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा?

अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह कह रहे कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। इस पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सीधा जवाब दिया है। गोयल ने साफ कहा कि भारत रूसी तेल खरीदेगा या नहीं, इस बारे में विदेश मंत्रालय विशेष रूप से जानकारी देगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा, जैसा कि व्हाइट हाउस के एक बयान में भारत द्वारा खरीद पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को खत्म करने की घोषणा करते हुए कहा गया था, तो पीयूष गोयल ने कहा कि इस बारे भी विदेश मंत्रालय जानकारी देगा।

समझौते में ये हैं सुरक्षित

गोयल ने कहा, यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां, मांस आदि जैसे संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित किया गया है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में प्याज, आलू, मटर, फलियां, मशरूम, तोरी, कुंदरू, भिंडी, कद्दू, लहसुन, खीरा, शिमला मिर्च, काबुली चना और शकरकंद को शामिल नहीं किया गया है। यानी ये उत्पाद बाहर से नहीं आएंगे। फलों की बात करें तो केला, आम, स्ट्रॉबेरी, संरक्षित चेरी, सूखा आलू बुखारा, सूखा सेब, इमली, सिंघाड़ा गिरी, सूखे फल, संतरा, मैंडरिन, चकोतरा, नींबू और अंगूर को भी डील में सुरक्षित रखा गया है।

ट्रेड डील में अनाजों को संरक्षण

इस ट्रेड डील के तहत भारत में पैदा होने वाले प्रमुख कृषि उत्पादों को संरक्षित किया गया है। इनमें गेहूं कोपरा, स्यामक, कोदो, बाजरा, कांगनी, ओट्स, मैदा, ज्वार, जौ, चावल, मक्का, अमरंथ, रागी, छिल्का रहित अनाज और आटे वाले अनाज शामिल हैं।

भारत को समझौते से मिलने वाले लाभ

- *अमेरिकी टैरिफ में कमी: भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के टैरिफ को 18 प्रतिशत तक घटाया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी*
- *चुनिंदा उत्पादों पर जीरो टैरिफ: जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी*
- *30 ट्रिलियन डॉलर के बाजार तक पहुंच: भारतीय एमएसएमई, किसान, मछुआरे, महिलाओं और युवा उद्यमियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश।*
- *निर्यात क्षेत्रों में बढ़ावा: टेक्सटाइल, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी में नए अवसर*
- *सेक्शन 232 छूट: विमान पार्ट्स पर अमेरिकी सेक्शन 232 के तहत छूट मिलेगी*
- *ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ रेट कोटा: कुछ ऑटो कंपोनेंट्स के लिए अमेरिका में विशेष पहुंच मिलेगी*
- *जेनेरिक दवाओं पर बेहतर शर्तें: भारतीय जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स के लिए टैरिफ और नियामक नियमों में सुधार*

दुग्ध उत्पादों को भी संरक्षण

भारतीय दुग्ध उत्पादों को भी डील से अलग रखा गया है। इसमें दूध, क्रीम, योगहर्ट, बटर मिल्क, मक्खन, घी, चीज, बटर ऑइल, पनीर और अन्य उत्पाद शामिल हैं। मसालों की बात करें तो काली मिर्च, लौंग, सूखी हरी मिर्च, दालचीनी, धनिया, जीरा, हींग, अदरक, हल्दी, अजवाइन, मेथी, चक्रमर्द, सरसों, राई, भूसी और अन्य पाउडर मसालों को संरक्षित रखा गया है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा

भारत-यूएस व्यापार समझौते का श्रेय पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप को जाता है

पीएम मोदी ने प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क सामने आ चुका है। इस पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने फ्रेमवर्क की जानकारी साझा करते हुए दोनों देशों के बीच हुए समझौते का क्रेडिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए अमेरिकी राजदूत ने लिखा, एक नया दिन! इसे हासिल करने में उनके नेतृत्व और दृष्टिकोण के लिए सारा श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमने अपने दोनों महान देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा पर सहमति जताई है। मैं हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा, यह रूपरेखा हमारी साझेदारी की बढ़ती गहराई, विश्वास और गतिशीलता को दिखाती है। यह भारत के मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप इनोवेटर्स, मछुआरों और अन्य लोगों के लिए नए अवसर खोलकर 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करती है। इससे महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। भारत और अमेरिका इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह रूपरेखा हमारे बीच निवेश और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप को मजबूत करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि व्यापार समझौते की रूपरेखा मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन को भी मजबूत करेगी व वैश्विक विकास में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत 'विकसित राष्ट्र' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आर्थिक सहयोग होंगे मजबूत

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह व्यापार समझौता भारत-अमेरिका के आर्थिक सहयोग को मजबूत करेगा। यह हमारे लोगों और व्यवसायों के लिए स्थायी विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, व्यापार समझौते की रूपरेखा के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आपसी टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा, जिससे दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी में टेक्सटाइल और कपड़ों, चमड़े और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर प्रोडक्ट्स, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, कारीगरी वाले प्रोडक्ट्स और चुनिंदा मशीनरी जैसे अहम सेक्टर में बड़ा मार्केट मौका मिलेगा।

19 फरवरी को बैठक की संभावना

वॉशिंगटन में होगी ट्रंप के बनाए 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

गाजा के पुनर्निर्माण हेतु फंड जुटाने की कोशिश के तहत वाशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस की बैठक आयोजित की जाएगी। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने ये जानकारी दी है। एक अमेरिकी अधिकारी और बोर्ड का हिस्सा रहे चार देशों के राजनयिकों के हवाले से आउटलेट ने शुक्रवार को रिपोर्ट दी कि 19 फरवरी को बैठक की योजना है। इसका प्रमुख एजेंडा गाजा पुनर्निर्माण के लिए फंड जुटाना होगा। हालांकि इन्हीं लोगों ने ये भी कहा कि इस तारीख में

बदलाव संभव है। वहीं इजरायली मीडिया ने भी दो अरब देशों के राजनयिकों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। राजनयिकों ने बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार दोपहर को पैनल में शामिल 26 दूसरे देशों को न्योता भेजा। ऐसा एक्सियोस न्यूज साइट ने अपनी रिपोर्ट में बताया था। हालांकि अंदेशा जताया जा रहा है कि चूंकि यह तारीख रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ पड़ेगी, मुस्लिम नेताओं के शामिल होने में दिक्कत आ सकती है।

विस्थापितों को ले जा रहे वाहन को बनाया निशाना

सूडान में आरएसएफ के हमले में 8 बच्चे समेत 24 की मौत

एजेंसी ▶▶ खार्तूम

सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नॉर्थ कोर्डोफान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स

(आरएसएफ) ने किया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे। डॉक्टर्स,अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे सिविलियनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और आरएसएफ नेतृत्व को इन अपराधों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराएं।

दूरबीन पृथ्वी से 15 लाख किमी दूर रहकर दे रही जानकारी

जेम्स वेब टेलीस्कोप का बड़ा धमाका

खोजी गई ब्रह्मांड की सबसे पुरानी 28 करोड़ साल पुरानी आकाशगंगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक ऐसी ऐतिहासिक खोज हुई है जिसने पूरी वैज्ञानिक दुनिया को अचंभित कर दिया है। नासा ने घोषणा की है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने अब तक की सबसे पुरानी और सबसे दूर स्थित आकाशगंगा (गैलेक्सी) को ढूंढ निकाला है। इस आकाशगंगा को ' मोम-जेड 14' नाम दिया गया है। यह खोज हमें ब्रह्मांड के उस शुरुआती दौर की जानकारी दे रही है, जब पहले सितारे और आकाशगंगाएं आकार ले रही थीं। यह खोजी गई

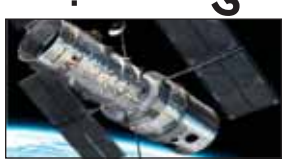

आकाशगंगा 'बिग बैंग' के मात्र 28 करोड़ साल बाद की है। इसकी रोशनी को पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 1350 करोड़ साल का समय लगा है, जो इसे मानव इतिहास की सबसे दूरस्थ खोज बनाता है। जेम्स वेब टेलीस्कोप, जिसे अमेरिका, यूरोप और कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसियों ने मिलकर बनाया है, दुनिया की सबसे शक्तिशाली दूरबीन है। 25 दिसंबर 2021 को लॉन्च हुई यह दूरबीन पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर रहकर अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझा रही है। अपनी खास 'इंफ्रारेड तकनीक' के कारण यह टेलीस्कोप अंतरिक्ष के उन धूल भरे बादलों के पार भी देख सकता है, जहां पुरानी दूरबीनें नाकाम हो जाती थीं। यह मशहूर हबल टेलीस्कोप से करीब 100 गुना अधिक शक्तिशाली है। वैज्ञानिकों का मुख्य उद्देश्य इस टेलीस्कोप के जरिए न केवल ब्रह्मांड की शुरुआत का पता लगाना है।

युद्ध समाप्त करने के लिए जून 2026 तक की समय सीमा तय

रूस-यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप ने दिखाई सख्ती

दोनों देशों को डेडलाइन की जारी, कहा खत्म करो जंग वर्ना मुश्किलें बढ़ेंगी

एजेंसी ▶▶ कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए जून 2026 तक की समयसीमा दी है। यह युद्ध लगभग चार साल से जारी है और अब अमेरिका इसे जल्द खत्म करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जेलेंस्की ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यदि जून तक कोई समझौता नहीं होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि

अमेरिका चाहता है कि गर्मियों की शुरुआत तक युद्ध खत्म करने की दिशा में ठोस नतीजे सामने आएं। जेलेंस्की के अनुसार, अमेरिकी पक्ष का मानना है कि अब युद्ध को और लंबा खींचने से क्षेत्रीय और वैश्विक अस्थिरता बढ़ेगी। इसलिए वाशिंगटन चाहता है कि जून तक सभी घटनाओं, शर्तों और समझौतों की एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार हो जाए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा और इसके लिए कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक दबाव का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, रूस की ओर से इस समयसीमा या प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर जून तक कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संघर्ष और ज्यादा जटिल हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी का भंडाफोड़, पहले से रख रहे थे नजर

समंदर में चला रहे थे अवैध कारोबार, भारतीय कोस्ट गार्ड ने 3 जहाज पकड़े

- 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन जहाजों को रोका
- बोर्डिंग टीम ने जहाजों की तलाशी ली और इलेक्ट्रॉनिक डेटा चेक किया
- दस्तावेजों की जांच की और क्रू से पूछताछ की, इससे पूरा खुलासा हुआ

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय कोस्ट गार्ड ने शुक्रवार को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई समंदर और हवाई निगरानी में चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के दौरान की गई। इस ऑपरेशन के दौरान कोस्ट गार्ड ने तीन जहाजों को जब्त किया है।

ये जहाज मुंबई के पास समंदर में अवैध तरीके से तेल की तस्करी कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह युद्धग्रस्त देशों से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदता था। अंतरराष्ट्रीय समंदर सीमा में इस तेल को बीच समंदर

में ही दूसरे मोटर टैंकरों में ट्रांसफर करके मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस पूरे नेटवर्क को अलग-अलग देशों में बैठे हैंडलर चला रहे थे, जो तेल की बिक्री और ट्रांसफर का काम संभालते थे। कोस्ट गार्ड के जहाजों ने गुरुवार को मुंबई से करीब 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन जहाजों को रोका। बोर्डिंग टीम ने जहाजों की तलाशी ली और इलेक्ट्रॉनिक डेटा चेक किया।

इसके अलावा दस्तावेजों की जांच की और क्रू से पूछताछ की। इससे अपराधियों की पूरी चेन और उनका तरीका सामने आया। कोस्ट गार्ड की तकनीक से लैस सिस्टम ने भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक मोटर टैंकर की संदिग्ध गतिविधि पकड़ी।

चिरंजीवी की 'मन शंकर वरप्रसाद गरु' ओटीटी पर मचाएगी तहलका

मुंबई। दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गरु' संक्रांति के मौके पर 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जिन लोगों ने उस वक्त फिल्म का लुत्फ नहीं उठाया था, उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखने का मौका मिलेगा। निर्माताओं ने फिल्म की ओटीटी रिलीज तारीख जारी कर दी है। एक खुशखबरी यह भी है कि फिल्म को तेलुगु के अलावा हिंदी भाषा में रिलीज किया जाएगा जिससे हिंदी पट्टी के दर्शक भी इसे देख सकेंगे। चिरंजीवी की फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गरु' जी5 पर दस्तक देगी। इस अपडेट को साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, '11 फरवरी को आ रही है! अब तक की सबसे बड़ी घोषणा।

लाइफ Style

रश्मिका

शाहिद के संग फिर बनेगी जोड़ी

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' से चर्चा में है, जिसकी शूटिंग हाल ही में पूरी हुई। कृति सैनन भी फिल्म का हिस्सा हैं, और इस तिकड़ी को देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इस बीच, हालिया जानकारी में बताया गया है कि शाहिद और रश्मिका एक अन्य फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। दोनों से जब बिना शीर्षक वाली आगामी फिल्म के लिए बातचीत की गई तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद और रश्मिका 'बधाई हो' और 'मैदान' के निर्देशक अमित रविंद्रनाथ शर्मा की अगली फिल्म में साथ नजर आएंगे। यह अनाम फिल्म रोमांस और कॉमेडी का एक नया मिश्रण पेश करने का वादा करती है, जिसका निर्माण सुनीर खेत्रपाल, वर्मिलियन वर्ल्ड बैनर के तहत जियो स्टूडियोज के सहयोग से किया जाएगा। सुनीर इससे पहले जॉन अब्राहम अभिनीत 'रॉकी हैंडसम', वरुण धवन की 'बदला' और 'फर्रे' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शाहिद और रश्मिका इस रोमांटिक फिल्म की शूटिंग इसी साल अगस्त या सितंबर महीने से शुरू कर देंगे। फिलहाल अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' के प्रचार में व्यस्त हैं जो 13 फरवरी को रिलीज हो रही है। इसके अलावा, अभिनेता ने अपनी वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर भी संकेत दे दिया है। राज और डीके द्वारा निर्मित इस सीरीज में उन्हें दोबारा सनी के किरदार में देखा जाएगा।

हॉलीवुड मसाला

प्रियंका-निक का नया एल्बम रिलीज

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा अमेरिकी सिंगर निक जोनास से शादी रचाकर सात समंदर पार बस गई हैं। उम्र में काफी फासला होने के बावजूद निक और प्रियंका की जोड़ी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री और समझ है। इसी बीच 06 फरवरी को निक जोनास का नया एल्बम 'संडे बेस्ट' रिलीज हुआ है। देसी गर्ल ने पति को बधाई दी है। साथ ही ढेर सारी पुरानी फोटोज भी शेयर की हैं। शुक्रवार 6 फरवरी को निक जोनास का नया एल्बम रिलीज हुआ है।

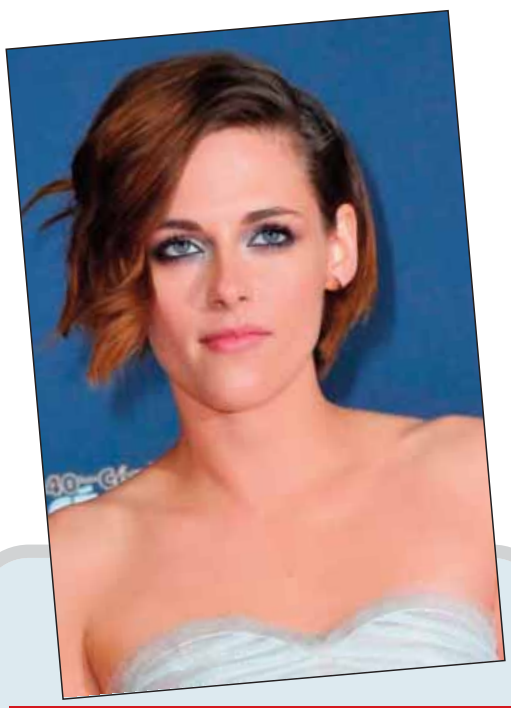

आजादी से काम नहीं कर सकती अमेरिका छोड़ने का बनाया मन

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'ट्विलाइट' फेम एक्ट्रेस क्रिस्टन स्टीवर्ट हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि वह बतौर फिल्ममेकर, एक्ट्रेस अमेरिका में सहज महसूस नहीं करती हैं। साथ ही अमेरिका का राजनीतिक माहौल भी उनको पसंद नहीं है। वह ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों पर भी खुलकर बात कर चुकी हैं। 'द टाइम्स ऑफ लंदन' से हालिया बातचीत में क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा कि वह अब अमेरिका में क्रिएटिव तौर पर सुरक्षित महसूस नहीं करती है। साथ ही वह अब यहां सहज महसूस नहीं करती हैं। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वह खुद को अमेरिका में रहते हुए आगे देखती हैं। इस पर उनका जवाब था, 'शायद नहीं।' वह आगे कहती हैं, 'मैं यहां आजादी से काम नहीं कर सकती हूं।' अपने इंटरव्यू में क्रिस्टन स्टीवर्ट ने ट्रंप की नीतियों को लेकर नाराजगी जाहिर की।

कोंकणा की वेब सीरीज को मिले कलाकार

मुंबई। अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा 'ए डेथ इन द गंज' और 'लस्ट स्टोरीज 2' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर पहले ही अपनी काबिलियत को सिद्ध कर चुकी हैं। फिलहाल अपनी आगामी वेब सीरीज को लेकर चर्चा में हैं जिसके कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर होने की संभावना है। ताजा जानकारी है कि इस सीरीज के लिए मुख्य कलाकारों की अभिनेत्री की तलाश आखिरकार खत्म हो गई है। यहां जानिए उन्होंने सीरीज के लिए किन सितारों पर दांव लगाया है। कोंकणा की आगामी सीरीज के लिए अदिति राव हैदरी और बरुण सोबती को फाइनल किया गया है, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। वैसे तो दोनों सितारे कई वेब सीरीज का हिस्सा रहे हैं, जिसमें अदिति को खासतौर पर 'हीरामंडी' और बरुण को 'कोहरा', 'असुर' के लिए जाना जाता है।

'सनम तेरी कसम-2' का बनना तय...

मुंबई। हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन की फिल्म 'सनम तेरी कसम' 2016 में रिलीज हुई थी जिसने लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल की। 2025 में जब इसे दोबारा रिलीज किया गया तो इसने लोगों तहलका ही मचा दिया। सिर्फ 3 दिनों में करीब 15 करोड़ से ज्यादा कारोबार कर लिया। फैंस बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं जिसके बनने की खबरें कई बार आईं, लेकिन निर्माता दीपक मुकुट ने सीक्वल की पुष्टि कर दी है। 'सनम तेरी कसम 2' के 10 साल पूरे होने पर निर्माता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे बचपन से फिल्म निर्माण में दिलचस्पी रही है। सबसे ज्यादा मुझे इस बात ने आकर्षित किया कि मैं एक निर्माता बनकर इसे साकार करने में मदद कर सकूं। सनम तेरी कसम के साथ मेरा यह सपना साकार हुआ।

टीवी मसाला

द 50: अखाड़ा बना शो, पांच दिनों में सिर्फ दिखा वॉयलेंस

मुंबई। पूरे 50 सेलेब्स के साथ शुरू हुए शो 'द 50' ने ऑडियंस को एंटरटेन करने के बड़े दावे किए थे। ऐसा भी कहा गया कि ये शो रियलिटी शोज का बाप कहलाएगा लेकिन बीते 5 एपिसोड को देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता है। शो में एंटरटेनमेंट कम, लड़ाई-झगड़े ज्यादा हो रहे हैं। कुछ सेलेब्स दिख नहीं रहे। कई ऐसे हैं जिन्हें पता नहीं करना क्या है। बाकी के बचे हुए सेलेब्स अपना एग्रेशन दिखाने में बिजी हैं। अभी तक वायलेंस के लिए बिग बॉस की लड़ाइयों को ही याद किया जाता था लेकिन द 50 के झगड़ों के आगे बिग बॉस की फाइट कुछ नहीं दिखती। रजत ने लड़ाई में दिग्विजय को जोर का धक्का मारा था। उनकी गर्दन दबोची थी। बिना किसी इंटेंस लड़ाई के रजत को यूं आपा खोता देख सभी चौंके थे। कई कंटेस्टेंट्स ने इस बर्ताव पर नाराजगी जताते हुए कड़े एक्शन की अपील की थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। लॉयन ने किसी को सजा नहीं दी। इसका नतीजा ये हुआ कि बीते एपिसोड में फिर से वॉयलेंस देखने को मिला।

मैक्सटर्न और अर्चित के बीच हुआ झगड़ा : मैक्सटर्न और एल्विश यादव के दोस्त अर्चित कौशिक के बीच झगड़ा हुआ. गुस्से में अर्चित ने मैक्सटर्न को जोर का धक्का मारा कि वो नीचे गिर पड़े। ये सब देखकर लायन को गुस्सा आया। लॉयन ने ऑन द स्पॉट अर्चित के खिलाफ एग्जिट ऑर्डर पास किया। द 50 में जिस तरह खिलाड़ी आपा खो रहे हैं, वो देखकर लोगों का कहना है ये शो नहीं, अखाड़ा है। शो के फॉर्मेट पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सेलेब्स के फीके तेवर

टीवी इंडस्ट्री, भोजपुरी सिनेमा और यूट्यूब की दुनिया के धुरंधर खिलाड़ी शो में अपना चार्म दिखाने में पीछे रहे हैं क्योंकि शो में इतने सारे सेलेब्स हैं, 1 घंटा एपिसोड आना है इसलिए भी कंटेस्टेंट्स को ज्यादा फुटेज नहीं मिल रही है। इस 1 घंटे में शो के हाई टॉपिक, ट्रेंडिंग सेलेब्स, लाइट मोमेंट्स, टास्क और झगड़े सब दिखाने हैं। मेकर्स के लिए इसे मैनेज करना बडी चुनौती है। यही वजह है कि बड़े सेलेब्स को लाने के बावजूद ये शो कमजोर दिख रहा है।

सपांच दिन की रिपोर्ट में शो लगा बोरिंग

कंटेस्टेंट्स को अपना पोटेंशियल दिखाने का मौका नहीं मिल रहा है। पांच दिनों के रिव्यू में शो बोरिंग लगा है। शो में द ग्रेट खली, हिमेश रेशमिया को बतौर गेस्ट लाया गया। जो बेसिकली टास्क का हिस्सा बने लेकिन उनकी मौजूदगी भी शो के लिए बज क्रिएट नहीं कर पाई है। ऐसे में बड़ा सवाल है, कैसे इस थकेले फॉर्मेट के साथ ये शो 50 दिनों तक सर्वाइव कर पाएगा?

सोनाक्षी पुलिस की वर्दी में फिर जमाएंगी रौब लौटेगा 'दहाड़' का दूसरा सीजन

मुंबई। अमेजन प्राइम वीडियो की चर्चित वेब सीरीज 'दहाड़' में सोनाक्षी सिन्हा को पुलिस की वर्दी में देखना फैंस के लिए काफी दिलचस्प अनुभव था। अभिनेता गुलशन देवैया और विजय वर्मा भी इस सीरीज का अहम हिस्सा थे, जिन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर गहन छाप छोड़ी थी। पुलिस और क्राइम पर आधारित इस सीरीज के दूसरे सीजन सीजन का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जो जल्द खत्म होगा। सीरीज पर ताजा अपडेट आ गया है।

राजस्थान में शुरू होगी 'दहाड़' के दूसरे सीजन की शूटिंग : मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा निर्मित 'दहाड़' दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। टीम और कास्ट इसी महीने से राजस्थान में शूटिंग शुरू करने वाली है। बताया जाता है कि निर्माता लंबे समय से दूसरी किस्त के लिए कहानी तय करने में लगे हुए थे, जो फाइनल हो चुकी है और पिछले कई महीनों से प्री-प्रोडक्शन में है। निर्माता इसे दोबारा से बड़े पैमाने पर बनाने जा रहे हैं।

'दहाड़' की कहानी और कास्ट

'दहाड़' का पहला सीजन मई, 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था जिसके जरिए सोनाक्षी ने अपना डिजिटल डेब्यू किया था। इसमें उन्होंने सब-इंस्पेक्टर अंजलि भाटी की भूमिका निभाई थी जिसे राजस्थान के सार्वजनिक शौचालयों में रहस्यमयी मौतों की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। विजय ने खतरनाक सीरियल किलर का किरदार निभाया था। उनके अलावा सोहम शाह भी इसका हिस्सा थे। बता दें, 'दहाड़' बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर होने वाली पहली भारतीय वेब सीरीज है।

'सैयारा' की वापसी, दोबारा शुरू हुआ अहान से इश्क का सफर

मुंबई। वैलेंटाइन डे 2026 के जश्न को दोगुना करने के लिए अहान पांडे और अनीत पड्डा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सैयारा' फिर सिनेमाघरों में लौट आई है। आठ महीने पहले पर्दे पर अपनी केमिस्ट्री से आग लगाने वाली ये जोड़ी अब दोबारा दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। साल 2025 की इस सुपरहिट लव स्टोरी को खासतौर पर 'वैलेंटाइन वीक' के लिए री-रिलीज किया गया है ताकि फैंस बड़े पर्दे पर इस इश्क के सफर को फिर से जी सकें।

7 से 13 फरवरी तक चलेंगे फिल्म के शो : वैलेंटाइन डे से पहले प्रशंसकों को सरप्राइज देते हुए अहान और अनीत की 'सैयारा' 7 फरवरी से दोबारा सिनेमाघरों में लौट आई है। हालांकि निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म के शो नजर आने लगे हैं। ये फिल्म 7 से 13 फरवरी तक मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और पुणे जैसे बड़े शहरों के चुनिंदा सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी, ताकि दर्शक एक बार फिर बड़े पर्दे पर इस 'म्यूजिकल रोमांस' का लुत्फ उठा सकें।

'सैयारा' से दर्शकों के बीच छा गए थे अहान-अनीत

बता दें कि साल 2025 में रिलीज हुई 'सैयारा' से अहान ने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था, वहीं अनीत पड्डा पहली बार बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई थीं। पहली ही फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। दर्शकों ने इस जोड़ी पर इतना प्यार लुटाया कि ये रातों-रात नेशनल क्रश बन गए।

अभिषेक को 2025 के फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का मिला था पुरस्कार

अभिषेक बच्चन को इन फिल्मों ने ओटीटी पर दिलाई शोहरत

मुंबई। *बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन 5 फरवरी, 2026 को 50 साल के हो चुके हैं। इंडस्ट्री में उन्हें अपने पिता अमिताभ बच्चन की तरह भले सुपरस्टार का दर्जा न मिला हो, लेकिन अभिनय के दम पर उन्होंने फैंस का ध्यान हमेशा आकर्षित किया है। पिछले कुछ साल से अभिषेक लगातार ओटीटी के जरिए तहलका मचा रहे हैं। उनकी कई फिल्में आईं जिन्होंने उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शोहरत दिलाने का काम किया है। इन फिल्मों को ओटीटी पर देखा जा सकता है।*

'द बिग बुल' और 'बॉब बिस्वास'

साल 2021 में जियोहॉटस्टार पर रिलीज 'द बिग बुल' स्टॉक ब्रोकर हर्षद मेहता की जिंदगी और 1992 के वित्तीय घोटालों पर आधारित फिल्म है। कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में हर्षद का किरदार प्रतीक गांधी ने निभाया है। उनके अलावा इलियाना डिक्रूज इसका हिस्सा हैं। अभिषेक की फिल्म 'बॉब बिस्वास' जी5 पर उपलब्ध है जिसे दीया अन्नपूर्णा घोष ने निर्देशित किया है। मुख्य किरदार अभिषेक ने निभाया है जो एक कॉन्ट्रैक्ट किलर बने हैं।

'दसवीं' और 'लूडो'

तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित 'दसवीं' हिंदी सामाजिक-कॉमेडी फिल्म है जिसमें अभिषेक के साथ निमृत कौर और यामी गौतम भी नजर आई हैं। नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म की कहानी एक अनपढ़, भ्रष्ट मुख्यमंत्री गंगा राम चौधरी के इर्द-गिर्द घूमती है जो जेल में रहकर दसवीं की परीक्षा देने का फैसला लेता है। 2020 में अनुराग बसु द्वारा निर्देशित 'लूडो' एक डार्क कॉमेडी क्राइम एंथोलॉजी फिल्म है, जिसमें 4 अलग-अलग और दिलचस्प कहानियां दिखाई गई हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर है।

'आई वांट टू टॉक' और 'कालीधर लापता'

शूजित सरकार द्वारा निर्देशित फिल्म 'आई वांट टू टॉक' अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है, जिसकी कहानी बीमारी से जूझते पिता और उसकी बेटी के भावनात्मक रिश्तों को दर्शाती है। इसके लिए अभिषेक को 2025 के फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला था। जी 5 पर रिलीज 'कालीधर लापता' भावनात्मक हिंदी ड्रामा फिल्म है जिसमें अभिषेक ने अधेड़ उम्र का व्यक्ति (कालीधर) का किरदार निभाया है। उनके साथ उनके साथ बाल कलाकार दैविक भगेला मुख्य किरदार में हैं।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

फार्मासिस्ट लाइसेंस नवीनीकरण की फीस बढ़ाए जाने पर सरकार को नोटिस जारी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने राज्य में फार्मासिस्ट के लाइसेंस नवीनीकरण की फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सरकार सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार व फार्मेसी काउंसिल को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के कहा है। चार सप्ताह का समय दिया गया। विजयनगर जबलपुर निवासी फार्मासिस्ट संजय चंद्रेश जैन की ओर से याचिका दायर की गई है।तर्क दिया गया कि मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा गत 31 दिसंबर को अप्रत्याशित रूप से फार्मासिस्ट लाइसेंस नवीनीकरण की फीस 500 रु से बढ़ाकर ढाई हजार रुपए प्रति वर्ष कर दी गई। लेट फीस भी 100 रु से बढ़ा कर 2000 रु प्रति वर्ष कर दिया गया। तर्क दिया गया कि बढ़ाई गई फीस न्याय संगत नहीं है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी किए।

आवारा श्वानों को लेकर दायर जनहित याचिका ली वापस

जबलपुर। आवारा श्वानों को लेकर दायर जनहित याचिका मप्र हाईकोर्ट से वापस ले ली गई है।हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत ने कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। कुछ अन्य राज्यों से मामले ट्रांसफर हुए हैं। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। इस पर जनहित याचिका वापस ले ली गई। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के अध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश का जबलपुर सहित अन्य जिलों में समुचित पालन नहीं हो रहा है। इस वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों पर कुत्तों का आतंक है। उनके काटने पर रेबीज का इंजेक्शन लगवाने की मशक्कत सामने होती है। डॉ नाजपांडे का कहना है कि इस मामले में जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर करेंगे।

80 वर्ष पुराने किरायेदार को दुकान खाली करने का आदेश

जबलपुर। नवम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, जबलपुर डीपी सूत्रकार की अदालत ने 80 वर्ष पुराने किरायेदार को दुकान खाली करने का आदेश दिया है। दरअसल, दुकान मालिक जबलपुर निवासी सुभाषचंद्र के पिता फूलचंद्र ने रमेश कुमार के परिवार को किराये पर दी थी। इस दुकान का तीन हजार रुपये मासिक किराया था। अदालत ने पाया कि किराया मासिक रूप से भुगतान नहीं किया गया। इसके अलावा उस दुकान की आवश्यकता दुकान मालिक की बहन को है, जिसमें वह आर्टिफिशियल ज्वेलरी का व्यापार करना चाहती है। अदालत ने अपने आदेश में साफ किया कि यह दुकान मालिक का अधिकार है कि उसके परिवार को व्यवसाय के लिए उसके स्वामित्व वाली दुकान मिले। आवेदक पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुशील अग्रवाल ने पक्ष रखा।

मुख्य आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे के बहनोई वीरेंद्र दीक्षित को मिली जमानत

सिवनी हवाला लूट कांड : मोबाइल से चैट्स की ठोस रिकवरी नहीं

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति डीएन मिश्रा की एकलपीठ ने 2.97 करोड़ रुपये सिवनी हवाला लूट कांड के आरोपित वीरेंद्र दीक्षित की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। आरोपित इस मामले की मुख्य आरोपित तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे का बहनोई है। अभियोजन पक्ष का दावा था कि घटना के समय वीरेंद्र ने पूजा पांडे के साथ कई बार फोन पर बातचीत की व वाट्सएप संदेशों के माध्यम से उन्हें अपराध करने के लिए उकसाया। इन संदेशों को अपराध में सहभागिता का प्रमाण बताया गया था और वीरेंद्र को को गिरफ्तार किया गया था। आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त, सुशील कुमार तिवारी, असीम त्रिवेदी व अनिल गौतम ने दलील दी कि आरोपों का आधार मुख्यतः काल डिटेल रिकार्ड और वाट्सएप चैट हैं, लेकिन आरोपित के मोबाइल से इन चैट्स की कोई ठोस रिकवरी नहीं हुई है। आरोपित और मुख्य आरोपित पूजा पांडे के बीच संपर्क घनिष्ठ रिश्तेदारी के कारण स्वाभाविक था, क्योंकि उस समय पूजा पांडे का बीमार पुत्र व सास वीरेंद्र के घर पर ही थे। आरोपित ने जांच में सहयोग किया व प्रथम पूछताछ के समय उसे गिरफ्तार नहीं किया गया था। चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है और मुकदमे का निर्णय होने में पर्याप्त समय लगेगा। आरोपित घटनास्थल पर उपस्थित नहीं था और राशि की बरामदगी मुख्य आरोपित के कार्यालय से हुई है।

क्या था मामला

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2025 में सिवनी के लखनवाड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कार से लगभग तीन करोड़ रुपये की अवैध हवाला राशि जब्त होने का दावा किया था। हालांकि, बाद में यह मामला पुलिस की साजिश के रूप में उभरा जब आरोप लगा कि पुलिस टीम ने जब्त राशि का एक बड़ा हिस्सा लगभग 1.5 करोड़ रुपये स्वयं हड़प लिया। इस घटना में तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया।

निगम अधिकारियों की आपसी समन्वय से बढ़ेगी समाधान की गति

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को 100 प्रतिशत निराकरण करना हमारा लक्ष्य : निगमायुक्त

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने निगम के विभिन्न विभागों में लंबित सी.एम. हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना और हेल्पलाइन के प्रकरणों का 100 प्रतिशत निराकरण करना ही निगम का मुख्य लक्ष्य है। निगमायुक्त ने समय-सीमा का ध्यान रखने पर जोर देते हुए कहा कि 10 फरवरी तक जिन प्रकरणों पर संतोषजनक निराकरण की कार्यवाही नहीं की जाएगी, उनके संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में निगमायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि आवेदनों पर त्वरित निराकरण के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की आपसी समन्वय और टीम वर्क से ही समाधान की गति बढ़ेगी। कई बार एक शिकायत कई विभागों से जुड़ी होती है, ऐसे में आपसी संवाद से फाइल को जल्दी क्लियर किया जा सकता है। निगमायुक्त ने विशेष रूप से लोककर्म, स्वास्थ्य, भवन, कॉलोनी सेल, जल, फायर, स्थापना, राजस्व विभागों के प्रमुखों को लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बंद करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने आगामी तीन दिनों के भीतर सभी प्रकरणों का 100 प्रतिशत पूर्ण निराकरण करने का टारगेट दिया। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने 10 फरवरी तक सभी लंबित शिकायतों को बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिकायतों को बेवजह दूसरे विभागों में ट्रांसफर करने या टालमटोल करने वाले कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे।

बरगी बांध की नहर टूटने पर आयोग ने जनहित में लिया संज्ञान

जबलपुर। जिले के बरगी बांध की नहर गत दिनों टूटने के कारण क्षेत्र के ग्राम सागदा में लाखों गैलन पानी भर गया और पानी खेतो तक पहुंच गया। जिस कारण किसानों की कृषि भूमि पर खड़ी फसलें पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गई। इस तबाही से किसानों को बड़ी मात्रा में आर्थिक नुकसान भी हुआ है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के मुख्यालय भोपाल में जनहित में संज्ञान लिया गया। उप संचालक जनसंपर्क केके जोशी के अनुसार अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने मामले में सुनवाई कर मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

कर्मचारी संघ द्वारा शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश

रादुविवि में कुलगुरु विरोधी खेमे पर तबादले की गाज!

हरिभूमि जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एक बार फिर लिपिकीय वर्ग में हुए तबादलों ने प्रशासनिक गलियारों से लेकर कर्मचारी संघ की राजनीति तक हलचल पैदा कर दी है। कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूची में 6 कर्मचारियों के विभाग बदले गए हैं, लेकिन इस फेरबदल को लेकर महज़ प्रशासनिक कारणों से नहीं बल्की राजनीतिक नजरों से भी देखा जा रहा है।

दरअसल कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश पुरोहित को लेखा विभाग से हटाकर मुख्य प्रशासनिक भवन से बाहर विधि विभाग में पदस्थ किया गया है। यह तबादला विश्वविद्यालय में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। कर्मचारी वर्ग के बीच इसे कर्मचारी संघ के अंदरूनी शक्ति संतुलन से जोड़कर देखा जा रहा है।

विश्वविद्यालय के गलियारों में यह धारणा जोर पकड़ रही है कि कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा व संघ अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल के विरोधी माने जाने वाले कुछ पदाधिकारियों और नेताओं पर क्रमशः कार्रवाई या तबादले की गाज गिर रही है। सूत्रों का कहना है कि इससे पहले भी विरोधी खेमे से जुड़े दो कर्मचारी नेताओं के विभाग बदले जा चुके हैं। अब यह चर्चा भी चल रही है कि आने वाले दिनों में और नाम इस सूची में शामिल हो सकते हैं, खासकर वे कर्मचारी जो वर्तमान नेतृत्व के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते रहे हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से तबादलों को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया बताया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों के बीच इसे लेकर अलग-अलग व्याख्याएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे कामकाज में दक्षता लाने के उद्देश्य से उठाया गया कदम मान रहे हैं, तो कुछ इसे कर्मचारी राजनीति से प्रेरित निर्णय के रूप में देख रहे हैं।

इन कर्मचारियों के हुए तबादले

प्रशासनिक आदेश के तहत, भारती वर्मा को विकास विभाग से स्थापना विभाग भेजा गया है। कमलेश्वरी ठाकुर को ग्रंथालय से लेखा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। गणेश चतुर्वेदी को गोपनीय विभाग से ऑनलाइन सेंटर स्थानांतरित किया गया है। शुभम कठौता को एससी-एसटी सेल से डिग्री सेल में पदस्थ किया गया है। डॉ. भूपेंद्र उपाध्याय को कुलगुरु कार्यालय एवं पुनर्मूल्यांकन प्रकोष्ठ में सेवाएं देने का दायित्व सौंपा गया है।

तबादलों के मायने

विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक फेरबदल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब ऐसे निर्णय कर्मचारी संगठनों की आंतरिक राजनीति के साथ जोड़कर देखे जाने लगें तो सवाल उठना स्वाभाविक है। फिलहाल यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रशासन इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देता है और क्या आने वाले समय में और तबादले इस बहस को और हवा देंगे।

निगम अधिकारियों और बैंकर्स के साथ की समीक्षा बैठक

शासन से प्राप्त लक्ष्य को प्राप्त करने निगमायुक्त के प्रयास तेज

हरिभूमि जबलपुर।

शासन के द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नगर निगम द्वारा छोटे कारोबारियों को संबल प्रदान करने के उद्देश्य से जबलपुर नगर निगम द्वारा 'पी.एम. स्वनिधि दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और पी.एम. स्वनिधि के हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार निगम अधिकारियों और बैंकर्स के साथ समीक्षा भी कर रहे हैं। निगमायुक्त स्वयं हितग्राहियों को लाभ दिलाने बैंकों में पी.एम. स्वनिधि के नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन के साथ पहुंचे, जहाँ पर सभी बैंकर्स से अनुरोध किया कि शासन की योजनाओं को सफलता प्रदान करने अधिक से अधिक पी.एम. स्वनिधि योजना के हितग्राहियों के ऋण स्वीकृत कर लोन उपलब्ध कराएं।

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने निगम अधिकारियों और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने चर्चा के दौरान सरकार की पवित्र मंशा से अवगत कराते हुए कहा कि नगर निगम जबलपुर दिन शनिवार को पी.एम. स्वनिधि दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में आप सभी से आग्रह है कि कम से कम पी.एम. स्वनिधि के 40-40 प्रकरण स्वीकृत करें और हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराएं। बैंकों के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने सभी बैंकर्स से अनुरोध करते हुए कहा कि पीएम स्वनिधि योजना का काम सामाजिक सरोकार से संबंधित है इसलिए आज शनिवार को विशेष दिवस मानते हुए बैंकों में विचाराधीन जितने भी प्रकरण है उन सभी प्रकरणों पर स्वीकृति प्रदान कर हितग्राहियों को लाभांवित करें। जिसपर सभी बैंकर्स ने सहमति प्रदान करते हुए निगमायुक्त को आश्वस्त किया कि बैंकों की ओर से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 100 प्रतिशत पी.एम. स्वनिधि के केस निराकृत किये जायेगें। इस अवसर पर एल.डी.एम. दिवाकर सिंह के साथ सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक संगठक एवं शहरी क्षेत्र के सभी बैंकों के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय बजट में नहीं दिखा महाकौशल का माहौल : तन्खा

धर्म को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिएः सांसद

जबलपुर। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने अपने जबलपुर नगर प्रवास के दौरान पत्रकारों से हुई अनौपचारिक चर्चा में जहां केन्द्र सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी तो वहीं एसआईआर के मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शीर्ष अदालत में अपने पक्ष को रखने की सराहना भी की। श्री तन्खा ने चर्चा में माघ स्नान के दौरान प्रयागराज में शंकराचार्य के साथ हुए विवाद पर व हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुए मानहानि मामले में भी अपनी बात रखी। केन्द्र के बजट को सामान्य बताते हुए राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि इस बजट में रोजगार के लिए कुछ नहीं है। विशेष तौर पर युवाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया। उन्होंने इस दौरान कहा कि केन्द्र के बजट में जबलपुर और महाकौशल का कोई माहौल नहीं दिखा। कुल मिलाकर यह बजट नीरस है। एसआईआर पर बात करते हुए श्री तन्खा ने कहा कि इस मामले को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने जिस तरह सुप्रीमकोर्ट में अपनी बात रखी वह ऐतिहासिक रही। उन्होंने कहा कि ममता जी जमीनी नेता हैं और इस बार पुनः चुनाव में बहुमत हासिल करेंगी। शंकराचार्य के साथ हुए विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद तन्खा ने कहा कि शंकराचार्य जी या किसी भी धर्मगुरु के साथ इस तरह का व्यवहार अशोभनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गंगा माँ सबकी हैं और शंकराचार्य जी को रोकना पूरी तरह गलत था। श्री तन्खा ने नसीहत देते हुए कहा कि धर्म को कभी भी राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिए और धार्मिक आस्थाओं का सम्मान सर्वोपरि है। उक्त मुद्दों के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुए मानहानि मामले में उन्होंने स्पष्ट किया कि अपना मुकदमा वे वापस ले चुके हैं और इसके साथ ही लंबे समय से चल रहे इस कानूनी विवाद का अब पटाक्षेप हो चुका है। श्री तन्खा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आग्रह और शिवराज सिंह चौहान के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को देखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, शिवराज जी से मेरे संबंध मित्र जैसे हैं। मेरा मानना है कि किसी भी विवाद या बात का एक सुखद अंत होना चाहिए। तन्खा ने यह भी साझा किया कि संसद में उनकी शिवराज सिंह चौहान से सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई थी, जिसके बाद सकारात्मक चर्चा हुई और उन्होंने मुकदमा वापस लेने का निर्णय लिया।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधा

कांग्रेस जुमलेबाजी और भ्रम फैलाने में माहिर

जबलपुर। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने यहां कहा कि केंद्रीय बजट 2047 के विजन की दूरदृष्टि के साथ तैयार किया गया है। इसमें सभी वर्गों के लिए प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही युवा मोर्चा की टीम का गठन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस अस्तित्वहीन हो चुकी है उसके पास सिर्फ जुमलेबाजी करना और भ्रम फैलाने के अलावा कोई काम नहीं बचा है। अपने जबलपुर प्रवास के दौरान श्री टेलर यहां पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। एक निजी होटल में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थिगित होने के बाद जब पीएम श्री कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम के बाद वे बाहर निकले तो उन्होंने अनौपचारिक चर्चा की।

श्री टेलर ने कहा कि बजट पर युवा संवाद के लिए के साथ-साथ संगठनात्मक लिहाज से यह उनका पहला जबलपुर प्रवास बना। उन्होंने कहा कि युवाओं से संवाद के दौरान स्पष्ट नजर आया कि मोदी सरकार की नीतियों को लेकर युवा उत्साहित हैं और स्वरोजगार की दिशा में युवा अपने कदम आगे बढ़ा रहा हैं। टेलर ने आगे कहा कि केन्द्रीय वितमंत्री ने 2047 के विजन डाक्यूमेंट को ध्यान में रखा है । बजट में युवाओं की ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर उनके जीवन परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करने पर काम किया गया है। टेलर ने आगे कहा कि युवाओं को लेकर कांग्रेस सिर्फ बाते करती है जबकि भाजपा युवाओं के उत्थान के लिए न केवल काम कर रही, बल्कि उसके नतीजे भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठे वादे करती है और भाजपा काम करके दिखाती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर युवा तुर्क नितिन नवीन का निर्वाचन इसका ताजा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो मैदानी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों पर पहुंचाने का काम करती है। युवाओं को मैदान में उतारकर अलग-अलग स्तरों पर नेतृत्व देने का काम सिर्फ भाजपा ही करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कुछ बचा नही है, आरोप लगाना, भ्रम फैलाना, देश के मानबिदुओं पर सवाल उठाने के अलावा कांग्रेस के पास कुछ काम नहीं है। कांग्रेस अपना काम कर रही है हम अपना काम कर रहे हैं। भाजयुमो कार्यकारिणी को लेकर उन्होंने कहा कि हम जल्दी टीम तैयार करेंगे। इस अवसर पर युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, जय रोहणी, आशीष काटकर, ईशान नायक, रौनक अग्रवाल, आयुष सिंह, अंकित पाठक, रोहन वैद्य, राहुल सिंह पटेल, सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा संवाद में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर बोले

पीएम मोदी की नीतियां भविष्य के लिहाज से सकारात्मक

जबलपुर। पूरे विश्व में चर्चा के केंद्र में रहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरदृष्टि रखते हैं। उनकी नीतियां भविष्य के लिहाज से सकारात्मक हैं। वे जो भी करते हैं, उससे देश का दूरगामी फायदा होता है। मोदी सरकार का बजट भी इसी दिशा की ओर गया है। यह बजट राष्ट्र को दिशा देने वाला है। अब देश का युवा रोजगार मांगने वाला नहीं देने वाला बन रहा है। इस आशय के विचार भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने व्यक्त किए। वे महाकोशल कॉलेज में बजट पर युवा संवाद चर्चा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। युवाओं से संवाद में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा है।

जबलपुर आगमन पर युवा साथियों द्वारा एयर पोर्ट से लेकर रादुविवि तक बहुत आत्मीय ढंग से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट से रादुविवि तक उनके सम्मान में स्वागत रैली निकाली गई। टेलर ने यहां रानी दुर्गावती की प्रतिमा और शहीद रघुनाथ शाह शंकर शाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र पर आधारित नाटिका भी उन्होंने देखी। जबलपुर में आज उनके कई कार्यक्रम हैं। महाकोशल कॉलेज से वे रानीताल तक स्वागत रैली के साथ पहुंचे जहां टेलर ने संभागीय कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। रात्रि विश्राम के बाद रविवार की सुबह वे कटनी प्रस्थित होंगे।

आपत्तिजनक शीर्षक के विरुद्ध ब्राह्मण महासभा ने कानूनी मोर्चा खोला

जबलपुर। मध्यप्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा ने ओटीटी प्लेटफार्म नेटफिलक्स पर प्रस्तावित फिल्म "घूसखोर पंडत" के अपमानजनक शीर्षक और उसके माध्यम से ब्राह्मण समुदाय की छवि धूमिल करने के प्रयासों की कड़े शब्दों में निंदा की है। महासभा ने स्पष्ट किया कि फिल्म के निर्माताओं द्वारा प्रोमो हटा लेना मात्र एक छलावा है, जब तक फिल्म का शीर्षक पूर्णतः नहीं बदला जाता, समाज का संघर्ष जारी रहेगा। महासभा के सह संयोजक असीम त्रिवेदी ने कहा कि पंडत शब्द ज्ञान, त्याग और सात्विकता का प्रतीक है, इसे घूसखोर जैसे शब्द के साथ जोड़ना न केवल एक समुदाय का अपमान है, बल्कि यह सनातन संस्कृति पर भी प्रहार है। महासभा समाज के सभी वर्गों और संगठनों से अपील करती है कि इस वैचारिक और सांस्कृतिक मर्यादा की लड़ाई में एकजुट हों। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी समाज की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती।

खबर संक्षेप

कतिया समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। कतिया समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज रविवार को दद्दा परिसर, मदन महल में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में समाज के सैकड़ों युवक-युवतियों के साथ उनके परिजन भी शामिल होंगे। परिचय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर शनिवार शाम सामाजिक जनों की उपस्थिति में दद्दा परिसर से रानीताल चौक तक कलश यात्रा निकाली गई। इसी क्रम में शाम 6 बजे भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कतिया समाज निस्वार्थ सेवा समिति द्वारा जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों एवं राज्यों में निवास करने वाले समस्त सजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

सुधीर नौगरहिया गहोई महाकौशल क्षेत्रीय सभा के निर्विरोध मंत्री निर्वाचित

सिहोरा। गहोई वैश्य पंचायत सिहोरा के सुधीर कुमार नौगरहिया को महाकौशल क्षेत्रीय सभा का मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। उनके मंत्री चुने जाने पर गहोई वैश्य समाज में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर गहोई वैश्य पंचायत के अध्यक्ष दिनेश कुमार बड़ेरिया सहित अनिल कनकने, राकेश नगरिया, हरि प्रकाश नौगरहिया, राजा मोर ने शुभकामनाएं दीं। साथ ही महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीता नौगरहिया, चंदा नौगरहिया, ममता गुप्ता, मोनिका नौगरहिया, सुनीता कनकने, प्रियंका बिलैया, सारिका नौगरहिया सहित समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आज सिहोरा में

सिहोरा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आज रविवार को दोपहर 2 बजे शिव मंदिर, बाबाताल में आयोजित की गई है। बैठक में 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता सहित अन्य लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। तहसील शाखा सिहोरा के अध्यक्ष गंगाराम गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष जी.डी. सुहाने सहित पदाधिकारियों ने मंझगवां, गोसलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के पेंशनर्स से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

जेएनकेव्हीव्ही में जलवायु सहनशील उच्च उपजशील धान परियोजना की हुई समीक्षा

आईआरआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जौहर अली सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक व परियोजना से जुड़े कर्मचारी बैठक में हुए शामिल

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेव्हीव्ही), जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में कृषि महाविद्यालय में "मध्यप्रदेश के लिए जलवायु सहनशील एवं जैव-संवर्धित उच्च उपजशील धान किस्मों के विकास" परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), फिलीपींस से आए प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. जौहर अली ने परियोजना की प्रगति, अब तक की उपलब्धियों एवं आगामी शोध योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर डॉ. जी. के. कौतू, संचालक अनुसंधान सेवाएं, सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं परियोजना से जुड़े सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः क्षेत्र भ्रमण किया गया, जिसमें आईआरआरआई की पेरेंटल लाइनों का मूल्यांकन, डीएसआर प्रणाली के लिए उपयुक्त धान लाइनों का परीक्षण, डीएसआर एग्रोनॉमी तथा दो-लाइन हाइब्रिड धान बीज उत्पादकता परीक्षण का अवलोकन किया गया। तकनीकी सत्रों में डीएसआर ब्रीडिंग, दो-लाइन हाइब्रिड धान प्रणाली, अनाज गुणवत्ता विश्लेषण, स्पीड ब्रीडिंग, एसएनपी जीनोटाइपिंग, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस घटक तथा सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण पर प्रस्तुतियां दी गईं। बैठक का उद्देश्य मध्यप्रदेश में जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ धान उत्पादन को बढ़ावा देना रहा, जिसे सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

सेंट मेरी स्कूल के छात्रों ने अंतरिक्ष अन्वेषण की दुनिया को जाना

जबलपुर। सेंट मेरी हायर सेकण्डरी स्कूल वीएफजे जबलपुर में इसरो की वैज्ञानिक एवं इंजीनियर अर्निका वर्मा के साथ एक प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय यात्रा और उपलब्धियों को साझा किया, जिसमें चंद्रयान-3 में उनका योगदान भी शामिल है। छात्र उनके साथ अंतरिक्ष की दुनिया को जानने के लिए उत्साहित थे। उन्होंने छात्रों को समर्पण और कड़ी मेहनत से अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। यह सत्र छात्रों के लिए एक शानदार अनुभव रहा, क्योंकि उन्हें एक विशेषज्ञ से अंतरिक्ष अन्वेषण की आकर्षक दुनिया के बारे में जानने का मौका मिला। अर्निका वर्मा के अनुभवों और अंतरदृष्टि ने छात्रों को प्रेरित और उत्साहित किया, जिससे वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्सुक हो गए। संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र एक मुख आकर्षण था, जिसमें छात्रों ने इसरो के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 और इस सफल मिशन पर काम करने के उनके अनुभव के बारे में ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे। यह सत्र छात्रों को प्रेरित करता हुआ बड़े सपनों की उड़ान देने की सफलता के साथ संपन्न हुआ।

होमगार्ड प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षांत परेड समारोह संपन्न

जबलपुर। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान होमगार्ड्स, मंगेली, जबलपुर में 06 फरवरी 2026 को 14वें अनुकम्पा भौतिक एवं आरक्षक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का दीक्षांत परेड समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मनीष कुमार अग्रवाल, उप पुलिस महानिरीक्षक, होमगार्ड्स एवं आपदा प्रबंधन मप्र रहे। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक परेड प्रस्तुत की गई तथा मुख्य अतिथि को मार्चपास्ट के माध्यम से सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा नवप्रशिक्षित जवानों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं सेवा भावना की शपथ दिलाई गई। समारोह में होमगार्ड्स के विभिन्न प्लाटूनों ने आधुनिक एवं पारंपरिक उपकरणों के साथ परेड का प्रदर्शन किया। परेड कमांडर वर्षा दीवानी एवं डिप्टी परेड कमांडर योगेश्वरी मेहर रहीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान 6वीं बटालियन एसडीआरएफ बैंड दल की प्रस्तुति तथा शासकीय विद्यालय मंगेली के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक नृत्य ने विशेष आकर्षण जोड़ा। कार्यक्रम में प्रीति बाला सिंह (कमांडेंट), डी.एन. मेहता (डिवीजनल कमांडर, रीवा संभाग), वीएनएम कमांडर जबलपुर, विष्णु ठाकुर (डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, जबलपुर), संतोष कुमार शर्मा (डीएसओ, मुख्यालय), विजय केवट, रत्ना कुशवाह (पीसीओ), जितेन्द्र पटेल (सीआई) सहित ग्राम मंगेली के वरिष्ठ नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न संस्थानों के स्टाफ व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग्राम गधेरी में शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

महाशिवरात्रि पूर्व सात दिवसीय धार्मिक आयोजन हवन-पूजन व विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

जबलपुर। ग्राम गधेरी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के पूर्व भगवान भोलेनाथ के शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम 1 फरवरी से शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई।

कार्यक्रम संयोजक रामकुमार यादव (बड्डा) ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग एवं क्षेत्रीयजनों के मार्गदर्शन से लगभग 10 वर्षों से निर्माणाधीन शिव मंदिर को विभिन्न कारीगरों द्वारा भव्य स्वरूप दिया गया है। यह आयोजन पंडित गंगाधर पांडे (प्रयागराज) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान प्रतिदिन रामलीला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भगवान भोलेनाथ की बारात के अवसर पर ग्राम गधेरी में शोभायात्रा निकाली गई, जिसका ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। बारात का स्वागत चंद्रपाल यादव (चंदू), राजेश यादव एवं उनके परिवार द्वारा किया गया।बारात कार्यक्रम में जगदीश यादव (अध्यक्ष, म.प्र. यादव महासभा), राजेंद्र यादव (पूर्व अध्यक्ष, सहकारी बैंक), संजय पटेल (पूर्व जनपद अध्यक्ष), रजनी यादव (पूर्व जनपद अध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 07 फरवरी को हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें कैंट विधायक अशोक रोहाणी, संतोष बरकड़े, तुलाराम यादव (जनपद अध्यक्ष, तेंदूखेड़ा), पूर्व विधायक संजय यादव, प्रदीप पटेल (अध्यक्ष, नगर पालिका पनागर), विजय यादव (संभाग अध्यक्ष, यादव महासभा), पार्षद राजेश यादव, ऋषि यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दरिद्र-नारायण सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति: स्वामी अशोकानंद महाराज

भक्ति धाम स्वास्थ्य शिविर में 1200 से अधिक मरीज लाभान्वित

जबलपुर। "पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है, दरिद्र-नारायण की सेवा करने से भगवान आशीर्वाद के साथ ही सेवा करने वाले को सुफल प्राप्त होता है। सामाजिक जीवन में स्व के उत्थान के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। महिला मंडल घर परिवार समाज के साथ ही निर्बल को आत्म निर्भर बनाने और दुःख दर्द दूर करने का निरंतर प्रयास करता है।" उक्त उद्गार सिंधु जागृति महिला सेवा समिति, मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन जबलपुर के तत्वावधान में भक्ति धाम में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में स्वामी अशोकानंद महाराज ने व्यक्त किए। स्वास्थ्य शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष नेमा, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अजय वाधवानी, दंत रोग विशेषज्ञ सौरभ बिलवानी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. श्रीकान्त साहू, डॉ. मथुरा कोचर, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. गौरव कोचर एवं सहयोगी स्टाफ के सहयोग से 510 मरीजों को आंख, दांत और शारीरिक व्याधियां दूर करने में सफल रहा। स्वास्थ्य शिविर में लीपिड प्रोफाइल, शुगर बीपी, सभी पैथोलॉजी जांचें, दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

सिंधु जागृति महिला सेवा समिति की करिश्मा शर्मा, ममता कुकरेजा, सोनम मंध्यानी, काजल भागचंदानी, विमला जगवानी, वीनू मखीजा, भावना आहूजा, सपना कंधारी, रंजना तिवारी, सहित भक्तिधाम सेवा समिति के कार्यकताओं का सहयोग रहा।

जिलहरी घाट में आयोजित किया अधिवक्ता मिलन समारोह

जबलपुर। शनिवार को दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक श्याम दास महाराज आश्रम नर्मदा तट, जिलहरी घाट में आयोजक एड. राहुल श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता मित्र मंडली द्वारा अधिवक्ता मिलन समारोह एवं सुरुचिभोज आयोजित किया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव ज्ञान त्रिपाठी, रविन्द्र दत्त, मनीष तिवारी, अंजू सिंह, राघवेन्द्र कुमार झा, दीपक पचौरी, पवन दुबे, शैलेन्द्र यादव, राहुल श्रीवास्तव, सहित समस्त अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

शैल्बी अस्पताल ने पुलिस परिवारों के लिए सम्मान समारोह व निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया

250 से अधिक पुलिस अधिकारी-जवान परिवार सहित हुए शामिल, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया निःशुल्क परामर्श

जबलपुर। शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल, जबलपुर द्वारा पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य, सम्मान एवं कल्याण को समर्पित एक गरिमामय सम्मान समारोह एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक प्रतिनिधियों तथा शैल्बी अस्पताल प्रबंधन की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की सुरक्षा में सतत एवं निःस्वार्थ योगदान देने वाले पुलिस बल के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि निरंतर ड्यूटी, मानसिक तनाव एवं अनियमित दिनचर्या के कारण पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, ऐसे में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। शिविर में हड्डी रोग, हृदय रोग, कैंसर, न्यूरो, गैस्ट्रो एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया। साथ ही ईसीजी, पीएफटी, बीएमडी, ब्लड शुगर सहित लगभग ₹4500 तक की जांचें निःशुल्क की गईं। कार्यक्रम में आईपीएस आयुष गुप्ता, एडिशनल एसपी (क्राइम) सूर्यकांत शर्मा, एडिशनल एसपी (ट्रैफिक) अंजना तिवारी, समस्त सीएसपी, थाना प्रभारी, एसआई, एएसआई, कांस्टेबल एवं उनके परिवारजन सहित 250 से अधिक लोग उपस्थित रहे। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चयनित पुलिस कर्मियों का मंच से सम्मान भी किया गया। शैल्बी अस्पताल प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा — "जो देश की सेवा में हैं, शैल्बी उनकी सेवा में है।" कार्यक्रम की सफलता में संस्था प्रमुख डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डिप्टी सीएओ अंकित जैन एवं समस्त प्रबंधन टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में अस्पताल परिवार द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

धान खरीदी व भुगतान को लेकर किसानों का धरना पाँचवें दिन भी जारी

मझौली। तहसील कार्यालय के सामने धान खरीदी में गड़बड़ी एवं किसानों को समय पर भुगतान न मिलने के विरोध में किसान संघ मझौली द्वारा किया जा रहा धरना-प्रदर्शन लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा। यह धरना मंगलवार दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ है। किसान संघ मझौली के तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कृताकार सेवा सहकारी समिति केंद्र क्रमांक 50333262 सहित विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर धान समर्थन मूल्य पर खरीदी गई फसल का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही पिपरिया स्थित केजी वेयरहाउस में स्लांट बुक के माध्यम से जमा की गई धान का पोर्टल बंद होने से कई किसानों की उपज दर्ज नहीं हो सकी, जिसकी वापसी की मांग की जा रही है। किसानों की प्रमुख मांगों में सभी उपार्जन केंद्रों का लंबित भुगतान, वर्ष 2019-20 एवं 2022-23 का बकाया भुगतान, मूंग एवं धान की शेष राशि का भुगतान, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, किसान फार्मर आईडी में सुधार, पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराना तथा भाजपा सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान एवं 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं लागू करने की मांग शामिल है। किसान संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल एवं रंजीत पटेल ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो 9 फरवरी को मझौली की मुख्य सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने किसानों से मुलाकात कर जांच का आश्वासन दिया, वहीं विधायक अजय विश्नोई ने पक्के प्रमाण वाले किसानों का भुगतान कराने का भरोसा दिलाया। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक लिखित एवं समयबद्ध आश्वासन नहीं मिलता, धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

जीर्णोद्धार के बाद आज़ाद बाग जनता को समर्पित

गरिमामय समारोह में हुआ लोकार्पण

जबलपुर। मुस्लिम बहुल डॉ. ज़ाकिर हुसैन वार्ड स्थित आजाद बाग जीर्णोद्धार के बाद जनता को समर्पित कर दिया गया। क्षेत्रीय पार्षद मुकीमा याक़ूब अंसारी के अथक प्रयासों के बाद नगर निगम और विधायक लखन घनघोरिया के सहयोग से बाग में मनोरंजन के सभी साधन उपलब्ध कराए गए हैं। शुक्रवार को महापौर जगत बहादुर सिंह के मुख्य आतिथ्य व विधायक लखन घनघोरिया की अध्यक्षता में लोकार्पण किया गया। जेडीए के पूर्व उपाध्यक्ष कदीर सोनी और नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा बतौर विशेष अतिथि मौजूद रहे। पार्षद वकील अंसारी, गुलाम हुसैन, अयोध्या तिवारी, अख्तर अंसारी, गुड्डू नबी, कलीम खान, सरदार हाजी अब्दुल हकीम बाबा और सरदार अयाज राईन सहित कई गणमान्य लोगों ने लोकार्पण समारोह की शोभा बढ़ाई। भारी जन समूह की मौजूदगी में उत्सव के माहौल में आजाद बाग जनता को समर्पित हुआ। इस अवसर पर पार्षद मुकीमा याक़ूब अंसारी ने नगर निगम और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्रीमती कल्पना टंडन- होम साइंस कॉलेज रोड नेपियर टाउन निवासी श्री हरदीप सिंह टंडन की धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना टंडन (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अवतार कौर कालरा- राधा स्वामी सत्संग भवन के पास गुप्तेश्वर निवासी श्री सरदूल सिंह कालरा की धर्मपत्नी श्रीमती अवतार कौर कालरा (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आदर्श विक्रम- एसकेआर रेसीडेंसी तिलहरी निवासी श्री जीतेंद्र सिंह के पुत्र श्री आदर्श विक्रम (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा जैन- हनुमानताल जैन मंदिर के पास निवासी श्री संतोष जैन की धर्मपत्नी श्रीमती आशा जैन (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती साधना राजपूत- मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री इंद्र बहादुर राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती साधना राजपूत (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल शर्मा- गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री अनिल शर्मा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती गल्लो बाई छपेल- सेठ गोविंददास वार्ड लालमाटी निवासी श्री गया प्रसाद छपेल की धर्मपत्नी श्रीमती गल्लो बाई छपेल (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण सरकार- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री नारायण सरकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंद्रशेखर महार- भानतलैया खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री चंद्रशेखर महार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शिवकुमारी- ग्राम अगरिया निवासी श्री रोहणी प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती शिवकुमारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आनंद बनौदा- छोटी ओमती निवासी श्री आनंद बनोदा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव- आनंद नगर अधारताल निवासी श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम लाल कोरी- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री श्याम लाल कोरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रकाश कुमार दुबे- अनंततारा तिलहरी निवासी श्री प्रकाश कुमार दुबे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दुर्गा प्रसाद कुरील- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद कुरील (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री हिमांशु श्रीवास्तव- कृष्णा हाईट्स गौरीघाट रोड निवासी श्री श्री हिमांशु श्रीवास्तव (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 900/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

सिहोरा विधायक ने बेटी आकृति के स्वस्थ होने पर जताई खुशी

हरिभूमि **जबलपुर।** सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े ने आज ग्राम गधेरी पहुंचकर काशी यादव की बिटिया आकृति यादव से मिलकर उसके स्वास्थ्य के बारे में जाना। उल्लेखनीय है कि विगत माह राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पहल पर नारायणा हॉस्पिटल मुंबई में उसका हृदय का सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ।श्री बरकड़े ने बेटी आकृति के पूर्णतः स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बिटिया आकृति की मुस्कान ने निश्चित रूप से उसके जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम की पहल की सराहना करते हुए जबलपुर की टीम का आभार भी व्यक्त किया। विधायक श्री बरकड़े ने आकृति के परिवार के साथ बातचीत की और उनके स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर आकृति के परिवार ने विधायक श्री बरकड़े को धन्यवाद दिया और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, KOVVURI PUSPAVATHI W/O LATE K CHENNA REDDY R/O VILL- KUPPAGUTTAPALLI, PO- SURABHI, TEH-CHAKRAYAPETA, DISTT- CUDDAPAH (ANDHRA PRADESH-516259 I, have changed of my name and date of birth from name KOVVURU PUSHPAVATHI and date of birth 01/07/1967 (Name and date of birth as per my SON, ARMY NO. 15735992Y RANK SIGMN NAME- KOVVURU VISHNUVARADHAN REDDY of unit SIGNAL RECORDS, JABALPUR Army service records) to name KOVVURI PUSPAVATHI and date of birth 01/01/1975 (name and date of birth as per my Aadhaar Card No. 3765 7961 8157) vide affidavit dated 05/02/2026 formerly before Public Notary MP HIGH COURT, JABALPUR
CORRECT NAME
KOVVURI PUSPAVATHI
INCORRECT NAME
KOVVURU PUSHPAVATHI
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1975
INCORRECT DATE OF BIRTH
01/07/1967

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 17008029W RANK SEP NAME GOURAB MAITY S/O GURUPADA MAITY OF UNIT MAG NO. 8, C/O 506 ABW AADHAR CARD No. 2024 1588 6831 I, have changed date of birth of my FATHER, (GURUPADA MAITY) from 31/12/1959 (date of birth as per my Army service records) to 13/03/1951 (date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 6023 6291 9339 vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH
13/03/1951
INCORRECT DATE OF BIRTH
31/12/1959

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 17008029W RANK SEP NAME GOURAB MAITY S/O GURUPADA MAITY OF UNIT MAG NO. 8, C/O 506 ABW AADHAR CARD No. 2024 1588 6831 I, have changed date of birth of my MOTHER (GOURI MAITY) from 30/12/1960 (date of birth as per my Army service records) to 11/03/1965 (date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 4106 7380 5346 vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH
11/03/1965
INCORRECT DATE OF BIRTH
30/12/1960

CHANGE OF NAME
I, RAJALEKSHMI B W/O MADHAVAN PILLAI R/O VILL- THEKKEKARA, PO- KURATHIKAD, TEH MAVELIKARA, DISTT ALAPPUZHA (KERALA) -690107 I, have changed of my name from RAJA LEKSHMI (Name as per my SON, ARMY NO. 15713838A RANK HAV NAME-ANUMON M of unit 1TTR, 1STC, JABALPUR Army service records) to RAJALEKSHMI B (name as per my Aadhaar Card No. 8504 9388 6139) vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary MP HIGH COURT JABALPUR
CORRECT NAME-RAJALEKSHMI B
INCORRECT NAME-RAJA LEKSHMI

वन्य जीव केंद्र में विजिटर्स को मिलेगा इंटरनेशनल एक्सपीरियंस, उज्जैन में 500 हेक्टेयर क्षेत्र में बनेगा वाइल्ड लाइफ सेंटर सह रेस्क्यू सेंटर, ईको टूरिज्म पार्क किया जाएगा शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, विशेषकर वन्य पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में उज्जैन और जबलपुर में आधुनिक वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर का निर्माण किया जा रहा है।

दोनों ही शहरों के लिए कंसल्टेंट फर्म की नियुक्ति पूरी हो चुकी है और जल्द ही प्रदेश को दो नए वाइल्ड लाइफ सेंटर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उज्जैन में प्रस्तावित वन्य जीव केन्द्र के संबंध में नियुक्त कंसल्टेंट फर्म के पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि उज्जैन में इस केन्द्र को वनतारा मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जाए, ताकि यहां आने वाले विजिटर्स को दुनिया के अलग-अलग जंगलों का अनुभव एक ही स्थान पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में लगभग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल सफारी आधारित वाइल्ड लाइफ सेंटर विकसित किया जाए। इसके साथ ही पहले से विकसित 50 हेक्टेयर का ईको टूरिज्म पार्क भी इस परियोजना में शामिल किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केन्द्र अन्य वन्य जीव केन्द्रों से अलग और विशिष्ट होना चाहिए, जहां वन और वन्य प्राणियों की विविधता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में उज्जैन में वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर के निर्माण के सम्बंधित मीटिंग में निर्देश दिए।

2026 में शुरू होगा फेज-1 बनेगा फॉरेस्ट टूरिज्म हब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 में फेज-1 का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए और परियोजना को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि उज्जैन को सफारी एक्सपीरियंस के साथ एक प्रमुख फॉरेस्ट टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इस परियोजना को टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ समन्वय में एक भव्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए।

छह चरणों में निर्माण, 11 जंगलों का मिलेगा अनुभव

बैठक में कंसल्टेंट फर्म द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। बताया गया कि इस केन्द्र में विजिटर्स को देश-दुनिया के 11 अलग-अलग जंगलों का अनुभव कराया जाएगा। परियोजना का निर्माण कुल छह चरणों में किया जाएगा।

- 2026 में पहला चरण शुरू होगा
- 2027 के अंत तक पहला चरण पूरा किया जाएगा
- यहां बिना दिखाई देने वाली बाड़ के खुले जंगल विकसित किए जाएंगे। विजिटर्स पैदल भ्रमण, बग्घी, सफारी वाहन और सेवा वाहनों के माध्यम से केन्द्र का भ्रमण कर सकेंगे। इसके साथ ही डे और नाइट सफारी का अनुभव भी उपलब्ध रहेगा।
- 300 से अधिक देशी-विदेशी प्रजातियां, रेस्क्यू सेंटर भी होगा शामिल
- वन्य जीव केन्द्र में 300 से अधिक देशी और विदेशी प्रजातियों के वन्य प्राणी होंगे। इनमें 75 प्रतिशत देशी और 25 प्रतिशत विदेशी प्रजातियां शामिल रहेंगी। इसके अलावा यहां एक आधुनिक रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।

सीएम हाउस में आयोजित एनसीसी मप्र-छग 'मुख्यमंत्री बैनर' को किया संबोधित

युवाओं को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन व नेतृत्व की ताकत देती है एनसीसी: सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति के संस्कार देने वाला एक सशक्त मंच है। 'मुख्यमंत्री बैनर' जैसे कार्यक्रम युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर उन्हें जिम्मेदार और राष्ट्रनिर्माण में सहभागी नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एनसीसी मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ 'मुख्यमंत्री बैनर' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से प्रदेश के विकास में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, विशेष रूप से युवाओं को। उन्होंने कहा कि युवा अपनी असीम ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना पूरी शक्ति के साथ देश की सीमाओं की रक्षा कर रही है। भारत ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया, बल्कि विश्व शांति के लिए अपनी पहचान बनाई है। जब-जब आतंकवादियों ने दुस्साहस किया, भारतीय सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाते हुए पड़ोसी देश में छिपे आतंकियों को उनके ठिकानों पर जाकर जवाब दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेनाओं में नारी सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। गणतंत्र दिवस-2026 का समारोह नारी सशक्तिकरण को समर्पित रहा। पहली बार अर्धसैनिक बल की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व महिला अधिकारी ने किया। गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश की 23 एनसीसी कैडेट्स को मार्च करते देख गर्व का अनुभव हुआ।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) में बेस्ट एनसीसी कैडेट्स प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने पर मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय को बधाई दी।

सीएम ने मुख्यमंत्री बैनर कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स को चेक प्रदान किया।

5 साल में राज्य के बजट को दोगुना करने का संकल्प

सरकार ने तैयार किया किसान कल्याण के लिए पांच वर्ष का रोडमैप: मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ⏩ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने किसान कल्याण के लिए आगामी 5 वर्षों का रोडमैप तैयार किया है। सबको प्रोत्साहन देते हुए 5 साल में राज्य के बजट को 15 प्रतिशत की वृद्धि दर के हिसाब से दोगुना करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करेंगे और राज्य को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएंगे। डॉ. यादव इन्दौर में ऑल इंडिया दाल मिल एसोशिएशन के ग्रेन-एक्स इंडिया प्रदर्शनी अंतर्गत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश, देश में खाद्यान्न उत्पादन में दूसरे स्थान पर हैं।

कई क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान बना रहा मध्यप्रदेश

दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा

सीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश में दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। खाद्य प्रसंस्करण पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों सहित उद्यमियों को भी लाभ होगा, इंदौर में उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।

दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोपी पकड़ाया

रायपुर। दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के गंभीर मामले में पंडरी थाना पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर महिला से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये की उगाही करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने पंडरी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह वर्ष 2019 से 2025 तक एक रिलायंस स्टोर में कार्यरत थी, जहां आरोपी नित्या कुमार बरिहा भी काम करता था। इसी दौरान आरोपी ने विवाह का झांसा देकर मोवा-पंडरी क्षेत्र स्थित किराये के मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पैसों की जरूरत बताकर 18 जनवरी 2025 को पीड़िता से 52 हजार रुपये ऑनलाइन प्राप्त किए। इसके बाद आरोपी ने अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपी ने ऑनलाइन और नकद माध्यम से कुल 3 लाख 67 हजार रुपये की उगाही की। पीड़िता की शिकायत केस दर्ज किया गया।

टीडीएस मीटर लेकर पानी की गुणवत्ता जांचने जनता नगर पहुंचे कांग्रेसी नेता

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

शहर के जोन-17 के जनता नगर में गंदे पानी की सप्लाई होने की शिकायत मिलने पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला टीडीएस मीटर लेकर घर-घर जांच करने पहुंचे। उन्होंने लाइव जांच कर बताया कि पानी में जरूरत से ज्यादा टीडीएस पाया गया जो लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

मनोज शुक्ला ने बताया कि जनता नगर के घरों में ननि द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी में टीडीएस अधिक मात्रा में पाया गया है। स्थानीय लोगों की गंदे पानी की शिकायत और नगर निगम की जल सुनवाई में मामले का निराकरण नहीं होने के बाद वे मौके पर पहुंचे और जल का परीक्षण किया। उन्होंने जांच कर 200 से 300 के बीच रीडिंग भी लोगों के सामने निकालकर बताई। शुक्ला ने आरोप लगाया कि ननि जल सुनवाई के नाम पर केवल औपचारिकता कर रही है। स्थानीय लोगों के घरों में व्यक्तिगत नल कनेक्शन की पाइपलाइन में शुरुआती 25 मिनट तक काला पानी आता है, जिससे बदबू आती है। मामले की शिकायत ननि के अफसरों से की गई है। उन्होंने इस मामले में नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्र./1295/न.पा./लो.नि.वि./2025-26 मुंगेली, दिनांक 06/02/2026

तीसरा ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद मुंगेली द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है

सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनु व्यय राशि (लाख में)	निविदा ऑनलाईन सम्मिट करने की अंतिम तिथि
185126	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Besed sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Year of Operation and Maintenace of The Entire System in Nagar Palika Parishad, Mungeli under SBM 2.0	624.09	22.02.2026

टीप - 1. निविदा प्रपत्र चिप्स के वेबसाईट http:/eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मुंगेली

बस्तर पंडुम को लोग उत्सव की तरह जीते हैं, यहां की संस्कृति करती है आकर्षित: राष्ट्रपति मुर्मू

हरिभूमि न्यूज ⏩ जगदलपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' की शुरुआत करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम को लोग उत्सव की तरह जीते हैं। यहां की सुदरता और संस्कृति लोगों को बेहद आकर्षित करती है। आदिवासियों की संस्कृति सबसे प्राचीन, मीठी और अनमोल है। आदिवासी सिंगल डांस ही नहीं करते वे कम्युनिटी डांस करते हैं।

उन्हें एक साथ रहना पसंद करते हैं और एक साथ उत्सव मनाना भी पसंद हैं। जब भी मैं छत्तीसगढ़ आती हूं, ऐसे में मुझे लगता है कि मैं अपने घर आई हूं। यहां के लोगों से जो अपनत्व और स्नेह मुझे मिलता है। यह ऐसे कई नायकों की धरती है, जिन्होंने भारत भूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किये। उन्होंने कहा कि जब इस उर्वर धरती में किसान बीज छिड़कते हैं, तब ये पंडुम होता है। जब आम का मौसम आता है, तब पंडुम होता है। बस्तर के लोग जीवन को उत्सव के रूप में जीते हैं। जीवन जीने का ये तरीका सभी देशवासी बस्तर के निवासियों से सीख सकते हैं। राष्ट्रपति ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे पूर्व नक्सलियों की सराहना करते हुए कहा कि मेरा उनसे अनुरोध है कि वो देश के संविधान और लोकतंत्र में पूरी आस्था रखें। वहीं देश विरोधी ताकतों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग बरगला रहे हैं, उन लोगों पर विश्वास ना करें बल्कि संविधान पर भरोसा रखें।

पूर्व नक्सलियों के लिए कहा, देश के संविधान और लोकतंत्र में रखें पूरी आस्था

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी
E mail:- mp.eephedkat@gmail.com Phone no. 07622-225752

क्रमांक 315/का.यं./निप्रको./लो.स्वा.यां.परि.खण्ड / 2025 कटनी, दिनांक 05.02.2026

निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक 58 / 25-26

ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptender.gov.in पर खंड कार्यालय खंड विभिन्न उपखंडो के चिहिन्त ग्रामों की डी. पी. आर. बनाने के कार्य हेतु निम्न निविदा म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत फर्मो से आमंत्रित है।

निविदा क्रमांक	सिस्टम निविदा कं.	कार्य का विवरण	कार्य की संख्या	निविदा की लागत लाख में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयअवधि
58/ 25-26	2026_ PHED_ 480545	Preparation of Detailed Project Reportinc-luding survey, investigation, design, dra-wing, preparation of estimates and BOQ etc.complete work for Single village Piped Water Supply Scheme under Jal Jeevan Mission to supply drinking water through Functional Household Tap Connection in the houses of District Katni	55	7.25	14500	2000	15 दिवस

ऑन लाईन निविदा क्रय एवं बिड की तिथी - 12.02.2026 18.00 बजे ऑन लाईन निविदा दर खोलने की तिथी- 13.02.2026 18.05 बजे
निविदा फार्म ऊपर दर्शित बेबसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है । निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई बेबसाईट पर देखे ।

कार्यपालन यंत्री
G-25544/25 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी फोन नं. -07622-225752

30 नक्सलियों ने हथियार डाल पुलिस के समक्ष किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏩ बीजापुर

नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान को बड़ी सफलता मिली है। इस पहल के तहत, बीजापुर क्षेत्र में सक्रिय 30 नक्सलियों ने अपने हथियार डाल दिए और लाल गलियारे को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं। यह घटना नक्सली संगठनों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है और क्षेत्र में शांति तथा विकास के प्रयासों को मजबूती प्रदान करती है। हिंसक जीवन त्यागकर नई शुरुआत समर्पण करने वाले इन 30 नक्सलियों ने अपने हिंसक जीवन को त्यागकर एक नई शुरुआत करने का निर्णय लिया है। उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के तहत सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/120/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

क्रमांक	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	80251971B	हीट ट्रांसफर फ्लूइड क्लैरिएंट मेक कूलैंट	19485 किलोग्राम	24.02.2026
2	61252427B	फायर Retardant डेकोरेटिव थर्मोसेट्टिंग सिंथेटिक रेसिन बोंडेड लैमिनेटेड शीट्स	7359 नंबर्स	25.02.2026
3	10254529A	एलिमेंट इंजन एयर फिल्टर	1052 नंबर्स	10.03.2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर.

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सिविल लाईन नरसिंहपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं.- 03/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/सीई(बी)/ जबलपुर दिनांक 29.01.2026

सं. क्रं.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में).	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU _479562_1	जिला नरसिंहपुर में नवनिर्मित 50 बिस्तरीय आयुष अस्पताल भवन में आपूर्ति एवं फर्नीचर स्थापना का कार्य । (द्वितीय आमंत्रण)	नरसिंहपुर	41.61	50000	5000	01 (एक माह) वर्षाऋतु सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि.वि. साउथ सिविल लाइन जी.सी.एफ. बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

1- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा ।
2- निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 02.02.2026 समय 9.00 से दिनांक 14.02.2026 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
3- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
G-25526/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल" लोक निर्माण विभाग, नरसिंहपुर (म.प्र.)

कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा को मिला सुपर कवच

भोपाल। मप्र का श्रम विभाग श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार नए नवाचारों और प्रभावी विचारों पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग की अनूठी पहल 'हर्ट फ्री डेज' कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक मजबूत और कारगर मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। इस प्रणाली के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों और जिम्मेदारियों का कितना प्रभावी ढंग से पालन किया जा रहा है। सुरक्षित प्रक्रियाओं और प्रबंधन के सही अनुपालन से यह भी आकलन किया जा सकता है कि किसी कारखाने ने कितने दिनों तक दुर्घटना शून्य स्थिति बनाए रखी है। सुरक्षा प्रबंधन को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही: मंत्री पटेल श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हर्ट फ्री डेज पहल कारखानों में सुरक्षा प्रबंधन को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

IFFDC इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट को-ऑपरेटीव लि.
Preserving Nature.. Nurturing Lives
एच.आई.जी. 2/191, अरविन्द विहार, बागमुगलिया, भोपाल (म.प्र.)

दिनांक : 07.02.2026

निविदा सूचना

आई.एफ.एफ.डी.सी. म.प्र. के अन्तर्गत बीज विपणन कार्यक्रय के तहत बीज संयंत्र खामोद जिला जबलपुर एवं भोमा जिला सिवनी से ट्रांसपोर्टर के माध्यम से वर्ष 2026 के दौरान धान बीज का परिवहन कार्य प्रदेश के विभिन्न जिलों की सेवा सहकारी समितियों एवं आई.एफ. एफ.डी.सी. कृषक सेवा केन्द्रों पर किया जाना है। आई.एफ.एफ.डी.सी. परिवहन कार्य करने हेतु परिवहनकर्ताओं से मोहर बंद निविदाएँ आमंत्रित करती है निविदा फार्म आई.एफ.एफ.डी.सी. कार्यालय, एच.आई.जी. 2/191, अरविन्द विहार, बामुगालिया, भोपाल (म.प्र.) से कार्यालयीन दिवस में दिनांक 02.03.2026 शाम 05 बजे तक प्राप्त कर सकते है। निविदा फार्म, धरोहर राशि के डिमांड ड्राफ्ट के साथ आई.एफ.एफ.डी.सी. कार्यालय, भोपाल में दिनांक 02.03.2026 समय दोपहर 12.00 तक जमा की जा सकती है। दिनांक 02.03.2026 को दोपहर 1.00 बजे भोपाल कार्यालय में टेक्नीकल बिड्स् खोली जायेगी तथा मानक पार्टियों की प्राइस बिड्स् दिनांक 02.03.2026 को दोपहर 04 बजे पार्टियों के समक्ष खोली जायेगी। आई.एफ.एफ.डी.सी. के पास निविदा/निविदाओं को अस्वीकार/निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित होगा।

परियोजना प्रबंधक

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./66-67/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 डिण्डौरी, दिनांक 30.01.2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है । निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 02.02.2026 को प्रात: 11.00 बजे से दिनांक 16.02.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है ।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा । विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु. लागत (PAC) (रू.)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2025_PHED _479343_1	66	डिण्डौरी	Drilling of Gravel Packed Type of Tubewell (300/100 mm) 60mtr. Depth. (55 Nos.) in Various Villages in District- Dindori. (Group- 1)	47.83	50000.00	5000.00	प्रथम आमंत्रण
2	2025_PHED _479344_1	67	डिण्डौरी	Drilling of Gravel Packed Type of Tubewell (300/100 mm) 60mtr. Depth. (55 Nos.) in Various Villages in District- Dindori. (Group- 2)	47.83	50000.00	5000.00	प्रथम आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
G-25452/25 "स्वच्छता ही सेवा" लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - जबलपुर (म.प्र.)
E-mail- modgmjab@mp.gov.in

क्रमांक / 251 / खनिज / 2026 दिनांक 02/01/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री दुर्गेश यादव पिता श्री लल्लू यादव पता - ग्राम मंगेली, तहसील जबलपुर जिला जबलपुर द्वारा उत्खनिपट्टा नवकरण कराने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन नवकरण आवेदन पत्र दिनांक 19/08/ 2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस की अवधि मे आपत्तियां लिखित में प्रस्तुत किये जा सकते है ।

आवेदित क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा हेक्टर में	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमॉर्क
जबलपुर	जबलपुर	बढैयाखेड़ा	5	1.00	शासकीय भूमि	गिट्टी,मुरूम बोल्डर, एमसैण्ड	
			कुल रकबा	1.00			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में आपत्तियां विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (एक माह) कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है । 2. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आपत्तीयां प्राप्त नहीं होती है तो आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत नवकरण स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 3. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तीयों को विचार में नहीं लिया जायेगा ।

खनि अधिकारी (खनिज शाखा)
G-25432/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" जिला - जबलपुर, (म.प्र.)

भारत और अमेरिका के मध्य दीर्घकाल से जारी बातचीत के तत्पश्चात व्यापार समझौते को लेकर एक सकारात्मक सहमति बन गई है। व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से अमेरिका को आयात किए जाने वाले सामान पर आयाद किया गया 50 फीसदी टैरिफ घटाकर मात्र 18 फीसदी कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ घटने से भारतीय बाजार में उत्साह है। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल आयात बंद करने के लिए दबाव बनाया है। हालांकि, अभी तक इस बारे में मोदी सरकार की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। वहीं, कृषि फसलों को लेकर देश का किसान वर्ग चिंतित है। विपक्ष और खास तौर पर कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में है। जबकि, कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। अमेरिकी के साथा यह ट्रेड डील भारत के लिए लाभदायक होगी या नहीं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मायने

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

भारत और अमेरिका के मध्य दीर्घकाल से जारी बातचीत के तत्पश्चात व्यापार समझौते को लेकर एक सकारात्मक सहमति बन गई है। हालांकि अभी तक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का संपूर्ण प्रारूप सामने नहीं आया है। व्यापार समझौते के विषय में केवल राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किया गया ऐलान और अमेरिकी प्रवक्ता मार्गरेट मैकलियोड द्वारा प्रदत्त जानकारी ही उपलब्ध हुई है। मैकलियोड ने फरमाया कि भारत द्वारा रूस से तेल का आयात बंद कर देने के वादे के तत्पश्चात भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से अमेरिका को आयात किए जाने वाले सामान पर आयाद किया गया 50 फीसदी टैरिफ घटाकर मात्र 18 फीसदी कर दिया है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा रूस से तेल का आयात एकदम बंद कर देने के विषय में कोई उद्घोषणा अभी तक नहीं की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान किया है कि यदि भारत द्वारा पूर्णरूपेण रूस से तेल का आयात रोका नहीं किया गया तो फिर अमेरिका-भारत व्यापार समझौता रद्द कर दिया जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान किया है कि यदि भारत द्वारा पूर्णरूपेण रूस से तेल का आयात रोका नहीं किया गया तो फिर अमेरिका-भारत व्यापार समझौता रद्द कर दिया जाएगा। यदि वास्तव में भारत ने रूस से तेल आयात रोक दिया तो मोदी को अपनी शक्तिशाली राजनीतिक छवि बचाना मुश्किल हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अभी अमेरिका में कोई इंवेस्टमेंट करने का कमिटमेंट नहीं किया गया है। यह स्वाभाविक है कि भारत को विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अधिक प्रोडक्ट खरीदने पड़ सकते हैं।

रूस से तेल का आयात कम

उधर, रूस सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि रूस से तेल नहीं खरीदने को लेकर भारत ने कोई जानकारी अभी तक प्रदान नहीं की है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार समझौते से पहले ही भारत सरकार द्वारा रूस से तेल का आयात काफी कम कर दिया गया है। विगत कुछ वर्षों से रूस से भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 50 प्रतिशत तेल आयात करता रहा था, किंतु अब केवल 25 प्रतिशत तेल आयात कर रहा है। रूस से तेल आयात कम कर देने के सवाल पर विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार पर अत्यंत आक्रामक है। विपक्ष द्वारा यह इल्जाम लगाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। यदि वास्तव में ही भारत ने अमेरिका व्यापार

समझौते के तहत रूस से तेल आयात करना एकदम रोक दिया तो नरेंद्र मोदी को अपनी शक्तिशाली राजनीतिक छवि बचाना मुश्किल हो जाएगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अभी अमेरिका में कोई इंवेस्टमेंट करने का कमिटमेंट नहीं किया गया है। यह स्वाभाविक है कि भारत को विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अधिक प्रोडक्ट खरीदने पड़ सकते हैं।

भारत के लिए अमेरिका बड़ा बाजार

यक्ष प्रश्न है कि क्या भारत - अमेरिका व्यापार समझौते के तत्पश्चात भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक स्थिति और अधिक शक्तिशाली बन जाएगी अथवा कमजोर पड़ जाएगी। भारत का राजनीतिक विपक्ष इस वक्त जबकि भारत अमेरिका समझौता एक प्रारूप ले चुका है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर बेहद आक्रामक है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका वस्तुतः भारतीय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा बाजार रहा है। इस व्यापार समझौते के बाद होने वाले परिवर्तनों में छोटे निवेशकों की चिंता बहुत कुछ बढ़ा दी है। इसका कारण यह है कि आने वाले वक्त में भारत से अमेरिका को 800 डॉलर तक के सामान को बिना शुल्क भेजने की सुविधा समाप्त कर दी जाएगी। विगत वर्ष 2025 में जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ युद्ध प्रारंभ किया गया था तो फिर चरणबद्ध तौर तरीकों से भारतीय सामान पर 50 फ़ीसदी तक टैरिफ आयद कर दिया गया था। सर्वविदित है कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों में एक विशाल संख्या छोटे उद्योगों के मालिकों और उनमें कार्य करने वाले करोड़ों श्रमिकों की रही है।

रोजगार और आय प्रभावित

अमेरिका को निर्यात करने वाले सामान में आई कमी का सीधा प्रभाव रोजगार और आय पर पड़ता है। अमेरिका की धारा 321 के अंतर्गत मिलने वाली सुविधा कस्टम प्रक्रिया को भी तेल और सम बनती है जिससे निर्यातक पूरी तरह अनुपालन के साथ व्यापार कर सकते थे इस सुविधा के अभाव में भारतीय निर्यातक यकीनन उन देशों की तुलना में पिछड़ जाएंगे जिन्हें अभी तक ऐसी छूट उपलब्ध है। अमेरिकन टैरिफ आयद होने के बाद हस्तशिल्प और श्रम पर आधारित उत्पाद बनाने वाले छोटे उद्यमी अब अधिक लागत के कारण अमेरिका बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे हैं। पहले से मिलने वाली सीमा ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी सुगम बनाती थी। अमेरिकी ग्राहकों को सीधे भारतीय उत्पाद पहुंचना होता था। अतिरिक्त शुल्क या जटिल दस्तावेज की प्रक्रिया की आवश्यकता ही नहीं होती थी। रूस भारत का दशकों पुराना मित्र रहा है। भारत एक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र रहा है और महाशक्तियों के मध्य कशमकश के दौर में भारत किसी भी सैन्य गुट में कदाचित शामिल नहीं हुआ। अमेरिका का जबरदस्त दबाव है कि टैरिफ केवल तभी कम किया जाएगा, जबकि भारत रूस से तेल खरीदना एकदम बंद कर देगा।

इस कठिन परीक्षा में यदि भारत वस्तुतः अमेरिका के समक्ष जरा सा भी झुक गया और उसने रूस के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को शिथिल कर दिया तो फिर नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए अपनी साख बचाना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा। राजनीतिक विपक्ष को भरपूर मौका मिल जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कटघरे में खड़ा कर सके और राष्ट्र के हितों को ताक पर रखने का संगीन इल्जाम आयद कर सके। इस राजनीतिक स्थिति को नरेंद्र मोदी की सरकार बाकायदा समझती है। अतः डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर थोपी गई रूस से तेल एकदम नहीं खरीदने की शर्त को कदाचित भी मोदी सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

भारत न झुका है और न झुकेगा

डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिकन देश वेनेजुएला के तेल पर आधिपत्य करने के पश्चात यह दावा पेश कर रहे हैं कि उनके पास दुनिया का 70 प्रतिशत तेल है। डोनाल्ड ट्रंप का दबाव है कि भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदना पड़ेगा। एक हद तक भारत ने अमेरिका के कृषि क्षेत्र के लिए अपना मार्केट खोल दिया है। हालांकि मुख्य तौर पर भारत के डेयरी क्षेत्र और मुख्य कृषि उत्पादन के लिए अमेरिकन कृषि उत्पादों के लिए भारतीय मार्केट नहीं खोला गया है। भारत ने यूरोपीय यूनियन के साथ भी सम्मानजनक व्यापार समझौते पर दस्तखत किए हैं। केवल अमेरिका ऐसी अनुचित शर्त भारत पर थोपने की कोशिश कर सकता है कि भारत अमेरिका के कूटनीतिक हुकुम का पालन करे। भारत कभी भविष्य में ऐसा नहीं करेगा।

भारत के हित में है अमेरिकी ट्रेड डील

मुद्दा

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ पत्रकार

महीनों बातचीत के उपरांत आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील ने मूर्त रूप लेना शुरू कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ घटने से बाजार बम-बम है और कारोबार का पहिया नाच उठा है। दोनों देशों के कारोबारियों के माथे पर जो द्विपक्षीय व्यापारिक तनाव की शिकन थी, अब वह उत्साह में तब्दील हो चुकी है। आर्थिक संबंधों की नई उर्जा के प्रवाह ने निर्यात के उछाल की उम्मीद जगा दी है। टैरिफ घटने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। भरोसे का संकट खत्म हुआ है और संबंधों के एक नए युग की नींव पड़ गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई 2025 में 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था और उसके बाद रूसी तेल खरीद पर अतिरिक्त 25 फीसदी पेनॉल्टी लगाकर टैरिफ को 50 फीसदी कर दिया था। इससे न केवल भारत की मुश्किलें बढ़ी थी, बल्कि अमेरिकी बाजार भी अनिश्चितता की भेंट चढ़ने लगा था। अर्थात टैरिफ बढ़ाने का खामियाजा अमेरिका को ही भुगतने की नौबत आन पड़ी। भारत पर टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में न सिर्फ महंगाई बढ़ने लगी, बल्कि उसे कम जीडीपी और डॉलर के कमजोर होने का खतरा भी उत्पन्न हो गया। टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव का नकारात्मक असर अमेरिका पर साफ दिखने लगा। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भारत पर टैरिफ कम करने का दबाव बढ़ गया। स्वागत योग्य है कि ट्रंप ने भारत से 50 फीसदी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। रूस के साथ तेल व्यापार के चलते लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। सकल आंकलन करें तो 32 फीसदी टैरिफ की राहत मिली है। इससे अमेरिका में कारोबार करने वाली बड़ी कंपनियों की मार्जिन में सुधार होगा और उनकी माली सेहत भी मजबूत होगी। अब भारत को दीर्घकालिक रणनीति के रोडमैप को मूर्त रूप देकर वैश्विक कारोबारी चुनौतियों से पार पाना होगा। यहां अच्छी बात यह है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत पर अभी भी टैरिफ कम है। अब हम बेहतर उत्पाद और कम टैरिफ के साथ अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। इसी तरह चीन की तुलना में भी टैरिफ कम है। इस कारण चीन से हमें अतिरिक्त डिमांड मिलने की संभावना प्रबल हो गई है। गौर करें तो अमेरिका ने जिन सेक्टरों पर टैरिफ घटाया है वे हमारे श्रम-उत्पाद निर्यात की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। इन सेक्टरों से हम बड़े पैमाने पर अमेरिका को निर्यात करते हैं।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

इनमें रेडिमेड गारमेंट, जूलरी, झींगा मछली, हीरे-जवाहरात, इंजीनियरिंग सामान, कीमती पत्थर इत्यादि प्रमुख हैं। गौर करें तो अमेरिकी टैरिफ घटने से सोने-चांदी की जूलरी पर 25 फीसदी, रेडिमेड गारमेंट पर 37 फीसदी, कालीन पर 13.7 फीसदी, बेडशीट पर्दे पर 27 फीसदी और झींगा तथा हीरे पर 7 फीसदी टैरिफ कम हुआ है। इससे इन सेक्टरों के उत्पादों की लागत में कमी आएगी और डिमांड बढ़ेगी। टैरिफ में कमी का सीधा फायदा भारत के उन उद्योगों को मिलेगा, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, टैरिफ कम होने से भारतीय उपभोक्ताओं को लैपटॉप, मोबाइल, गैजेट्स, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उनके पार्ट कम कीमत पर उपलब्ध होगा। ट्रेड डील पर संशय के बादल छंटने से अब विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रुख तेज करेंगे। विशेष रूप से अमेरिकी निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा बढ़ेगा। ऐसा इसलिए कि भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध वर्तमान में अपने सबसे मजबूत दौर में है। वर्ष 2000 से वर्ष 2025 के बीच अमेरिका भारत में तीसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है, जिसमें 70.65 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है। वित्त वर्ष 2025 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 132.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। अच्छी बात यह है कि भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों मसलन कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। इसे लेकर ढेर सारी आशंकाएं जताई जा रही थी, लेकिन कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

रूस से तेल खरीद पर संशय बरकरार

रणनीति

डा. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतिक्षित व्यापार समझौते पर सहमति हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दोस्ती और सम्मान के कारण और उनके अनुरोध पर व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। समझौते के तहत अमेरिका एक कम पारस्परिक वाले टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। जबकि नई दिल्ली अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क घटाकर शून्य कर देगी। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात को शून्य करने पर सहमति जताई है। भारत अब रूस की बजाए अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। इससे यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी। भारत कृषि जैसे संवेदनशील बाजारों को खोलेगा और अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदेगा। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में 18 प्रतिशत टैरिफ किए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने ट्रंप को धन्यवाद दिया और वैश्विक शांति के लिए उनके प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया। लेकिन मोदी ने ट्रंप की उस घोषणा पर कुछ नहीं कहा जिसमें उन्होंने अमेरिका या वेनेजुएला से तेल खरीदने, कृषि बाजार खोलने की बात कही है। हालांकि मोदी सरकार ने रूस से तेल की खरीद बंद किए जाने के दावे पर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सरकार का कहना है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी आधार पर आयात से जुड़े फैसले किए जाते हैं। ट्रंप की कथित पोस्ट के बाद जो सवाल देश को परेशान कर रहे हैं ,उनमें एक सवाल रूस से तेल खरीद को लेकर भी है। रूस भारत का रणनीतिक सहयोगी और सदाबहार दोस्त है। पिछले लंबे समय से भारत रूस से कच्चे तेल का आयात कर रहा है। वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है। जाहिर है कि भारत मॉस्को के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को खराब नहीं करेगा। हालांकि, आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले कुछ माह में भारत की रिफाइनरियों ने रूसी तेल के ऑर्डर में भारी कटौती की है। रिलायंस इंड्रस्टीज ने तो यहां तक कह दिया है कि उसे जनवरी 2026 में रूस से कोई तेल नहीं मिला। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में आयात में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई हैं । नवंबर में यह 3.7 अरब डॉलर था। दिसंबर 2024 के मुकाबले पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में यह 15 प्रतिशत कम है। दिसंबर 2025 में भारत के कुल 11.4 अरब डॉलर के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही। अहम बात यह है कि इस अवधि के दौरान अमेरिका से तेल आयात की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। दरअसल, अमेरिकी प्रतिबंधों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच रूस से होने वाला आयात पिछले कई महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। कहा जा रहा है कि इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका द्वारा रूस की दिग्गज तेल कंपनियों रोजनेफट और लुकोइल पर लगाए गए कड़े प्रतिबंध है। दूसरा अहम सवाल यह है कि क्या भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदना चाहिए। दरअसल वेनेजुएला की भारत से दूरी काफी ज्यादा है। इससे तेल की लागत हर बैरल पर 374 डॉलर बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब तक वेनेजुएला भारत को तेल खरीद पर बड़ी छूट न दे भारत को फायदा नहीं होगा। ऐसे में अगर भारत ट्रंप की इस मांग को दरकिनार कर देता है तो क्या समझौता मूर्त रूप ले सकेगा यह सवाल भी अहम है। इन तमाम सवालों के जवाब तभी सामने आएंगे, जब व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। हालांकि समझौते को लेकर टंप प्रशासन और मोदी सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। जब तक समझौते का वास्तविक स्वरूप अर्थात ड्राफ्ट सामने नहीं आता, तब तक यह कहना मुश्किल है कि समझौते में बनी सहमति किसके हित सुनिश्चित करती है।

वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है।

टैरिफ वॉर छेड़ने वाले ट्रंप आखिर भारत के सामने नतमस्तक हुए

कूटनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो ये भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमेरिका की इसी आक्रमकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेजी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं।

इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों में सैद्धांतिक सहमति बन गई है, लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक़्त लग सकता है क्योंकि इसे क़ानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पार्लियामेंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमेरिका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौता अमेरिका को आर्थिक से ज़्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा। यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था।

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमेरिका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और ईयू के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी।

दिन पहले ही भारत--ईयू डील को विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है, दुनिया को जब ट्रंप का टैरिफ वॉर झकझोर रहा था, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमेरिका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रंप को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ़ कारोबार तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, ख़ासकर अमेरिकी की आक्रामक कारोबार नीति पर। अमेरिका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाज़ार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दर्शाता है। इसी कदम ने संभवतः अमेरिका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रंप को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलने पड़े। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमेरिका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां पेश भी करता है। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा।

अगर अमेरिका और ईयू जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। ये समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह ग्लोबल ट्रेंड भारत को 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

कृषि उपज के लिए बाजार न खोलना बड़ी सफलता

ट्रेड डील

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। शनिवार को जारी मसौदे के मुताबिक भारत ने अपने कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए नहीं खोला।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल, इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। इसके चलते भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। ऐसे में भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। हालांकि, कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का

इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं।

कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनी पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है, लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा।

पाक और चीन को बड़ा झटका, नक्शा देख जल-भुन जाएंगे जिनपिंग-मुनीर

पीओके-अक्साई चिन को अमेरिका ने भी माना भारत का हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील के साथ ही अमेरिकी अधिकारी ने एक ऐसा नक्शा जारी किया है, जिसने पाकिस्तान और चीन दोनों को एक साथ झटका दे दिया है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर के पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया है। इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) और लद्दाख का अक्साई चिन भी शामिल है। इसे भारत की लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर अमेरिका की स्पष्ट मुहर के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के दायरे को समझाने के लिए यह नक्शा जारी किया है। इस पोस्ट में जम्मू-कश्मीर, अक्साई चिन, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को भारत की क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर दर्शाया गया है। खास बात यह है कि यह नक्शा किसी अनौपचारिक पोस्ट का हिस्सा नहीं, बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे से जुड़े आधिकारिक बयान के साथ साझा किया गया। सोशल मीडिया पर व्यापार समझौते को रेखांकित करते हुए यूएसटीआर ने कहा कि यह समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए भारत में नए बाजार खोलेगा। इस पोस्ट के साथ जो नक्शा साझा किया गया, उसमें भारत की संप्रभुता को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं छोड़ी गई।

भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम

यह नक्शा अमेरिका की ओर से पहली बार इतने स्पष्ट रूप से भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम माना जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो रहा है और टैरिफ में कटौती हो रही है। यह घटना भारत के लिए कूटनीतिक जीत की तरह देखी जा रही है।

चीन, पाक की 'कूटनीतिक हार'

भारत लंबे समय से कहता आ रहा है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख (जिसमें अक्साई चिन शामिल है) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग हैं। 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के बाद भी भारत की यह स्थिति अटल रही है। अब अमेरिका के आधिकारिक यूएसटीआर नक्शे में पीओके और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाना चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है।

अमेरिका ने ट्रेड डील के बाद शेयर किया इंडियन मैप

पाक को करारा तमाचा

पाकिस्तान ने 2020 में अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें पीओके, लद्दाख के कुछ हिस्से, जूनागढ़, मनावदार और सर क्रीक को अपना बताया था। भारत ने इसे 'राजनीतिक मूर्खता' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब यूएसटीआर का नक्शा पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह नकारता है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के लिए यह और भी शर्मिंदगी वाली बात है, क्योंकि पाकिस्तान का लंबे समय से सहयोगी रहा अमेरिका अब भारत की सीमाओं को मान्यता दे रहा है।

जिनपिंग को ट्रंप का जवाब

वहीं चीन की तरफ से भी यही स्थिति है। अगस्त 2023 में चीन ने अपना 'स्टैंडर्ड मैप' जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया गया था। भारत ने इसे तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि ऐसे नक्शे से हकीकत नहीं बदलती. अब अमेरिका का यूएसटीआर नक्शा चीन के दावों को सीधे चुनौती देता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए यह कूटनीतिक झटका है।

पीओके, अक्साई चीन का विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच पीओके विवाद 1947 से जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। अक्साई चिन विवाद भी भारत और चीन के बीच सबसे पुराने सीमा विवादों में से एक है। यह क्षेत्र लद्दाख के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित एक ऊंचा, बंजर और ठंडा रेगिस्तानी इलाका है, जो लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे 1962 युद्ध के दौरान चीन ने इस पर कब्जा किया था। भारत इसे अवैध कब्जा मानता है।

खबर संक्षेप

योगी सरकार में ब्राह्मण समुदाय त्रस्त : मायावती

लखनऊ। बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने शनिवार को कहा कि बीजेपी सरकार में कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर समाज के सभी वर्गों के लोग त्रस्त हैं लेकिन उनमें खासकर ब्राह्मण समाज उपेक्षा और असम्मान के विरुद्ध काफी मुखर है। आगामी विधानसभा के आमचुनाव के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया।

बाइकर केस : सब-कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार, 3 इंजीनियरों पर भी केस

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में एफआईआर में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। एफआईआर में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने इस सिलसिले में कंस्ट्रक्शन साइट के एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही के आरोप में तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है और उन पर लापरवाही का केस भी दर्ज किया गया है।

यौन शोषण : डॉक्टर को 24 साल जेल की सजा

लंदन। ब्रिटेन में बच्चों के यौन शोषण के एक गंभीर मामले में 76 साल के रिटायर्ड वेटनरी डॉक्टर जॉन रुबेन को 23 साल 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी ने समर कैंप में बच्चों को दी जाने वाली कैंडी में नशीली दवाएं मिलाकर उनका यौन शोषण किया। यह मामला पिछले साल जुलाई का है, जब इंग्लैंड के एक समर कैंप से जुड़े 8 से 11 साल के 8 बच्चों और एक वयस्क को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। जांच के बाद पुलिस ने रुबेन को गिरफ्तार किया था। जॉन रुबेन ने नवंबर में कोर्ट में 17 मामलों में दोष स्वीकार किया था। इनमें 13 साल से कम उम्र के दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और 8 बच्चों के साथ क्रूरता के आरोप शामिल हैं।

कुआलालंपुर में प्रधानमंत्री मोदी ने किया ऐलान

मलेशिया में खुलेगा नया कॉन्सुलेट यहां बड़ा निवेश भी करेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

2,500 भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम को किया संबोधित

मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी

मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा, भारत से दोस्ती पर गर्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ शनिवार को कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का यूपीआई शीघ्र ही मलेशिया में आएगा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने नए कॉन्सुलेट खोलने के बाद करते हुए भारत और मलेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी अपनी 2026 की पहली विदेश यात्रा पर मलेशिया पहुंचे, जहां उनका स्वागत बेहद खास रहा।

खुद मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पहुंचकर उनकी अगवानी की, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती का बड़ा संकेत है। कुआलालंपुर में करीब 2,500 भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के लिए जो प्यार और सम्मान दिखा है, उसे देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने बताया कि पिछले साल आसियान समिट में न आ पाने का वादा उन्होंने आज पूरा कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की यह तीसरी यात्रा है और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद उनकी यह पहली यात्रा है।

भारत-मलेशिया को जोड़ने वाली कई चीजें

पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो इंडियन और मलेशियाई दिलों को जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि आप वो जीता-जागता पुल हैं जो हमें जोड़ता है। आपने रोटी कैनाई को मालाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले स्वाद बहुत जाने-पहचाने लगते हैं, चाहे वो कुआलालंपुर हो या कोच्चि. हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अद्भुत प्रदर्शन

कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

भारत 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार'

मोदी ने विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

भारत हमारा पुराना व प्रमुख व्यापारिक सहयोगी : इब्राहिम

इब्राहिम ने कहा, 'भारत, मलेशिया के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है। हमारे बीच न केवल वस्तुओं का आदान-प्रदान होता है, बल्कि 2025 में 15 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक मलेशिया आए थे।' उन्होंने कहा, 'मुझे मोदी जी और भारत का मित्र होने पर गर्व है।' इब्राहिम ने इस मौके पर कहा, 'भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं।' उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया।

शरद पवार के भतीजे एनसीपी नेता रोहित ने कहा

'अजीत की मौत को लेकर संदेह, 10 को दूंगा प्रेजेंटेशन'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में सवाल और संदेह हैं।

उन्होंने कहा कि वह 10 फरवरी को मुंबई में इस मामले पर एक डिटेल प्रेजेंटेशन देंगे और बताएंगे कि हादसा क्यों हुआ और कैसे हुआ होगा। रोहित पवार ने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में वोट डालने के बाद पत्रकारों से कही। अहिल्यानगर जिले की करजात-जामखेड़ सीट से विधायक रोहित पवार ने कहा कि वह यह भी बताएंगे कि पार्टी विलय की योजना क्यों बनाई गई थी और इसके पीछे असली मंशा क्या थी। उन्होंने कहा कि वह समझाएंगे कि अजित दादा की सोच राजनीतिक थी या भावनात्मक। बता दें 28 जनवरी को बारामती में विमान हादसे में अजित पवार की मौत हो गई थी।

संजय राउत ने भी उठाए सवाल

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि रोहित पवार के अलावा एनसीपी विधायक और अजित पवार के करीबी अमोल मिटकरी, एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और एनसीपी (एसपी) सांसद बजरंग सोनवणे ने भी इस दुखद घटना पर संदेह जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संदेह दूर करने के बजाय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कह रहे हैं कि इस मुद्दे पर राजनीति न हो।

पार्टी एकता की कोशिश रहेगी जारी

पत्राकारों से रूबरू रोहित ने कहा कि अजित दादा चाहते थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुट एक हो जाएं और विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे। बता दें, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और एनसीपी ने जिला परिषद चुनाव के लिए हाथ मिलाया है। दोनों दलों के उम्मीदवार एनसीपी के 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं।

चांदी की कीमतें धड़ाम... 7 दिन में 1.90 लाख रुपए हुई सस्ती

भोपाल

वैश्विक तनाव में थोड़ी नरमी के संकेतों का असर

घरेलू बाजार चांदी 2.51 लाख रुपए पर किलो के स्तर पर

चांदी की कीमतें धड़ाम हो गई है , सात दिन में चांदी की कीमत आधी हो गई । मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर 29 जनवरी को चांदी ने 4,20,000 रुपए का ऐतिहासिक आंकड़ा छुआ था, लेकिन उसके अगले ही दिन चांदी की कीमतों में गिरावट आई और लगातार तीन दिन तक कमी देखी गई।

हालांकि कारोबारी सत्र के दो दिनों में चांदी में तेजी आई, लेकिन 5 फरवरी से चांदी में फिर गिरावट आने लगी, जो अभी भी जारी है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन भारी मुनाफावसूली दिखी। वैश्विक तनाव में थोड़ी नरमी के संकेतों के बीच घरेलू सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी की कीमतें 13,000 रुपए तक लुढ़क गईं, जबकि सोना भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। हालांकि भारतीय बाजार बंद होने दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव और रिकवरी का दौर देखा गया।

चांदी की कीमतों में 4.85 फीसदी की भारी गिरावट आई। सराफा बाजार में चांदी की कीमत 2,51,000 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। इससे पहले गुरुवार को यह 2,68,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोने की चमक भी फीकी पड़ी है। 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपए या 2.12 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि घरेलू कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के कारण आई है। इस अस्थिरता के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में चल रही बातचीत और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता है। कमजोर अमेरिकी जॉब्स डेटा ने कीमती धातुओं को सहारा दिया है, लेकिन अमेरिका-ईरान वार्ता में किसी सफलता की उम्मीद ने कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी को सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि ओमान में चल रही बैठक और अमेरिकी मौद्रिक नीति की भावी दिशा के कारण बुलियन कॉम्प्लेक्स में भारी अस्थिरता जारी है। आनंद सोनी ने कहाकि चांदी पहले से कहीं सस्ती हो चुकी है और इससे जुड़े निवेशक, ज्वैलर्स और होलसेल मार्केट में बैठे लोग बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। अगर गिरावट जारी रहती है, तो यह ट्रेडिंग और ज्वेलरी खरीदारी दोनों को प्रभावित कर सकती है।

'सिंदूर' पर जैश का फिर बड़ा कबूलनामा मुनीर ने दिया था 'गजवा-ए-हिंद' का नारा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के टॉप आतंकी ने भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। आतंकी इलियास कश्मीरी ने पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उसने कहा है कि पाकिस्तानी सेना के चीफ ने आतंकियों से कहा था कि 'ये गजवा ए हिंद है।'

मिली जानकारी के अनुसार, पीओके के रावलकोट में 5 फरवरी को आतंकी संगठन जैश के टॉप कमांडर इलियास कश्मीरी ने जैश के आतंकियों के बीच खुलासा करते हुए कहा कि हमारे सिपहसालार ने युद्ध का ऐलान करते हुए कहा था 'कि ये युद्ध गजवा ए हिंद है।' इलियास कश्मीरी ने कहा कि जब जंग छिड़ गई, असलहा निकल आया और फाइट जेट टकरा गए, टैंक आमने-सामने खड़े हो गए तब सिपहसालार ने ऐलान कर दिया कि 'ये गजावत उल हिंद है। ये बुनयान अल मरसूस है।'

जैश कमांडर इलियास कश्मीरी ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर ने दिया बड़ा झटका

आपको बता दें कि भारत द्वारा 7 मई को किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश आतंकी मौलाना मसूद अजहर का परिवार बहावलपुर में मारा गया था। उस दौरान इलियास कश्मीरी ने ही पाकिस्तान में सबसे पहले इस खबर का खुलासा किया था।

ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही कबूलनामा

ये रैली जैश ए मोहम्मद में भर्ती किए गए नए आतंकियों के लिए की गई थी और इलियास कश्मीरी ने आतंकवाद फैलाने वाले इन ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही अपना कबूलनामा किया था। आतंकवादियों के सामने इलियास कश्मीरी ने कहा, हमारा नाम, हमारी पहचान, हमारा मोटो जिहाद (आतंकवाद) है। आतंकी इलियास ने कहा कि जब सरकार हमारे साथ थी, तब भी जिहाद और जब सरकार साथ नहीं थी, तब भी जिहाद, जिहाद ही हमारा असली मकसद है। हम जिहाद करेंगे और कश्मीर को आजाद करवाएंगे।

बीएमसी के लिए महायुति ने किया नाम का ऐलान

मुंबई में रितु होंगी भाजपा की मेयर, शिंदे गुट के संजय डिप्टी मेयर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने रितु तावड़े को मुंबई महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई मेयर का पद खुली श्रेणी (जातिगत आरक्षण लागू नहीं) में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, ऐसे में साफ है कि मुंबई को एक बार फिर महिला महापौर मिलेंगी। इसी कड़ी में मुंबई में पहली बार भाजपा का महापौर बनेगा।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने नाम का एलान किया है। वहीं शिंदे गुट के संजय शंकर घाड़ी डिप्टी मेयर बनेंगे। जिसकी घोषणा शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने की। 11 फरवरी को मेयर चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा-शिवसेना गठबंधन मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए आवेदन दाखिल किया है।

महायुति की जीत है तय

भाजपा मेयर प्रत्याशी रितु तावड़े घाटकोपर से तीन बार की पार्षद और शिक्षा समिति की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी है। जबकि शिवसेना ने मुंबई के वार्ड नंबर 5, मागाठाने के पार्षद संजय शंकर घाड़ी को उप महापौर पद के लिए नामित किया है। बहुमत को देखते हुए महायुति पार्टी के महापौर और उप महापौर पदों के उम्मीदवारों की जीत निश्चित मानी जा रही है।

सवा साल के लिए उप महापौर होंगे घाड़ी

डिप्टी मेयर के पद के लिए शिवसेना ने यह साफ किया है कि घाड़ी उप महापौर पद पर डेढ़ साल तक बने रहेंगे। शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक बयान में कहा है कि घाड़ी 15 महीने तक उप महापौर के रूप में कार्य करेंगे। दरअसल, घाड़ी शिवसेना (यूबीटी) के उन वरिष्ठ पूर्व पार्षदों में से एक थे, जिन्होंने पाला बदलकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। मुंबई में उप महापौर के कार्यकाल को विभाजित करके शिवसेना अपने चार पार्षदों को अवसर देना चाहती है।

बीएमसी में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

बता दें कि हाल ही में हुए बृहन्मुंबई नगर निगम के 227 सदस्यीय चुनावों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। सत्तारूढ़ गठबंधन, जिसके पास कुल 118 पार्षद हैं, बहुमत के आंकड़े (114) को पार कर चुका है और महापौर पद हासिल करने की अच्छी स्थिति में है। शिवसेना (यूबीटी), जिसने 1997 से 25 वर्षों तक नगर निकाय पर शासन किया, उसने 65 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने क्रमशः छह और एक सीट जीती।

50 करोड़ की साइकोट्रोपिक ड्रग्स जब्त 5 राज्यों में फैले ड्रग कार्टेल का पर्दाफाश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक इंटरस्टेट ड्रग कार्टेल का खुलासा किया है। इस सिंडिकेट का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड तक फैला हुआ था। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर 48 किलो साइकोट्रोपिक पदार्थ बरामद किए हैं। इनकी कीमत ब्लैक मार्केट में 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खरीद करता था। इसके बाद बिना किसी मेडिकल प्रिसक्रिप्शन के उनको रीपैकेज कर कई राज्यों में सप्लाई करता था। इस नेटवर्क का खुलासा पिछले साल सितंबर में मिला एक खास इनपुट मिलने के बाद हुआ. पुलिस को सूचना मिली थी कि साइकोट्रोपिक पदार्थों की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इसके बाद जांच शुरू की गई। पुलिस ने दिल्ली के लाजपत नगर इलाके से अनिरुद्ध राय को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब 2 किलो पाउडर ट्रामाडोल बरामद किया गया। ट्रामाडोल एक ओपिओइड ड्रग है, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत बेहद सख्त नियंत्रण में रखा गया है। तकनीकी सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिए पुलिस को एक बड़े सिंडिकेट के सुराग मिले।

503 ग्राम अल्प्राजोलम बरामद

तलाशी में उत्तर प्रदेश से मनोज राय को गिरफ्तार किया गया। उसकी पूछताछ के आधार पर दिल्ली से किशन पाल उर्फ भुल्लर को पकड़ा गया। उसके घर की तलाशी में पुलिस को 503 ग्राम अल्प्राजोलम बरामद हुआ, जो एक प्रतिबंधित एंटी-एंग्जायटी दवा है। इसका दुरुपयोग नशे के तौर पर किया जाता है। आगे की जांच में कृष्ण तंवर को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं हरियाणा के मनोज कुमार को सिंघू बॉर्डर के पास पकड़ा गया।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10–12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लगाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेशः 5,500 रुपये
- सालाना निवेश : 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में) : लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न : लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस : लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाता है। आपको बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6–15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर

कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अमीर बनने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरुआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरुआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित

हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं

कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।

एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेशः एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरुआतः 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभः बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज ग्रोथ।
- विविधीकरण और कर लाभः म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और ईएलएसएस के माध्यम से टैक्स में बचत।

कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। बैंक एफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकता है। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरुआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपको लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे : पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दरें देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।

2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।

3. रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरुआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी पाने वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।

4. डेट म्यूचुअल फंड
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।

5. लिक्विड फंड
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसों को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।

6. कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।

ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा भी हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी मौजूदा नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी स्किल्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ाना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कंसल्टिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरुआत भले ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शोर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपको भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अमीर नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है. जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

नई स्किल्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जरूरी नहीं कि कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई स्किल्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर फ्रीलांस मौके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।

लाइफस्टाइल और कमाई में संतुलन जरूरी

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी असुरक्षित रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी ले पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरुआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरुआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपको कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंस्ट्रूमेंट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे : हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटीरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्रेंस एग्जाम फीस, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रैवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाते समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टैक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।

दिल टूटा है तो कॉकरोच गोद लीजिए और फिर..., वैलेंटाइन डे पर एक्स से बदला लेने का अनोखा तरीका हुआ वायरल!

वारसॉ। पोलैंड के एक चिड़ियाघर का किस्सा इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है। जो लोगों को मौका देता है कि वे अपने एक्स के नाम पर एक कॉकरोच का नाम रखें और फिर अपने उससे रिवेंज लें। वैलेंटाइन डे का नाम आते ही प्यार, रोमांस और कपल्स की तस्वीरें सामने आ जाती हैं। लेकिन, हर साल इस दिन ऐसे लोग भी होते हैं जिनके दिल हाल ही में टूटे होते हैं और जो इस खास दिन को अकेले बिताने वाले होते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से हैं, तो यह खबर आपके चेहरे पर मुस्कान जरूर ला सकती है। दरअसल, पोलैंड के एक चिड़ियाघर ने टूटे दिल वालों के लिए वैलेंटाइन डे को थोड़ा अलग और मजेदार बनाने का तरीका निकाला है। यहां लोग अपने एक्स पार्टनर के नाम पर एक कॉकरोच को गोद ले सकते हैं और फिर उसे मीरकैट जैसे जानवरों को खिलाकर दिल की भड़ास निकाल सकते हैं।

वीआईपी पैकेज को लेकर एक्साइटमेंट

जो लोग अपने रिवेंज को एक कदम आगे ले जाना चाहते हैं, उनके लिए ज़ू ने 150 ज़्लॉटी, यानी लगभग 3,870 रुपए का पैकेज भी रखा है। इस पैकेज में डिजिटल सर्टिफिकेट के साथ-साथ उस कॉकरोच के अंतिम सफर की फोटो भी शामिल होती है, जब उसे मीरकैट को खिलाया जाता है।यह विकल्प खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो इस अनुभव को यादगार बनाना चाहते हैं। वहीं, सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट वीआईपी पैकेज को लेकर है। इस पैकेज की कीमत करीब 300 ज़्लॉटी, यानी लगभग 7,740 रुपए है। इसमें ज़ू की निगरानी में व्यक्ति खुद उस कॉकरोच को मीरकैट को खिला सकता है।

ओरिएंटेरियम ज़ू ने शुरू की थी यह खास पहल

यह खास पहल पोलैंड के ओरिएंटेरियम ज़ू ने शुरू की थी। पहली बार इस कैंपेन को साल 2023 में लॉन्च किया गया था। उस वक्त ज़ू ने लोगों को यह मौका दिया कि वे मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच, जो आकार में काफी बड़े होते हैं, उन्हें अपने एक्स के नाम पर गोद लें। इसके बाद उसी कॉकरोच को ज़ू में मौजूद मीरकैट को खिलाया जाता है। लोगों को यह कॉन्सेप्ट इतना मजेदार लगा कि इस साल वैलेंटाइन डे के मौके पर इसे दोबारा शुरू कर दिया गया है।

पोलैंड तक सीमित नहीं है यह ट्रेंड सिर्फ : यह ट्रेंड सिर्फ पोलैंड तक सीमित नहीं है। अमेरिका का मशहूर ब्रॉन्क्स ज़ू भी वैलेंटाइन डे पर इसी तरह की पेशकश करता है। वहां भी लोग अपने खास व्यक्ति या फिर अपने एक्स के नाम पर मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच का नाम रख सकते हैं। ब्रॉन्क्स ज़ू ने इस पहल को मजाकिया अंदाज में प्रमोट करते हुए कहा कि नर कॉकरोच अपने साथी के लिए आपस में लड़ते हैं और जो जीतता है, वही दिल जीत लेता है।

क्या करवाएगा आखिर चिड़ियाघर

जब दुनिया भर में लोग वैलेंटाइन डे पर फूल, चॉकलेट और गिफ्ट्स की प्लानिंग कर रहे होते हैं, उसी समय यह ज़ू उन लोगों के लिए एक अलग तरह का विकल्प लेकर आया है, जो अपने पिछले रिश्ते की यादों से थोड़ी राहत पाना चाहते हैं। खास बात यह है कि यह सिर्फ बदला लेने का तरीका नहीं है, बल्कि इसके जरिए जानवरों की देखभाल के लिए चिड़ियाघर को आर्थिक मदद भी मिलती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कैंपेन के तहत अलग-अलग पैकेज उपलब्ध हैं। अगर कोई व्यक्ति करीब 50 ज़्लॉटी, यानी लगभग 1,290 रुपए खर्च करता है, तो वह एक मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच को अपने एक्स के नाम पर गोद ले सकता है। इसके बदले उसे एक डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाता है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि कॉकरोच का नामकरण हो चुका है।

बच्चा नाले में गिर गया

फर्जी कॉल से 3 घंटे में हो गया पूरा नाला साफ

मेरठ। नाली-नालों की सफाई को लेकर अक्सर नेताओं के बीच बयान-बाजी चलती है। सत्ता पक्ष साफ-सफाई के खूब दावे करता है तो विपक्ष साफ-सफाई नहीं होने के लेकर सवाल उठाता है। बारिश का मौसम आने से पहले हमेशा यह मुद्दा राजनीतिक गलियारों में चर्चा में रहता है। ऐसा ही एक अजीब घटना सामने आई है, जिसने अधिकारियों को हैरान कर दिया। दरअसल, एक महिला के झूठा दावा किया कि उसका बच्चा नाले में गिर गया है। महिला की कॉल के तुरंत बाद ही एक इमरजेंसी रिस्पॉन्स शुरू कर दिया, जिससे सिर्फ तीन घंटे में पूरे नाले की सफाई हो गई।कॉल से अलर्ट होकर, पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और एक बड़ा ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें मजदूरों और भारी उपकरणों को लगाकर नाले में तलाशी अभियान चलाया गया। घंटों की खोज के बाद, पता चला कि वहां कोई बच्चा था ही नहीं, कॉल फर्जी थी, जबकि अधिकारियों ने इमरजेंसी संसाधनों के दुरुपयोग पर हैरानी और गुस्सा जताया। महिला की इस फर्जी कॉल से पूरा नाला घंटों में साफ हो गया, जिसके बाद अब इस मामले में सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल, मामला यूपी के मेरठ का बताया जा रहा है। जहां एक महिला ने कॉल कर दावा किया कि उसका बच्चा नाले में गिर गया।

नाले बिना ढके और खराब रखरखाव वाले क्यों

महिला की कॉल के बाद मेरठ पुलिस और नगर निगम अधिकारियों ने एक बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया। शिकायत मिलते ही तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स दिया गया और पुलिस और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं। भारी मशीनरी लगाई गई और नाले को लगभग तीन घंटे तक अच्छी तरह से साफ किया गया और तलाशा गया। अधिकारियों ने कीचड़ और मलबे को छाना और समय बीतने के साथ तलाशी का दायरा बढ़ाया। इतने लंबे ऑपरेशन के बावजूद वहां कुछ नहीं मिला। शुरुआती जांच से अब पता चलता है कि शिकायत झूठी हो सकती है, जो कथित तौर पर अधिकारियों पर इलाके के लंबे समय से उपेक्षित खुले नाले को साफ करने का दबाव बनाने के लिए की गई थी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

वृष — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

मिथुन — व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। आत्मसंयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

सिंह — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है।

कन्या — धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में भागदौड़ बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। धन की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — धन की स्थिति में सुधार आएगा। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। आलस्य की अधिकता रहेगी। दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है।

मकर — लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — कारोबार में सुधार होगा। लाभ में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मीन — आय में वृद्धि होगी। माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें।

नीली नहीं, कभी बैंगनी थी धरती! वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन। धरती का रंग, जीवन की परिभाषा और एलियन की कल्पना, सब कुछ हमारी सोच से कहीं ज्यादा अलग हो सकता है। शायद भविष्य में जब हम किसी दूसरे ग्रह को देखें, तो वहां की बैंगनी झलक हमें जीवन का नया संकेत दे। जब 1990 में वॉयेजर-1 ने सौरमंडल से बाहर जाते हुए आखिरी बार पृथ्वी की तस्वीर ली, तो वह एक छोटा सा 'पेल ब्लू डॉट' नजर आई। लेकिन, वैज्ञानिकों का मानना है कि आज जो धरती नीली दिखती है, वह हमेशा ऐसी नहीं थी। करीब 2.4 अरब साल पहले, पृथ्वी का रंग नीला नहीं, बल्कि बैंगनी (पर्पल) हो सकता था। यह दावा बैंगनी पृथ्वी परिकल्पना नाम की वैज्ञानिक थ्योरी पर आधारित है, जो न सिर्फ धरती के अतीत बल्कि भविष्य में जीवन की खोज के लिए भी अहम मानी जा रही है।

क्या है बैंगनी पृथ्वी परिकल्पना?

बैंगनी पृथ्वी परिकल्पना के अनुसार, पृथ्वी पर शुरुआती जीवन हरे पौधों पर आधारित नहीं था। आज ज्यादातर जीव क्लोरोफिल नामक पिगमेंट से प्रकाश संश्लेषण करते हैं, जिसकी वजह से पृथ्वी अंतरिक्ष से हरी-नीली दिखाई देती है। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि शुरुआती जीवन ने रेटिनल नामक अणु का इस्तेमाल किया, जो क्लोरोफिल से भी पहले विकसित हुआ हो सकता है। रेटिनल हरे और पीले प्रकाश को अवशोषित करता है, जबकि लाल और नीले प्रकाश को परावर्तित करता है, जिससे धरती बैंगनी रंग की दिखाई देती। इस थ्योरी को यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के प्रोफेसर शिलादित्य दास शर्मा और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, रिवरसाइड के खगोल-जैव वैज्ञानिक डॉ. एडवर्ड श्वीटरमैन ने प्रस्तावित किया।

धरती पर कैसे आया ऑक्सीजन का युग?

नासा की एक रिपोर्ट के अनुसार, पृथ्वी के शुरुआती दो अरब वर्षों में वातावरण में ऑक्सीजन लगभग नहीं थी। उस समय वायुमंडल में मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन मौजूद थीं। करीब 2.4 अरब साल पहले एक बड़ा बदलाव आया, जिसे महान ऑक्सीकरण घटना कहा जाता है। इस घटना के बाद ऑक्सीजन का स्तर बढ़ा और धीरे-धीरे क्लोरोफिल आधारित जीवन विकसित हुआ, जिससे धरती का रंग बदलकर आज जैसा नीला-हरा हो गया। प्राचीन अवसादों में मिले आर्कियल मेम्ब्रेन के अवशेष इस बात का समर्थन करते हैं कि शुरुआती जीवन रेटिनल-आधारित था।

भविष्य और एलियन जीवन के लिए क्यों अहम है यह थ्योरी?

बैंगनी पृथ्वी परिकल्पना सिर्फ अतीत की कहानी नहीं है। इसका सबसे बड़ा महत्व ब्रह्मांड में जीवन की खोज से जुड़ा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर जीवन हमेशा क्लोरोफिल पर आधारित नहीं होता, तो दूसरे ग्रहों पर भी जीवन हरे रंग का ही हो- यह जरूरी नहीं। संभव है कि अन्य ग्रहों पर बैंगनी या अलग रंग के जीवन रूप मौजूद हों। प्रोफेसर दास शर्मा के अनुसार, 'रेटिनल-आधारित फोटोऑफिक मेटाबॉलिज्म आज भी समुद्रों में मौजूद है और पृथ्वी की सबसे अहम जैव-ऊर्जा प्रक्रियाओं में से एक है। बैंगनी पृथ्वी परिकल्पना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि जो हम आज देखते हैं, वही हमेशा सच नहीं रहा। धरती का रंग, जीवन की परिभाषा और एलियन की कल्पना, सब कुछ हमारी सोच से कहीं ज्यादा अलग हो सकता है। शायद भविष्य में जब हम किसी दूसरे ग्रह को देखें, तो वहां की बैंगनी झलक हमें जीवन का नया संकेत दे।

जंगलों के आर-पार देखता सैटेलाइट

घने जंगलों के आर-पार देख रहा है यह सैटेलाइट, पहली तस्वीरों ने वैज्ञानिकों के उड़ाए होश

वॉशिंगटन। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक ऐसा सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है जो पर्यावरण की निगरानी के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। इसे बायोमास उपग्रह नाम दिया गया है। हाल ही में इसने अपनी पहली रंगीन तस्वीरें भेजी हैं जो वैज्ञानिकों के लिए किसी बेशकीमती तोहफे से कम नहीं हैं। ये तस्वीरें दिखाती हैं कि हमारी धरती पर जंगलों और गीली जमीनों में कितना कार्बन जमा है। आसान शब्दों में कहें तो यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से धरती की कार्बन तिजोरी पर नजर रख रहा है।

क्या है इन तस्वीरों का मतलब : इस सैटेलाइट ने दक्षिण अमेरिका के बोलीविया में बहने वाली बेनी नदी की अद्भुत तस्वीरें ली हैं। इन तस्वीरों में फॉल्स कलर तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे वैज्ञानिक अलग-अलग चीजों को साफ पहचान सकें. इन फोटो में घने वर्षावन हरे रंग में दलदली जमीन लाल रंग में और घास के मैदान बैंगनी रंग में दिखाई देते हैं जबकि पानी को काले रंग में दिखाया गया है। हमारी जलवायु को संतुलित रखने में जंगल और आर्द्रभूमि सबसे बड़ी भुमिका निभाते हैं। ये हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर उसे अपने अंदर जमा कर लेते हैं। बायोमास सैटेलाइट हमें यह बताएगा कि जंगलों की कटाई और इंसानी गतिविधियों की वजह से धरती की कार्बन सोखने की क्षमता कितनी कम हुई है। जब हम यह जान पाएंगे कि कार्बन कहां और कितना है तभी हम जलवायु परिवर्तन से लड़ने की योजना बना पाएंगे। साधारण सैटेलाइट सिर्फ पेड़ों की ऊपरी सतह देख पाते हैं, लेकिन बायोमास सैटेलाइट की किरणें घने जंगलों को चीरकर अंदर तक देख सकती हैं। यह पेड़ों की बनावट उनकी मोटाई और जंगलों के घनत्व का सटीक डेटा केल्कट करता है। ईएसए के वैज्ञानिकों का कहना है कि ये पहली तस्वीरें तो सिर्फ एक ट्रेलर हैं और आने वाले समय में यह सैटेलाइट डेटा का ऐसा खजाना खोलेगा जो पहले कभी नहीं देखा गया।

अंटार्कटिका ग्लेशियर के नीचे धधक रही है आग 207 ज्वालामुखियों की खोज से मचा हड़कंप

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिक की मोटी बर्फ के नीचे छिपे 207 ज्वालामुखियों का पता लगाया है। यह एक बड़ी खोज है, क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि इन ज्वालामुखियों की गर्मी बर्फ को कितना पिघला रही है जिससे दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर बढ़ सकता है। चीनी वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका की मोटी बर्फ के नीचे कुछ पता लगाया है। चीन के वैज्ञानिकों की एक टीम ने बर्फ के नीचे दबे 207 ज्वालामुखियों की एक लिस्ट तैयार की है। 3 फरवरी को जारी हुई यह जानकारी दुनिया में अपनी तरह की पहली डिजिटल लिस्ट है जो बर्फ के नीचे छिपे इन ज्वालामुखियों का पूरा कच्चा-चिट्ठा बताती है। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि बर्फ के नीचे छिपे ये पहाड़ किस आकार के हैं और वे कहां-कहां फैले हुए हैं।अब तक वैज्ञानिकों के पास इनके बारे में इतनी सटीक जानकारी नहीं थी।

नई लिस्ट वैज्ञानिकों के किस काम आएगी?

इस बड़ी खोज से पहले बर्फ के नीचे छिपे इन ज्वालामुखियों की जानकारी अलग-अलग जगहों पर बिखरी हुई थी और अधूरी थी। वैज्ञानिकों की टीम ने अब इस सारी जानकारी को एक जगह इकट्ठा कर दिया है जिससे पूरी दुनिया के वैज्ञानिक इसका इस्तेमाल कर सकें। अब वैज्ञानिक ज्यादा बेहतर तरीके से समझ पाएंगे कि अंटार्कटिका की जमीन अंदर से कैसी बनी है।

ज्वालामुखी फटने का क्या खतरा है?

बर्फ की कई किलोमीटर मोटी परतों के नीचे जब कोई ज्वालामुखी फटता है तो वह आम ज्वालामुखियों की तरह बाहर नहीं दिखता. बल्कि, वह अंदर ही अंदर बर्फ को पिघलाकर पानी का एक बहुत बड़ा तालाब बना देता है। यह पानी तेल की तरह काम करता है। इससे ऊपर जमी हुई बर्फ के बड़े ग्लेशियर फिसलने लगते हैं और बहुत तेजी से समुद्र में गिर जाते हैं।

क्या बर्फ के नीचे ज्वालामुखी है?

हमें अंटार्कटिका शांत और सफेद बर्फ से ढका हुआ दिखता है लेकिन हकीकत में इसके नीचे ज्वालामुखियों का जाल बिछा हुआ है। नई जानकारी के मुताबिक, यहां की बर्फीली चादर के नीचे 207 ज्वालामुखी छिपे हुए हैं।यह जानना बहुत जरूरी है कि ये ज्वालामुखी कहां है। अगर इनमें से कोइ फटता है तो आसपास की सारी बर्फ पिघल सकती है।

अमेरिका के खूंखार अपराधियों की सूची में 89 भारतीय शामिल

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका ने अवैध प्रवास और अपराध के खिलाफ अपनी सख्त नीति को और तेज करते हुए 89 भारतीय नागरिकों को 'वर्स्ट ऑफ द वर्स्ट' यानी सबसे खतरनाक अपराधी की सूची में शामिल किया है। यह सूची अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा एक नई सार्वजनिक वेबसाइट पर जारी की गई है, जिसमें गंभीर अपराधों में दोषी पाए गए अवैध प्रवासियों का विवरण दिया गया है।

अपराधों की जानकारी सार्वजनिक

विभाग की ओर से शुरू की गई इस वेबसाइट में अपराधियों के नाम, तस्वीरें, राष्ट्रीयता और उनके द्वारा किए गए अपराधों की जानकारी सार्वजनिक की गई है। विभाग का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों को यह दिखाना है कि किन आपराधिक अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार कर उनके समुदायों से हटाया गया है।

भारतीय समुदाय के लिए संवेदनशील मुद्दा

'वर्स्ट ऑफ द वर्स्ट' सूची में 89 भारतीय मूल के लोगों का नाम आना भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए संवेदनशील और चिंता का विषय है। हालांकि यह भी साफ है कि सूची में शामिल सभी लोग गंभीर अपराधों में दोषी हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम का असर अमेरिका में इमिग्रेशन नीति, प्रवासी समुदायों की छवि और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार बहस तीनों पर पड़ेगा।

वैवाहिकी
वधू चाहिए
ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7"
एजुकेशन b.com
मुंबई निवासी हेतु
सुंदर सुशील
युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धिपत्र संख्या-1
दिनांक 05.02.2026
निविदा संख्या JBP-ELP-OHE-T-2025-03, दिनांक 16.01.2026 के संबंध में दिनांक 05.02.2026 को जारी शुद्धिपत्र संख्या–1 प्रकाशित किया जा चुका है। यह ireps website पर उपलब्ध है। निविदाकर्ता विस्तृत जानकारी के लिए ireps website में देख सकते है।
Dy. CEE/P/JBP
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी बामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 6132

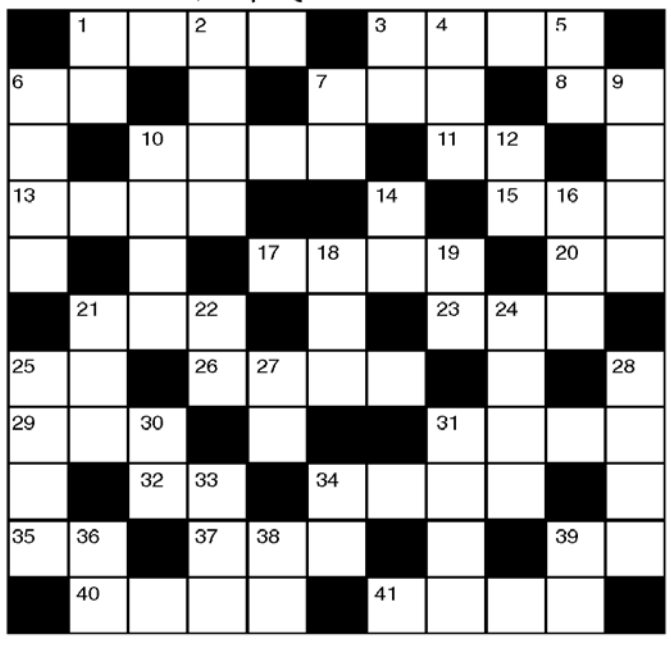

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6131 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	ब	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	मों	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 6142

मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6141 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

BANGALORE SENACHA

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित

P-12

स्पेशलः वैलेंटाइन-डे
14 फरवरी

जबलपुर, रविवार
8 फरवरी 2026

आवरण कथा / सरस्वती रमेश

कई सदी पहले संत कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है,वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के

लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा
बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

नया दौर
डॉ. अनिता राठौर

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं। आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

कविता
आरती आस्था

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के कार्ड्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

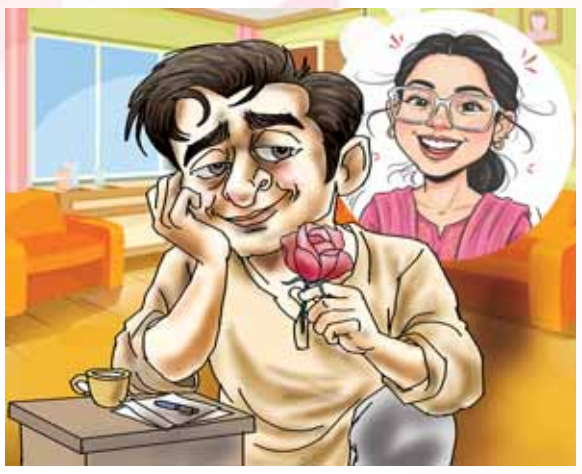

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना'

सच्चा प्यार

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, मूल्यः 50 रुपए

टी20 विश्व कप मैच सुबह 11 बजे से

उलटफेर में माहिर अफगानिस्तान का आज न्यूजीलैंड से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

उलटफेर करने में माहिर अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के पहले मैच में रविवार को खेल के हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टिम सीफर्ट और फिन एलेन के आने से शीर्षक्रम मजबूत लग रहा है लेकिन रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेवोन कोंवे को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड को अपने गेंदबाजों के भी फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे। दूसरी ओर अफगानिस्तान काफी दमदार टी20 टीम है, जिसने पिछले सप्ताह वेस्टइंडीज का श्रृंखला में सूपड़ा साफ किया। उसके पास काफी मैच विनर खिलाड़ी है लेकिन सबसे बड़ा स्टार राशिद खान है। दुनिया भर में टी20 लीग खेलने वाले राशिद की गेंदें अब उतनी रहस्यमयी भले ही नहीं रह गई हों लेकिन वह बेहद खतरनाक गेंदबाज हैं। उनका साथ देने के लिए मुजीबुर रहमान और नूर अहमद होंगे। चेपॉक की पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों की भूमिका अहम होगी और चूंकि मैच 11 बजे शुरू हो रहा है तो ओस की भी उतनी भूमिका नहीं होगी।

विश्व स्तर पर छाप छोड़ने का नेपाल को मौका इंग्लैंड से भिड़ंत, मैच दोपहर तीन बजे से

एजेंसी ▶▶| मुंबई

दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को उम्मीद है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को उनकी टीम जब नेपाल से खेलेगी तो फोकस वेलिंगटन क्लब में हुई घटना की बजाय मैदान में प्रदर्शन पर रहेगा। इंग्लैंड ने विश्व कप की पुख्ता तैयारी की है और प्रबल दावेदारों में से एक है। इंग्लैंड को पता है कि उसे पहले ही मैच से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पिछले 17 वनडे में से 11 जीते हैं और पिछले साल दो ही गंवाए हैं। ओस के हालात में गेंदबाजी हालांकि चुनौती हो सकती है और ऐसे में अनुभवी आदिल रशीद काफी उपयोगी साबित होंगे। नेपाल के लिए यह विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका है। पिछली बार वह दक्षिण अफ्रीका को हराने के करीब पहुंच गया था और दक्षिण अफ्रीका टीम सिर्फ एक रन से जीती थी। इसके अलावा बांग्लादेश को 106 रन पर आउट कर दिया था। नेपाल ने हाल ही में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को 2-1 से हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी श्रीलंका

खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंका का आयरलैंड से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अपने पहले मैच में रविवार को आयरलैंड से खेलेगी तो पिछली निराशाओं को भुलाकर अपने घरेलू दर्शकों को मुस्कुराने का मौका देने का इरादा होगा। भारत के साथ टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया। अब श्रीलंका उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। दूसरी ओर आयरलैंड के प्रदर्शन का दारोमदार अनुभवी पॉल स्टर्लिंग , हैरी टेक्टर और जोश लिटिल पर रहेगा। आयरलैंड आठवीं बार टी20 विश्व कप खेल रहा है और 2009 के बाद से सारे टूर्नामेंट खेला है। उसने हाल ही में इटली और यूएई को हराया है और जीत की लय कायम रखना चाहेगा। अगर वह श्रीलंका को हरा देता है तो इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने का दावेदार हो सकता है।

खबर संक्षेप

चिदंबरम स्टेडियम की नई बेहतरीन ऑउटफील्ड

चेन्नई। मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में आठ महीने तक चले मरम्मत के काम के बाद बेहतरीन आउटफील्ड और पानी के निकास के लिए अच्छी 'ड्रेनेज' प्रणाली के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले समय पर तैयार हो चुका है। इतने महीनों तक यहां जेसीबी, लिफ्टर और लोडर की तेज गड़गड़ाहट गूंजती रही। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने विश्व कप नजदीक आने पर इतना समय लेने वाला काम करने का फैसला क्यों किया? यह पूछने पर इसके सचिव यू भगवानदास राव ने कहा, ' हमने पिछली बार यह आउटफील्ड शायद 2011 में बनाई थी इसलिए काफी समय हो गया था। इस पूरे काम में हमें जून (2025) से शुरू करके लगभग आठ महीने लगे। '

16 फरवरी से दिल्ली ओपन चैलेंजर मीट

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल डीएलटीए पर 16 से 22 फरवरी तक होने वाले दिल्ली ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि ब्रिटेन के जे क्लार्क भी इसमें भाग ले रहे हैं। एकल मुख्य ड्रॉ में भारत से सिर्फ नागल को सीधे प्रवेश मिला है। चैलेंजर सर्किट पर लगातार खेलने वाले नागल घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे। प्रतिभाशाली मानस धामने और करण सिंह 15 फरवरी को एकल क्वालीफायर खेलेंगे। जापान के रेइ साकामातो , रियो नोगुची और कजाखस्तान के बेइबित झुकायेव भी इसमें भाग ले रहे हैं। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा,' दिल्ली ओपन इस क्षेत्र में सबसे प्रतिस्पर्धी और पेशेवर ढंग से होने वाला चैलेंजर टूर्नामेंट है। इससे भारत को कई अच्छे खिलाड़ी मिले हैं। इससे डीएलटीए पर प्रशिक्षण लेने वाले युवा खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए प्रेरणा मिलेगी।'

विश्व कप में अधिक टीम का खेलना अच्छा : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप के मौजूदा चरण से 20 टीम के विस्तार का स्वागत करते हुए कहा कि इससे और अधिक देशों के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। आईसीसी टी20 विश्व कप का 2026 चरण टीम की संख्या के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। राशिद ने कहा, ' विश्व कप में ज्यादा टीम का होना हमेशा अच्छा है। इससे कई देश इसमें शामिल होगें और आपको बहुत नई प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी।

टी20 विश्व कप : बेरिंगटन-ब्रूस ने की 78 रन की साझेदारी

स्कॉटलैंड 18.5 ओवर में 147 रन पर सिमटी

वेस्टइंडीज ने की जीत के साथ शुरुआत स्कॉटलैंड को हराया, शेफर्ड की हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

दो बार की विजेता वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ की है। ग्रुप सी के अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया। वेस्टइंडीज के लिए शिमरोन हेटमायर और रोमारियो शेफर्ड हीरो बनकर उभरे। वेस्टइंडीज के दिए 183 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 7 के स्कोर पर माइकल जोंस के रूप में लगा। जोंस 1 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे विकेट के लिए जॉर्ज मुंसे और ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 30 रन की साझेदारी हुई। मुलेन 12 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। 37 के स्कोर पर मुंसे भी 19 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हो गए। इस समय लग रहा था कि स्कॉटलैंड की पारी जल्द समाप्त हो जाएगी।

हेटमायर ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

शिमरोन हेटमायर ने टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड के विरुद्ध अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया है। हेटमायर टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले कैरेबियन खिलाड़ी बन गए हैं। इस दौरान महज 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ हेटमायर ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा।

हैट्रिक लेने नौवें गेंदबाज बने शेफर्ड

वेस्टइंडीज की जीत में ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड की अहम भूमिका रही। शेफर्ड ने हैट्रिक सहित 5 विकेट लिए। टी20 विश्व कप इतिहास की यह दसवीं हैट्रिक थी, जबकि शेफर्ड इस उपलब्धि को हासिल करने वाले कुल नौवें गेंदबाज हैं। वेस्टइंडीज की तरफ से स्कॉटलैंड की पारी का 17वां ओवर लेकर आए रोमारियो शेफर्ड ने पूरा खेल ही उस ओवर में पलट दिया। शेफर्ड ने उस ओवर में हैट्रिक सहित 4 विकेट लिए।

हेटमायर ने 36 गेंदों पर बनाए 64 रन

इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शिमरोन हेटमायर के 36 गेंदों पर बनाए 64 रन की मदद से 5 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए थे। हेटमायर ने अपनी पारी में 2 चौके और 6 छक्के लगाए थे।

नीदरलैंड्स को हराने में पाकिस्तान के छूटे पसीने

कोलंबो। पाकिस्तान ने नीदरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मुकाबले में 3 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपने अभियान की शुरुआत की। यह मैच शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवरों में महज 147 रन पर सिमट गई। इस टीम को सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। माइकल लेविट ने मैक्स ओ'डॉउड के साथ 3.1 ओवरों में 28 रन की साझेदारी की।

फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में दिलाई जीत

इसके जवाब में पाकिस्तान ने 19.3 ओवरों में जीत दर्ज की। फहीम अशरफ (नाबाद 29) ने शाहीन अफरीदी (नाबाद 5) के साथ 20 गेंदों में 34 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को अंतिम ओवर में जीत दिलाई। पाकिस्तान को अंतिम 2 ओवरों में 29 रनों की दरकार थी। 18.2 ओवर में फहीम अशरफ को जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई। नीदरलैंड की तरफ से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकेरेन ने 2-2 विकेट हासिल किए। एक-एक विकेट लोगान वैन बीक, काइल क्लेन और रोएलोफ वैन डेर मर्वे के हाथ लगा।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

विजेता टीम को मिलेगा 7.5 करोड़ रुपए का कैश अवॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप विजेता टीम, टेक्निकल स्टाफ और सिलेक्शन कमिटी के लिए कुल 7.5 करोड़ रुपए के कैश अवॉर्ड की घोषणा की है।

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने शनिवार को बताया, "जिम्बाब्वे और नामीबिया में अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ रुपए का कैश अवॉर्ड दिया जाएगा। हम खिलाड़ियों, टेक्निकल स्टाफ और सिलेक्शन कमिटी के लिए इनाम की रकम के बंटवारे पर काम कर रहे हैं, लेकिन बीसीसीआई की ओर से उन्हें कुल 7.5 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा।"भारत के छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब जीतने पर सैकिया ने ट्वीट में लिखा था, "यह शानदार कामयाबी एक मजबूत सिस्टम की ताकत का सबूत है, जो लंबे समय तक प्लेयर डेवलपमेंट, कॉम्पिटिटिव घरेलू स्ट्रक्चर, डेडिकेटेड टेक्निकल स्टाफ से सपोर्टेड क्वालिटी कोचिंग प्रोग्राम और एक मजबूत टैलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस पर बना है। एज-ग्रुप क्रिकेट एक मुख्य प्राथमिकता बनी हुई है। बीसीसीआई भविष्य के लिए इन नींवों में इन्वेस्ट करना और उन्हें मजबूत करना जारी रखेगा। बहुत बढ़िया, लड़कों! आप पर देश को बहुत गर्व है।"

बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल

लवलीना का दमदार प्रदर्शन फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ला नूसिया

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और विश्व कप स्वर्ण विजेता सचिन सिवाच ने शानदार जीत दर्ज करते हुए 'बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026' के फाइनल में जगह बना ली। इन दोनों के अलावा 10 अन्य भारतीय मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंचे हैं। स्वर्ण पदक की दावेदारी में भारत की आठ महिलाएं और चार पुरुष मुक्केबाज शामिल है।

लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में वेल्स की रोजी एक्लेस को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में भारत का स्वर्ण पदक पक्का हो गया है। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने सेमीफाइनल में फ्रांस की आया हम्दी को 5-0 से हराया और अब फाइनल में उनका मुकाबला पूनम से होगा। पूनम ने इंग्लैंड की आइवी-जेन स्मिथ को 4-1 से मात दी।

महिलाओं में फाइनल में पहुंचने वाली अन्य भारतीय मुक्केबाजों में मंजू रानी (48 किग्रा), नीतू घंघास (51 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नैना (80 किग्रा) शामिल हैं। सभी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते।

सचिन सिवाच का शानदार फॉर्म जारी

पुरुष वर्ग में 60 किग्रा में सचिन सिवाच ने इंग्लैंड के जैक ड्रायडन को हराकर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। इसके अलावा दीपक (70 किग्रा), आकाश (75 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) ने भी जीत दर्ज कर भारत के लिए फाइनल में जगह बनाई। दीपक ने सत्र के सबसे शानदार मुकाबलों में से एक में कजाकिस्तान के विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता नुरबेक मुरसल को पहले ही दौर में आरएससी से हराया। आकाश और अंकुश ने कजाकिस्तान के मुक्केबाजों के खिलाफ कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया। इस बीच, प्रांजल यादव (65 किग्रा), काजल (65 किग्रा), सनामाचा चानू (75 किग्रा), मनकीरत कौर (80 किग्रा से अधिक), जादुमणि सिंह (55 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (60 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

कप्तान सैंटनर को तेज गेंदबाजों पर भरोसा

चेन्नई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी इकाई की विविधता पर भरोसा है कि वे टी20 विश्व कप के दौरान 'पावरप्ले' और 'डेथ ओवरों' में विपक्षी बल्लेबाजों को शांत रखेंगे, जिसमें गेंदबाज आमतौर पर रन लुटाते हैं। तेज गेंदबाजों से आक्रमण में मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, काइल जैमीसन और जैकब डफी के अलावा ऑलराउंडर जेम्स नीशाम भी शामिल हैं। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप भारत आते हैं तो आपको पिच से ज्यादा 'लेटरल मूवमेंट' नहीं दिखता। इसलिए मुझे लगता है कि स्विंग और उछाल अहम है। इसलिए अगर डफी गेंद को स्विंग करा सकते हैं तो वह बल्लेबाजों के लिए एक चुनौती हैं। हमारे सभी तेज गेंदबाज हमें अलग-अलग विकल्प देते हैं।'उन्होंने कहा, 'लॉकी के पास ज्यादा रफ्तार और स्विंग है। जैमीसन दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं। मैट हैनरी गेंद को अंदर ला सकते हैं। डफी स्विंग करा सकते हैं। इसलिए हमें चुनना है कि कौन हमारे लिए सबसे अच्छे होंगे। ' सैंटनर ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल में हुई पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला हारने के बावजूद उनकी टीम को कुछ अच्छी बातें पता चली हैं।

राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप

राजा ने जीता स्वर्ण, जेरेमी को कांस्य

एजेंसी ▶▶| मोदीनगर

तमिलनाडु के एम राजा ने राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन जेरेमी लालरिननुंगा सहित मजबूत प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 26 वर्षीय राजा ने कुल 302 किग्रा (130 किग्रा स्नैच में, 172 किग्रा क्लीन एंड जर्क में) वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के चारु पेसी ने 296 किग्रा (129 किग्रा और 167 किग्रा) के कुल वजन के साथ रजत पदक हासिल किया।

डेविस कप क्वालीफायर : कैश और ग्लासपूल का शानदार प्रदर्शन

ब्रिटेन ने नॉर्वे को हराया, दूसरे राउंड में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

ग्रेट ब्रिटेन ने नॉर्वे को 3-0 से हराकर डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। यह जीत जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल के डबल्स मैच में 6-2, 2-6, 7-6(5) की जीत की बदौलत मिली। ग्रेट ब्रिटेन अब डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में इक्वाडोर या ऑस्ट्रेलिया में से किसी एक का सामना करेगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम नवंबर में फाइनल 8 में पहुंचेगी। डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड के मुकाबले सितंबर में आयोजित होंगे। लियोन स्मिथ की टीम ने न्यूनतम मैचों में जीत दर्ज करते हुए कमजोर नजर आ रही नॉर्वेजियन टीम को मात दी। बुधवार को विश्व नंबर 12 कैस्पर रूड के हटने के बाद नॉर्वे साफतौर पर अंडरडॉग था। खेल के शीर्ष रैंकिंग डबल्स जोड़ी कैश और ग्लासपूल को भी नॉर्वे की अस्थायी जोड़ी निकोलाई बुडकोव क्येर और विक्टर दुरासोविच ने निर्णायक टाईब्रेक तक कड़ी चुनौती दी।

ड्रेपर ने की कोर्ट में लंबे समय बाद वापसी

इस मुकाबले के पहले मैच पर सभी की निगाहें थीं, क्योंकि ब्रिटिश नंबर 1 जैक ड्रेपर ने मैच कोर्ट में लंबे समय बाद वापसी की, यह अगस्त 2025 के बाद उनका पहला मैच था। ड्रेपर ने उस खिलाड़ी की झलक दिखाई, जो पिछले साल करियर की सबसे ऊंची वर्ल्ड नंबर 4 रैंकिंग पर पहुंचा था, उन्होंने विक्टर दुरासोविक को सिर्फ 61 मिनट में 6-2, 6-2 से हरा दिया। इसके बाद कैम नॉरी ने दूसरे सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 19 वर्षीय निकोलाई बुडकोव कजेर को 6-4, 6-4 से हराया। दो मुकाबलों की बढ़त के साथ दूसरे दिन में आने के बाद, ब्रिटिश टीम को दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने के लिए सिर्फ एक और जीत की जरूरत थी। पिछले साल की एटीपी टूर की नंबर 1 डबल्स टीम, जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल, बुडकोव कजेर और दुरासोविक का सामना करने के लिए मैदान में उतरे।

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती हैः- **क्र.सं.:1, निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-18-2026 **दिनांकः** 03.02.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल इंजीनियर (मध्य) जबलपुर के अधिनस्थ विभिन्न ट्रेक रेन्युवल कार्य से संबंधित 52 के.जी./60 के.जी./90 यू.टी.एस/आर 260 रेलों के सिंगल शॉट कुसिबल सज्जित द्वारा वेल्डिंग का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹1,86,68,644/-, **बयाना राशिः** ₹2,43,400/-, **समापन अवधिः** 18 माह, **क्र.सं.:2, निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-19-2026 **दिनांकः** 03.02.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सहायक मंडल अभियंता (उत्तर) सतना के अधीन सतना स्थित मोजूदा रनिंग रूम का 40 बेड की क्षमता से विस्तार, नवीन किचन कक्ष, डाइनिंग कक्ष एवं स्टोर कक्ष का निर्माण, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹2,73,68,563/-, **बयाना राशिः** ₹ 2,86,900/-, **समापन अवधिः** 12 माह, **क्र.सं.:3, निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-20-2026 **दिनांकः** 03.02.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर के क्षेत्रअधिकार में टीटीआर-(एफएस +टीडब्लूएस+डब्लूसीएमएस)-37 संख्या (1 में 12), टीटीआर-(एफएस+टीडब्लूएस+ डब्लूसीएमएस)-24 संख्या (1 में 8.5), टीटीआर-(एफएस+सीएस+सीएमएस)-30 संख्या (1 में 8.5), टीटीआर-(टीडब्लूएस +डब्लूसीएमएस)-13 संख्या (1 में 12), टीटीआर-(टीडब्लूएस+डब्लूसीएमएस)-18 संख्या (1 में 8.5), टीटीआर-(सीएस +सीएमएस)-2 संख्या (1 में 12), टीटीआर-(सीएस+सीएमएस)-8 संख्या (1 में 8.5), टीटीआर-(डीएस)-13 और टीटीआर-(केवल डीएस रेल कॉम्पोनेन्ट)-14 का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹4,03,71,617/-, **बयाना राशिः** ₹3,51,900/-, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे तकः** क्र.सं.1 से 3 के लिएः 27.02.2026, **निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथिः** क्र.सं.1 से 3 के लिएः 27.02.2026, **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। **(हस्ता.)**
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्कूल की जगह पर कर लिया अस्पताल का निर्माण

ईओडब्लयू का शिकंजा : मेबन और तहसीलदार पर मामला दर्ज

हरिभूमि जबलपुर।

जॉय स्कूल के संचालक एवं जॉय एजुकेशन सोसायटी के चेयरमेन अखिलेश मेबन का एक और अनियमितता का मामला सामने आया है। नगर निगम से शैक्षणिक कार्य के लिए रियायती दर पर लीज पर प्राप्त जमीन में अस्पताल का निर्माण शुरु करा दिया। इस मामलें में राज्य अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्लयू) ने जॉय एजुकेशन सोसायटी के अखिलेश मेबन और तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोप है कि अखिलेश मेबन ने तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे के साथ कथित सांठगांठ कर उक्त भूमि पर अस्पताल का निर्माण शुरू करा दिया। शिकायत मिलने के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्लयू) ने जांच कर प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक आकलन में इस कार्रवाई से नगर निगम को लगभग 3.5 करोड़ रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार जीआरसी ऑफिस मेस के समीप निवासी राजकुमार द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि जॉय एजुकेशन सोसायटी को नगर निगम जबलपुर द्वारा प्लॉट नंबर 440, डायवर्सन शीट नंबर 152-सी की लगभग 7500 वर्गफुट भूमि शैक्षणिक कार्य हेतु 30 वर्ष की लीज पर रियायती दरों पर आवंटित की गई थी। जांच में सामने आया कि इस भूमि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के विपरीत करते हुए स्कूल के स्थान पर अस्पताल निर्माण शुरू कर दिया गया। आरोप है कि यह कार्य आधारताल क्षेत्र के तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे के साथ मिलकर कराया गया।

जांच एर्जेसियों के मुताबिक कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार उक्त भूमि का वर्तमान मूल्य लगभग 3.50 करोड़ रुपये आंका गया है। नियमों के विपरीत उपयोग और कथित अनियमितता के कारण इसे नगर निगम के साथ धोखाधड़ी की श्रेणी में माना गया है।

आपराधिक षड्यंत्र का आरोप

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया कि निर्माण कार्य प्रारंभ होते ही जॉय एजुकेशन सोसायटी के चेयरमेन अखिलेश मेबन द्वारा तत्कालीन तहसीलदार के साथ कथित आपराधिक षड्यंत्र रचकर बिना वैधानिक दस्तावेजों के भूमि पर मालिकाना हक स्थापित करने का प्रयास किया गया। इससे नगर निगम को धोखे में रखकर आवंटन की शर्तों का उल्लंघन किया गया। तथ्यों के सामने आने के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने अखिलेश मेबन एवं तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एजेंसी अब दस्तावेजों, अनुमति प्रक्रियाओं और निर्माण से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। ईओडब्ल्यू एसपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि प्रारंभिक विवेचना के बाद जॉय एजुकेशन सोसायटी के पूर्व चेयरमेन अखिलेश मेबन पर तत्कालीन तहसीदार हरि सिंह धुर्वे के खिलाफ धारा 318 (4), 316 (5), 61 (2) भारतीय न्याय संहिता एवं 7सी भ्रष्टाचार अपराध अधिनियम के तहत विवेचना में लिया गया है।

पिता के बाद अब बेटे पर भी एफआईआर दर्ज

जबलपुर। पूर्व जिला कार्यक्रम प्रबंधक विजय पाण्डेय के मार्कशीट के फर्जी सत्यापन दस्तावेज बनाकर झूठी शिकायत मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और कलेक्टर जबलपुर को करने पर थाना ओमती में सुभाष चंद्रा की एफ.आई.आर. 3 फरवरी को दर्ज की गई थी। सुभाष चंद्रा के पुत्र अमित चंद्रा जो कि स्वास्थ्य विभाग के मझोली कार्यालय में बीपीएम के पद में पदस्थ है, के द्वारा पिता सुभाष चंद्रा पर ओमती थाने में दर्ज एफ.आई.आर. वापस लेने के लिए दवाब बनाने जिला प्रबंधक विजय पाण्डेय के विक्टोरिया स्थित ऑफिस में पहुंचा था। ऑफिस में दवाब बनाने के बाद वह विजय पाण्डेय के रामपुर स्थित निवास पर भी पहुंचकर उनके परिवार वालों पर भी दवाब बना रहा था। जिसकी शिकायत जिला प्रबंधक विजय पाण्डेय द्वारा थाना ओमती और गोरखपुर पुलिस को सभी साक्ष्यों वीडियो के साथ दी गई। जिस पर पुलिस एफ आई आर दर्ज कर अमित चंद्रा को गिरफ्तार करने उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह फरार हो गया। अमित चंद्रा किसी का फोन नहीं उठा रहा है। पुलिस द्वारा से अमित चंद्रा की तलाश की जा रही है।

पति का दोस्त 1 साल से कर रहा था दैहिक शोषण

रेप : 68 साल का बुजुर्ग भेजा गया जेल

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत एक बेहद शर्मनाक एवं रिश्तों को तार-तार करने वाला मामला प्रकाश में आया है। यहां प्रसाद देने गई 58 वर्षीय महिला से 68 वर्षीय पति के दोस्त ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताया गया है कि आरोपी और दुष्कर्म की शिकार महिला के पति एक ही सरकारी विभाग में कार्यरत थे और उनके बीच लंबे समय से घनिष्ठ मित्रता थी. इसी मेल-जोल का फायदा उठाते हुए आरोपी ने इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को पूछताछ में महिला ने बताया कि उसके पति व उनके दोस्त एक साथ शासकीय कार्यालय में नौकरी करते थे. जिसके चलते दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी. करीब एक साल पहले पीड़िता प्रसाद लेकर आरोपी 68 वर्षीय महेश चक्रवर्ती के घर गई. जहां पर महेश चक्रवर्ती ने महिला के साथ अश्लील हरकतें शुरु कर दी, महिला के विरोध करने पर गला दबाते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे महिला घबरा गई। इस बात का फायदा उठाते हुए महेश ने महिला के साथ रेप किया। इसके बाद जब भी वृद्ध को मौका मिलता तो वह महिला को अपनी हवस का शिकार बनाता रहा. सिंतबर 2025 को महिला के पति को यह जानकारी लग गई कि महेश चक्रवर्ती उसकी पत्नी के साथ जबरन गलत काम कर रहा है. महिला के पति ने जब उससे पूछा तो सारी घटना बता दी. बीती रात महिला अपने पति के साथ रांझी थाने पहुंची और सारी घटना पुलिस को बताई। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

लाखों के जेवर व नगदी पार

दिन दहाड़े 2 सूने मकानों के ताले टूटे

जबलपुर। गोहलपुर में दिन दहाड़े एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी कर ले गए वहीं ग्रामीण क्षेत्र मझौली में भी एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर, नगदी 30 हजार रुपए और मोबाइल चोरी कर ले गए। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरसा तले निवासी 36 वर्षीय परवेज आलम गत दोपहर 2 बजे अपने परिवार के साथ नानी के यहां श्याम सिंह का घड़ा गए थे। उसके पिता शाम 4.30 बजे दुकान से घर आए तो देखे कि घर का ताला टूटा है। सूचना मिलते ही परवेज घर आया और देखा कि अंदर वाली अलमारी में रखे सोने के झुमकी एक जोडी, एक अंगूठी, एक लौंग, एक पत्ती लाकेट एवं एक जोड़ी चांदी के पायजेब, एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी बिछिया, एक जोड़ी बच्चे की पायल, एक जोड़ी मेहदी पंजा, एक बाल चोटी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

इसी प्रकार मझौली में काकरदेही निवासी 37 वर्षीय विष्णु शरण अग्रवाल ने गत रात 11.30 बजे मझौली स्थित अपनी पान दुकान और मोबाइल दुकान से करीब 18 हजार रुपए लेकर घर आया और घर के कमरे में काउंटर की ड्राज में रखे दिया। ड्राज में पहले से ही 12 हजार रुपए रखे थे। रात 11.45 बजे घर के सभी लोग खाना पीना खाकर सो गये थे, सुबह 5 बजे मंझले भाई राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने देखा कि घर की गैलरी के दरवाजे का ताला टूटा है। कमरे में रखे वीवो टी3 प्रो 5जी कम्पनी एवं रेडमी नोट 10टी 5जी कम्पनी का मोबाइल, ड्राज में रखे 30 हजार रुपए अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। चोरी गए दोनों मोबाइलों की कीमत करीब 35 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जिले के 100 आदतन अपराधियों पर जिला बदर की कार्रवाई

जबलपुर। जिला पुलिस ने आदतन अपराधियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए पिछले एक हफ्ते में 100 से अधिक बदमाशों पर जिला बदर की कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बताया कि अपराधों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने हेतु ऐसे अपराधी जो लगातार अपराधों में संलिप्त हैं, अथवा जिनके द्वारा भविष्य में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने की प्रबल संभावना है, उनके विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही हेतु प्रकरण तैयार कर जिला दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए। सभी नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी के मार्गदर्शन में समस्त थाना शहर/देहात से एक सप्ताह में 100 से अधिक आदतन अपराधियों का जिला बदर प्रकरण तैयार किये गये जिनमें सबसे अधिक कार्यवाही थाना अधारताल, बेलबाग, माढोताल,, रांझी, गोरखपुर, तिलवारा, हनुमानताल, बरेला, पुलिस द्वारा की गयी है।

फर्जीवाडा : केवल कागजों पर चल रही फर्मे

कटनी, सीधी, सतना में जीएसटी की छापेमारी

हरिभूमि जबलपुर।

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी जबलपुर ने शनिवार को कटनी सहित तीन जिलों में टैक्स चोरी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पास करने वाले कुछ बड़े संस्थानों पर दबिश दी है। केंद्रीय जीएसटी आयुक्त लोकेश लिल्हारे के नेतृत्व और निर्देशन में विभाग की एंटी इवेजन टीम ने सीधी, सतना और कटनी जिलों में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। विभाग को खुफिया जानकारी मिली थी कि इन क्षेत्रों में कई ऐसी फर्में पंजीकृत हैं जो केवल कागजों पर चल रही हैं और इनका उपयोग कोयले की फर्जी बिलिंग कर गलत तरीके से आइटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का लाभ उठाने के लिए किया जा रहा है। छापामार कार्रवाई के दौरान टीम को

कुछ चौंकाने वाले तथ्य मिले हैं। बताया जाता है कि जीएसटी के राडार पर आयी नौ फर्मों में से आठ फर्में अपने पंजीकृत पते पर अस्तित्वहीन यानी गैर-परिचालन की पाई गईं। इन फर्मों का मौके पर कोई नामो-निशान नहीं था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इनका गठन केवल सरकारी राजस्व को चूना लगाने के लिए किया गया था।

जांच में यह बात सामने आई है कि इन फर्मों ने कोयले की खरीद-बिक्री के झूठे बिल तैयार किए। इन फर्जी बिलों के आधार पर करोड़ों की बोगस आईटीसी जनरेट की गई और उसे दूसरी फर्मों को ट्रांसफर कर दिया गया। टीम ने सीधी की श्री बालाजी एसोसिएट, महादेव ट्रेडर्स, मिश्रा ट्रेडिंग, गायत्री एंटरप्राइजेज और आदित्य फिलिंग स्टेशन, कटनी की जय श्री बालाजी कोल ट्रेडर्स और कुमार ट्रेडिंग कंपनी और सतना की रिशाल एसोसिएट्स व भव्यंश सेल्स एंड लॉजिस्टिक्स में कार्रवाई की है। विभाग अब इन फर्मों के बैंकिंग ट्रांजेक्शन, जीएसटी रिटर्न और ई-वे बिलों का बारीकी से मिलान कर रहा है ताकि राजस्व हानि का सही आकलन किया जा सके। कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने स्पष्ट किया है कि टैक्स चोरी करने वालों और फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ विभाग की यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी। इस जांच की आंच कुछ और बड़े व्यापारिक घरानों तक पहुंच सकती है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिलेभर में चला संयुक्त अभियान, वाहन जब्त व रास्ते किए गए विनष्ट

अवैध रेत खनन व परिवहन पर प्रशासन का शिकंजा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत समस्त एसडीएम द्वारा अपने-अपने अनुविभागों में पुलिस एवं खनिज अमले के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। सिहोरा क्षेत्र में अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गईं। वहीं देवरी, खिरहनी, घोराकोनी एवं मढ़ा क्षेत्रों में नदी घाटों की जांच कर रेत चोरी के लिए बनाए गए रास्तों को विनष्ट किया गया। शहपुरा तहसील में एसडीएम के नेतृत्व में ग्राम भड़पुरा, शीतलपुर एवं मालकछार में अवैध उत्खनन-परिवहन के मार्गों को नष्ट किया गया तथा नदी किनारे जमा रेत के ढेरों को नदी में गिराया गया। कुंडम क्षेत्र के कल्याणपुर एवं रानीपुर घाट में भी कार्रवाई की गई। भड़पुरा में अनधिकृत रूप से संग्रहित लगभग 100 हाइवा रेत को विनष्ट किया गया। संयुक्त अभियान में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की सक्रिय भूमिका रही। प्रशासन ने बताया कि यह अभियान 8 फरवरी को भी जारी रहेगा।

हाईकोर्ट ने अविश्वास प्रस्ताव मामले में सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने लखनादौन नगर परिषद अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव राज्य निर्वाचन आयोग को अग्रेषित न करने के मामले में राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने शासकीय अधिवक्ता को निर्देश दिया है कि वे अविश्वास प्रस्ताव के अग्रेषण संबंधी निर्देश प्राप्त करें। मामले को अगले सप्ताह फिर से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। याचिकाकर्ता सिवनी जिले की लखनादौन नगर परिषद की पार्षद सीता राम चौकसे द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि 29 अक्टूबर, 2025 को 12 पार्षदों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। याचिककार्ता की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी ने तर्क दिया कि इस प्रस्ताव को कलेक्टर सिवनी द्वारा 20 नवंबर, 2025 को राज्य सरकार को भेज दिया गया। इसके बावजूद, इसे अभी तक राज्य निर्वाचन आयोग को नहीं भेजा गया है। यह संशोधित नगर पालिका अधिनियम ,19610की धारा 47 का उल्लंघन है। राज्य सरकार का कार्य संशोधित कानून के तहत एक मात्र डाकघर (पोस्ट आफिस) का है, जिसे प्रस्ताव को आयोग तक पहुंचाना है। निष्क्रियता कानूनी कर्तव्य की स्पष्ट अवहेलना है।

10 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया तस्कर

जबलपुर। क्राईम ब्रांच व गोरखपुर पुलिस ने नयागांव जंगल रोड़ में मादक पदार्थ गांजा की तस्करी में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 किलो 380 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत 5 लाख 19 हजार रुपए बताई गई है। गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और गोरखपुर पुलिस की

टीम ने नयागांव जंगल रोड में दबिश देकर सिंधी कैंप भवानी चौक हनुमानताल निवासी 19 वर्षीय आदित्य उर्फ आदी विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर उसके पास 10 किलो 380 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत 5 लाख 19 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 8, 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुये मामला जांच में लिया है।

रेस्टोरेंट संचालक पर मामला दर्ज

शादी का झांसा देकर युवती को बनाया हवस का शिकार

जबलपुर। मदनमहल थाना अतंर्गत एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किए जाने के मामले में पुलिस ने रेस्टारेंट संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है । मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रांझी क्षेत्र की रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने एक लिखित शिकायत में कहा है कि जिम जाने के दौरान दो साल से उसकी पहचान गोरखपुर निवासी 25 वर्षीय आरोपी सुमित बर्मन से हुई थी, जो एक रेस्टोरेंट चलाता है। पहचान दोस्ती में बदली और दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद फरवरी 2025 में आरोपी ने उसे एक होटल में बुलाया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाये। इसके बाद वह लगातार दैहिक शोषण करता रहा बाद में शादी से मुकर गया, विरोध करने पर उसे कथित तौर पर डराने-धमकाने भी लगा। पुलिस ने आरोपी सुमित बर्मन के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया आरोपी अभी फरार है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240